शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 122 | गुवाहाटी | बुधवार, 23 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दो सड़क हादसों में सात मरे पेज 3
सीआईएसएफ में चयनित 8006 अभ्यर्थियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र पेज 4
सीएम योगी ने उप्र में निवेश के लिए देश और दुनिया के उद्यामियों से की अपील पेज 5
भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा : केंद्रीय मंत्री पेज 8

असम-मेघालय सीमा पर भड़की हिंसा के पीछे तस्करी, छह की मौत

■ एसपी का तबादला ■ कई अधिकारी निलंबित ■ सीबीआई जांच करेगी

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर कथित तौर पर अवैध लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को मंगलवार तड़के असम के वनकर्मियों द्वारा रोकने के बाद भड़की हिंसा में मौत का आंकड़ा बढ़कर 6 हो गई है। मृतकों में एक वनकर्मी भी शामिल है। मरने वालों में से पांच मेघालय के हैं जबकि एक असम का रहने वाला है। मृतकों में एक वनकर्मी भी शामिल है। हिंसा के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कार्रवाई करते हुए पश्चिम जयंतिया हिल्स के एसपी का तबादला कर दिया है। और स्थानीय पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ-साथ मामले की जांच सीबीआई को भी सौंप दी गई है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं और मामले को सीबीआई को सौंप दिया है। एसपी का तबादला कर दिया गया है और स्थानीय पुलिस और वन अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। असम सरकार ने घटना में मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने का भी फैसला किया है। दूसरी ओर मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को टैग करते हुए एक ट्वीट में शिकायत की है कि असम पुलिस और वनकर्मी मेघालय में घुसे और बिना उकसावे के गोलीबारी करनी शुरू कर दी। सांग्मा की पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी पार्टी है। हालांकि, असम पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि ट्रक को राज्य के वेस्ट कार्बी आंग्लांग जिले में राज्य के वन विभाग की टीम ने रोका तो मेघालय की तरफ से लोगों की भीड़ ने इस टीम और पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया, जिसके कारण असम की ओर से हालात पर काबू पाने के लिए गोली चलाई गई। सांग्मा ने कहा कि पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले के मुकरोह गांव में मारे गए छह लोगों में से पांच लोग मेघालय के निवासी हैं, जबकि असम के एक वनकर्मी की मौत हुई है। इसके विपरीत असम पुलिस ने एक वन कर्मी समेत मृतकों की संख्या केवल चार बताई है। सांग्मा ने ट्वीट किया कि मेघालय सरकार इस घटना की कड़े शब्द भर्त्सना करती है जिसके तहत असम पुलिस और असम के वनकर्मियों ने मेघालय में घुसकर बिना उकसावे के गोलीबारी की। मेघालय सरकार न्याय दिलाने के लिए सभी कदम उठाएगी। इस अमानवीय कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सांग्मा ने अपने राज्य की जनता से राज्य में शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय न जाएं : असम पुलिस

गुवाहाटी (हि.स.)। कार्बी आंग्लांग जिला में असम-मेघालय सीमावर्ती मइक्रांग गांव में मंगलवार सुबह हुई गोलीबारी में लकड़ी तस्करी के तीन आरोपित (खासी नागरिक) और एक वन रक्षक की मौत के बाद बाद मंगलवार सुबह असम-मेघालय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। गुवाहाटी के बाहरी इलाके जोराबाट में असम-मेघालय सीमावर्ती इलाके में सुबह से ही असम पुलिस की विशेष टीम अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में पहरा दे रही है। गुवाहाटी से शिलांग जाने वाले असम के अलावा अन्य राज्यों से आए पर्यटकों को जोराबाट तीनाली पर असम पुलिस रोककर मेघालय नहीं जाने की सलाह दे रही है। पुलिस के आलाधिकारियों ने बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून की जरूरत : हिमंत विश्व शर्मा

अहमदाबाद। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुजरात के धनसूरा में कहा कि एक व्यक्ति देश में 2-3 शादी कर लेता है, आप क्यों करेंगे इतनी शादी। देश में अगर हिंदू 1 शादी करता है तो बाकि धर्म के लोगों को भी 1 ही शादी करनी पड़ेगी। इसलिए मैं आज ये बोलता हूं कि देश को समान नागरिक संहिता कानून चाहिए। महिलाओं का सम्मान होना चाहिए। घर में अगर 1 बेटा और 1 बेटी है तो दोनों को एक समान अधिकार मिलना चाहिए। देश में समान नागरिक संहिता चाहिए और ये केवल भाजपा ला सकती है, कांग्रेस नहीं। श्रद्धा मर्डर केस का जिक्र करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आफताब ने शारदा को मार डाला और उसके शरीर के 35 टुकड़े कर दिए। जब पुलिस ने पूछा कि वह केवल हिंदू लड़कियों को क्यों लाया, तो उसने कहा कि उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वे भावुक हैं। अन्य आफताब-श्रद्धा भी हैं, देश को *लव जिहाद* के खिलाफ सख्त -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम को जान से मारने की धमकी के सात मैसेज

मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जान से मारने की धमकी के सात मैसेज मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर आए हैं। इसमें एक ऑडियो टेप भी है, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुख्यात गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के दो गुर्गे मारने जा रहे हैं। दोनों गुर्गों का नाम मुस्तफा अहमद और नवाज बताया गया है। इस मैसेज के बाद मुंबई पुलिस एक जांच टीम बनाकर मैसेज भेजने वाले की छानबीन कर रही है। पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके को लेकर हम तैयार आदेश का इंतजार : उपेंद्र द्विवेदी

पुंछ। पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि भारत की उत्तर में विकास यात्रा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित और बाल्टिस्तान के हिस्सों में पहुंचने के बाद पूरी होगी। अब इसी को लेकर भारतीय सेना की ओर से बयान आया है। रक्षा मंत्री के इस बयान पर उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जहां तक भारतीय सेना का संबंध है, वह भारत सरकार द्वारा दिए गए किसी भी आदेश को पूरा करेगी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने यह भी कहा कि सेना हमेशा यह सुनिश्चित -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

अलाबोई लड़ाई की याद में बनेंगे दो युद्ध स्मारक

गुवाहाटी। अहोम सेना के बलिदान और वीरता को श्रद्धांजलि देने के लिए, असम सरकार ने हाल ही में कई पहल की हैं जिनमें दो स्मारकों का निर्माण शामिल है – एक गुवाहाटी में और दूसरा जोरहाट में। राज्य की राजधानी गुवाहाटी के बाहरी इलाके में, जहां 17वीं शताब्दी में अहोम सेना और मुगलों के बीच अलाबोई की लड़ाई लड़ी गई थी, 50 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक स्मारक बनाया जाएगा। स्मारक का मुख्य आकर्षण स्मारक के ठीक केंद्र में 100 फीट ऊंची अहोम तलवार होगी। राज्य सरकार ने आज युद्ध स्मारक का -शेष पृष्ठ दो पर

उषा मंगेशकर को भूपेन हजारिका अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता पुरस्कार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने मंगलवार को नेड्फी हाउस में आयोजित एक समारोह में प्रसिद्ध गायिका उषा मंगेशकर को विश्वरत्न डॉ. भूपेन हजारिका अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता पुरस्कार प्रदान किया। पुरस्कार के तौर पर 5 लाख रुपये का नकद, एक अंगवस्त्र, एक प्रशस्ति पत्र और पुस्तकों का संग्रह शामिल है। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल प्रो. मुखी ने कहा कि डॉ. भूपेन हजारिका एक संगीत प्रतिभा थे, जिन्होंने अपनी रचनाओं और गीतों के माध्यम से असम को देश के सांस्कृतिक मानचित्र पर रखा। राज्यपाल ने कहा कि एक संगीत प्रतिभा के नाम पर स्थापित इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को एक अन्य गायन प्रतिभा को प्रदान करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि डॉ भूपेन हजारिका की अनूठी रचनाओं और आत्मा को झकझोर देने वाले गीतों की प्रस्तुति ने उन्हें देश का सबसे प्रसिद्ध कलाकार बना दिया है। उन्होंने महान गायक के बाद इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की स्थापना के लिए असम साहित्य सभा को भी धन्यवाद दिया, जो वास्तव में ब्रह्मपुत्र के चारणों में एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिष्ठित द्विवार्षिक पुरस्कार पहले ही संस्कृति, साहित्य और फिल्म निर्माता की प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय हस्तियों जैसे इंदिरा गांधी को प्रदान किया जा चुका है। बांग्लादेश के लुबना मरियम, भारत के अडूर गोपालकृष्णन, श्रीलंका के प्रसन्ना विथानगे -शेष पृष्ठ दो पर

एससी में अल्पसंख्यकों की पहचान पर 14 राज्यों के आए जवाब

नई दिल्ली। केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने राज्य स्तर पर अल्पसंख्यकों की पहचान के मुद्दे पर सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श बैठकें की हैं और 14 राज्यों ने अपनी रिपोर्ट सौंपी है। इसने कहा कि शेष 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टिप्पणियां नहीं मिली हैं और चूंकि मामला संवेदनशील प्रकृति का है और इसके दूरगामी प्रभाव होंगे, इसलिए उन्हें अपने विचारों -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

ओडिशा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता धरने पर, 60 हजार केंद्र बंद

भुवनेश्वर। ओडिशा में अपनी मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनिश्चितकालीन धरने पर हैं। इतना ही नहीं, कर्मचारियों के विरोध के कारण राज्य में करीब 60,000 आंगनवाड़ी केंद्रों को भी बंद कर दिया गया। विरोध कर रहे कर्मचारियों की मांग है कि उनकी पदोन्नति की जाए। साथ ही ये कर्मी वेतन में बढ़ोतरी की मांग भी कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को भी करीब 50,000 आंगनबाड़ी कर्मियों ने राजधानी भुवनेश्वर में प्रदर्शन किया था। राज्य के अलग-अलग हिस्सों के आंगनबाड़ी कर्मियों ने राजधानी में एकत्रित होकर विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले राज्य विधानसभा भवन के पास धरना दिया था। प्रदर्शन कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांग है कि सरकारी कर्मचारियों का टैग और आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को 18 हजार रुपए मासिक मानदेय -शेष पृष्ठ दो पर

चांद पर रहकर काम कर सकेंगे इंसान : नासा

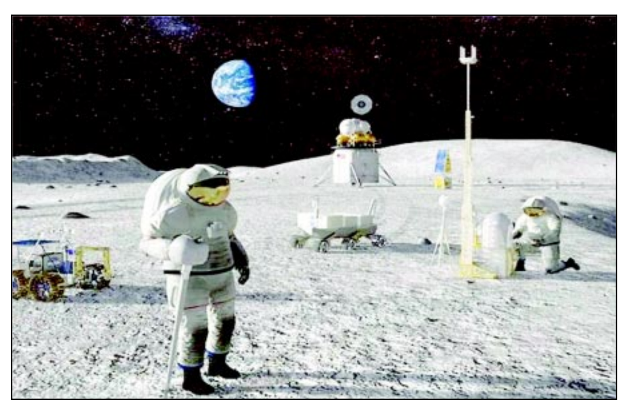

वाशिंगटन। नासा ने चंद्रमा पर अपने बेस बनाने और अन्य भावी अभियानों के लिए इंसान के चंद्रमा पर लंबे समय की उपस्थिति सुनिश्चित करने की दिशा में पहला कदम सफलता पूर्वक उठा दिया है। नासा के अधिकारियों का कहना है कि आर्टिमिस अभियान के पहले चरण के सफल प्रक्षेपण के बाद दशक के अंत पर चंद्रमा पर रहना और वहां काम करना संभव हो जाएगा। हालाकि ये सब आम लोगों के लिए अभी नहीं होगा लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों के लिए ही यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। नासा की यह दूरगामी प्रयास भविष्य में मंगल के अभियानों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। नासा का आर्टिमिस अभियान का सफल प्रक्षेपण हो चुका है। अब ओरियॉन अंतरिक्ष यान चंद्रमा की विशेष कक्षा की ओर बढ़ रहा है। यह अभियान नासा का महत्वाकांक्षी अभियान का पहला चरण है जिसके तीसरे और अंतिम चरण में नासा चंद्रमा पर पहली महिला और पहला गैरश्वेत पुरुष भेजा जाएगा और इस अभियान के जरिए चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, नासा के बड़े अधिकारी का कहना है कि 2030 तक इंसान चंद्रमा पर रहने लगेंगे और काम भी करने लगेंगे। इस अभियान के बारे में नासा के ओरियॉन लूनार स्पेसक्राफ्ट प्रोग्राम के प्रमुख हॉवर्ड हू का कहना है कि 2030 से पहले ही इंसान चंद्रमा पर लंबे समय तक रहने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
जैसे एक सूखा पेड़ आग लगने पे पूरे जंगल को जला देता है। उसी प्रकार एक दुष्ट पुत्र पूरे परिवार को खत्म कर देता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में भारतीय डाक मंडप उद्घाटित

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रगति मैदान में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में सोमवार को भारतीय डाक मंडप का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर डाक टिकटों की अनूठी प्रदर्शनी की भी शुरुआत की गई। इस प्रदर्शनी में डाक विभाग के शुरुआती सफर से लेकर अबतक जारी किए गए डाक टिकटों का संग्रह शामिल किया गया है। डाक विभाग का मंडप हॉल नंबर पांच में लगाया गया है। इस मंडप में भारतीय डाक विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं से लोगों को अवगत कराया जा रहा है।

रोजगार मेले में पीएम मोदी ने दिया 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। डबल इंजन यानी केंद्र और राज्य में एक जैसी सरकार भाजपा के चुनावी नारा का प्रभावी हिस्सा है। चुनावों में इसका असर भी दिखता रहा है। ऐसे में मंगलवार को दूसरे रोजगार मेला के तहत देशभर के 71000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी याद दिला दिया है ऐसे कार्यक्रम राजग शासित सभी राज्यों में हो रहे हैं। यह डबल इंजन का फायदा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप से लेकर स्वरोजगार तक, स्पेस से लेकर ड्रोन तक, आज भारत में युवाओं के लिए चौतरफा नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। रोजगार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें राष्ट्रीय विकास में उत्प्रेरक बनाने का हमारा प्रयास है। हिमाचल प्रदेश और गुजरात को छोड़कर देश के अन्य 45 स्थानों पर आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 71000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप इतने परिवारों के लिए खुशी का नया युग आएगा। रोजगार के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि कई केंद्र शासित प्रदेश समय-समय पर ऐसे रोजगार मेले आयोजित करते रहेंगे। प्रसन्नता जताई कि हजारों युवाओं को संबंधित सरकारों द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप, दमन व दीव, दादरा तथा नगर हवेली और चंडीगढ़ में नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं। गोवा व त्रिपुरा में भी कुछ दिनों में रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। इसे उपलब्धि बताते हुए पीएम मोदी ने डबल इंजन की सरकार को श्रेय दिया और आश्वस्त किया कि भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए समय-समय -शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने अरुणाचल और सिक्किम में तैनात किए संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपने भारत केंद्रित पश्चिमी थिएटर कमांड के लिए तीन और संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड को रिजर्व फॉर्मेशन के रूप में तैनात किया है। एक को सिक्किम में और दूसरी ब्रिगेड को अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया गया है। एलएसी पर माइनस 40 डिग्री तापमान में तैनात की गईं इन तीनों चीनी ब्रिगेड पर भारत पैनी नजर रख रहा है। चीन के किसी भी दुस्साहस को जवाब देने के लिए सेना और वायु सेना तैयार है। चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सरदार पटेल के अपमान में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी : शाह

अहमदाबाद (हि.स.)। आणंद जिले के खंभात में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर सरदार पटेल की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सरदार पटेल को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कांग्रेस ने सिर्फ सरदार पटेल के नाम का उपयोग किया और उन्हें भारत रत्न देने में भी कांग्रेस ने उपेक्षा की, जिसे कोई भूल नहीं सकता है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केवडिया में विश्व की सबसे ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी। गुजरात विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के 93 में से 75 विधानसभा सीटों पर भाजपा नेताओं ने मंगलवार को धुआंधार प्रचार किया। इसके तहत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खंभात में जनसभा की। अपने भाषण में उन्होंने कांग्रेस की विफलता और भाजपा की उपलब्धियों को रेखांकित किया। शाह ने कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस हर जगह बोर्ड लगा कर कहती है कि कांग्रेस का काम बोलता है, लेकिन कांग्रेस राज्य में 1990 के बाद सत्ता में नहीं है, फिर यह काम कौन कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले 27 साल के शासन काल में राज्य का कायापलट किया है। शाह ने गरीबी-बेरोजगारी के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने चुनाव के समय कांग्रेस नेताओं की सक्रियता पर भी चुटकी ली और कहा कि चुनाव देखकर कांग्रेस नेता नए-नए कपड़े सिलाकर तैयार हो गए हैं। शाह ने अपने भाषण में धारा 370, अयोध्या में राम मंदिर से लेकर ट्रिपल तलाक के मुद्दे पर नरेंद्र मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। देशभर में आस्था के केंद्रों का मोदी सरकार में पुनरोत्थान करने का उल्लेख किया। कश्मीर में उरी की घटना के बाद सर्जिकल स्ट्राइक की चर्चा की। शाह ने कहा कि केंद्र में दूसरी सरकारें होती तो क्या यह संभव हो पाता। कांग्रेस काल की नाकामियों की चर्चा कर उन्होंने कहा कि कर्फ्यू और अपराध उनकी देन थी। द्वारका में डिमोलिशन पर शाह ने कहा कि वहां अनधिकृत मजारों के जरिए, अतिक्रमण का खेल शुरू हुआ था, जिसे समय रहते जमींदोज कर दिया गया। कांग्रेस के गरीबी हटाओ नारे का जिक्र कर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ नारा दिया और यदि इस क्षेत्र में काम किया होता तो नरेंद्र मोदी सरकार को देश की 80 करोड़ जनता को कोरोना के दौरान सवा दो साल तक मुफ्त अनाज नहीं देना पड़ता, 1.5 करोड़ लोगों को सिलेण्डर नहीं देने पड़ते। कांग्रेस पर शाह ने आरोप लगाया कि उसने सिर्फ गरीबों का खून पिया। सभा के अंत में उन्होंने जनता को आगाह किया कि वे कांग्रेस को नहीं जीतने दें, नहीं तो फिर से कौमी दंगों का दौर शुरू हो जाएगा।

सरकारी भ्रष्टाचार पर कब चलेगा बुलडोजर : नकुल दुबे

लखनऊ (हिंस)। कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दुबे ने एक प्रेसवार्ता की। इसमें उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा को जन समर्थन प्राप्त हो रहा है उससे निश्चित ही कांग्रेस पार्टी को सफलता प्राप्त होगी। यात्रा का उद्देश्य जन जन तक पहुंच सके तथा कुशलता के साथ यात्रा का समापन हो मैं ऐसी प्रार्थना करता हूं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में व्याप्त सरकारी भ्रष्टाचार पर चिन्ता जाहिर करते हुए योगी सरकार से सवाल किया कि आखिर सरकारी भ्रष्टाचार पर कब बुलडोजर चलेगा। कुम्भ घोटाला, अयोध्या जमीन घोटाला, पशुधन घोटाला, डीएचएफएल घोटला, स्मार्ट मीटर घोटाला, सहकारिता विभाग घोटाला, छात्रवृत्ति घोटाला, इंवेस्टर समिट आयोजन घोटाला, रोजगार परीक्षा आयोजन घोटाला इत्यादि मामलों में जितनी भी जांचे की गयी, सब अधूरी हैं, किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। मुख्य आरोपी खुले घूम रहे हैं मगर उनके घरों पर योगी का बुलडोजर नहीं चलता। श्री दुबे ने आगे कहा कि प्रदेश में जंगलराज कायम हो चुका है। आए दिन महिलाओं, किशोरियों पर अत्याचार की घटनाएं योगी सरकार की महिला सुरक्षा नीति की पोल खोल रही है। एक सर्वे के मुताबिक यूपी में प्रतिदिन 12 रेप की घटनाएं घट रही हैं जिसे देखकर यह लगता है कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त हो चुका है। प्रदेश में जीरो टॉलरेन्स पर क्राइम का दावा करने वाली योगी सरकार विफल साबित हो चुकी है। शहरों में लूट चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। ज्यादातर घटनाओं में युवा शामिल हैं और प्रतीत होता है कि अशिक्षा और बेरोजगारी इसकी मुख्य वजह है। उन्होंने प्रदेश के किसानों की हालत पर चिन्ता जाहिर करते हुए कहा कि आज देश में किसानों की स्थिति दयनीय हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दुगनी हो जायेगी मगर उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बावजूद न तो किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम दिला पा रहा है और ना ही खाद उपलब्ध करा पा रही है सरकार। किसानों के सामने बड़ी समस्या सिंचाई की भी है बिजली के दामों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो गई है। लागत न मिलने की वजह से किसान आत्महत्या को मजबूर हैं। राजधानी लखनऊ भी इससे अछूती नहीं है।

सिकंदर मांझी हत्याकांड मामले का 24 घंटे के भीतर खुलासा, तीन गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। जिले में पलासी थाना क्षेत्र के भट्टाबाड़ी गांव के रहने वाले सिकंदर मांझी हत्याकांड का पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए तीन नामजद आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी स्वयं सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने दी। मामले का खुलासा करते हुए सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में बताया की सोमवार को पलासी थानान्तर्गत धर्मगंज के भाई राजू कुमार मांझी ने मृतक के ससुराल पक्ष के कुल 9 लोगों को प्राथमिकी अभियुक्त बनाते हुए उनके विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया था। पलासी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नामजद अभियुक्त मृतक का ससुर नंदलाल माझी, और मृतक का साला संजीत कुमार और बालक कुमार को गिरफ्तार किया गया। जिससे आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सदर एसडीपीओ ने पुलिस की ओर से भी मामले की जांच किए जाने की बात करते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान का सहारा पुलिस की ओर से लिया गया। आरोपितों के गिरफ्तारी को लेकर हुए छापेमारी में पलासी के प्रभारी थानाध्यक्ष शाहजहां खान, पुलिस अवर निरीक्षक कनकलाता समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को पलासी थाना क्षेत्र के भट्टाबाड़ी के रहने वाले सिकंदर माझी नामक व्यक्ति का शव आम के बगीचे में फंदे से लटका मिला था। संदिग्ध अवस्था में शव मिलने की जानकारी जहां पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई वहीं घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

अभायाम का प्रखंड अध्यक्ष बने लालू

अररिया (हिंस)। अखिल भारतीय यादव महासभा का प्रखंड इकाई के गठन को लेकर यादव कॉलेज परिसर में बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से जितेन्द्र यादव उर्फ लालू यादव को अररिया प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक की अध्यक्षता गैयारी के पूर्व मुखिया चमन लाल सिंह यादव ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती और विस्तार के साथ साथ समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रयास करने पर बल दिया गया।

नगांव गोपाल गौशाला में विशेष सभा का आयोजन

नगांव (निसं)। नगांव गोपाल गौशाला में आज एक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के गणमान्य लोग उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि यह सभा एक विशेष मुद्दे को लेकर आह्वान किया गया था। गौशाला के संदर्भ में एक अखबार द्वारा प्रकाशित की जा रही खबरों पर समाज की प्रतिक्रिया को खुले तौर पर रखने के लिए इस सभा का मुख्य उद्देश्य था। गौशाला समिति के अध्यक्ष सांवरमल खेतावत की अध्यक्षता में चली आज की सभा में सभी लोगों ने गौशाला के हित में ही अपने विचार साझा किए। शंकर लाल वर्मा ने कहा कि समाज में गौशाला के विरोध में जो बातें फैलाई जा रही है वह समाज हित में नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यस्था में जो कभी हो रही है उसका भी ध्यान रखना चाहिए। समाज सेवी गोपाल पोद्दार ने सभा में अपनी विचार रखते हुए कहा कि कोई नहीं चाहता हैं कि गायों की मौत हो। व्यस्क गायों की मौत होना स्वाभाविक है। इसके आड़ में गलत बातें फैलाना ठीक नहीं है। पूर्व अध्यक्ष विजय लोहिया को अध्यक्ष ने विषय-वस्तु पर मतंव्य देने को कहा तो वे साफ तौर पर कुछ कहने से मना कर दिए। सभा में ललित कोठारी ने गायों की खान-पान के लिए एक न्युट्रेशन स्पेस्लिष्ट रखने का सुझाव दिया। अजय मित्तल ने कहा कि विनम्रता ही लोगों को आपसी मेलजोल को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है। इसलिए हर काम को विनम्रता से करनी चाहिए। चर्चा के दौरान संजय पोद्दार ने कहा कि कमी को दूर करना चाहिए। सभा में पवन किल्ला, विनित मोर, जुगल शर्मा ने भी अपने विचारों के माध्यम से गौशाला हित की बात कही। वहीं समाज सेवी राम अवतार अग्रवाल ने कहा कि अखबार में प्रकाशित खबर की स्पष्टीकरण देना चाहिए और साथ ही उन्होंने इस बात पर बल दिया कि षड़यंत्रकारी को खोजें। कोई पद लालसा के लिए तो इस तरह का कारनामा तो नहीं कर रहा है। समाज सेवी बिनोद मोर ने स्टाप पर दोष लगाते हुए कहा है कि स्टाप के लिए गौशाला की बदनामी हो रही है और इसे गंभीरता से लेनी चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी प्रहलाद राय तोदी ने सभा में सारगर्भित विचार रखते हुए कहा कि वातावरण गंदी नहीं करें। कोई कमी है तो इसे समाज को मिलजुलकर समाधान करनी चाहिए। संस्था केवल एक व्यक्ति की नहीं बल्कि समाज की होती है। समाज सेवी राधा रमण खाटुवाला ने कहा कि खबर में यह बातें सामने आ रही है कि पुरानी कमिटी आपत्ति कर रही है। जबकि सच यह है कि पुरानी कमिटी वर्तमान कमिटी के साथ मिलकर काम कर रही है। पुरानी कमिटी और वर्तमान की कमेटी में कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि समाचार में प्रदीप केजरीवाल के खिलाफ आधारहीन आरोप लगाना न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदीप केजरीवाल निःस्वार्थ रूप से अपनी सेवाएं गौशाला को दे रहे हैं। चापर और गुड़ में कोई कमी नहीं है। सेवा में कोई कमी नहीं है। लोग ईश्वर से डरें। झूठा प्रपंच समाज में फैलाना अच्छी बात नहीं है। उल्लेखनीय है कि प्रदीप केजरीवाल सभा को संबोधित करते हुए उनके ऊपर किसी एक अखबार द्वारा लगाएं गए खबरों का स्पष्टीकरण देते वक्त इतना भावुक हो गए कि उन्हें दिल का दौरा पर गया और उन्हें तत्काल एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया।। खबर लिखने तक उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुई है। सभा में अध्यक्ष सांवरमल खेतावत ने प्रदीप केजरीवाल की स्वस्थ जल्द ठीक होने की कामना करते हुए अपने संबोधन में कहा कि स्टाफ में कोई कमी नहीं है। गायों को दाना देने में कोई कोताही बरती नहीं जाती है। फंड है या नहीं, लेकिन पेमेंट में कमी नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि अचार का दाना मक्का से बनती है और इसे गाय बड़े चाव से खाती है। उन्होंने कहा कि बार्नीहाट से अच्छी दाना निःशुल्क गौशाला को मिलता है। बीन व्याही गायों को अजवाइन देना कहां तक ऊंचित है। जो दुस्प्रचार करते हैं, उसके पीछे उनका स्वार्थ निहित है। उन्होंने सभा में अपील किया कि बदनाम करने का नहीं सुनाम करने की चाह रखनी चाहिए, जिससे गौशाला के साथ ही समाज का भी कल्याण हो। सभा के अंत में सारंग खाटुवाला ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया।

पृष्ठ एक का शेष

असम-मेघालय सीमा ...

रखने के लिए राज्य सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतर-राज्यीय सीमा के 12 इलाकों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों पूर्वोत्तर राज्यों ने इनमें से छह इलाकों में विवाद को खत्म करते हुए नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मार्च में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों ने बाकी के छह इलाकों में विवाद को हल करने के लिए बातचीत भी शुरू की। मेघालय को असम से अलग कर 1972 में स्थापित किया गया और उसने असम पुनर्गठन कानून, 1971 को चुनौती दी थी। मालूम हो कि असम-मेघालय सीमा पर पुलिस द्वारा मंगलवार तड़के अवैध लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को रोकने के बाद हुई हिंसा में एक वन रक्षक सहित छह लोगों की मौत हो गई। पश्चिम कार्बी आंग्लांग के पुलिस अधीक्षक इमदाद अली ने बताया कि ट्रक को मेघालय सीमा पर असम वन विभाग की टीम ने तड़के करीब तीन बजे रोका। जैसे ही ट्रक ने भागने की कोशिश की, वन रक्षकों ने उस पर फायरिंग कर दी और उसका टायर पंचर कर दिया। उन्होंने कहा कि चालक, अप्रेंटिस और एक अन्य व्यक्ति को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य भागने में सफल रहे। अधिकारी ने बताया कि वन रक्षकों ने घटना के बारे में जिरिकेंडिंग पुलिस थाने को सूचित किया और अतिरिक्त बल की मांग की। अधिकारी ने कहा कि जैसे ही पुलिस पहुंची, मेघालय के लोग *दाउ* (कटार) और अन्य हथियारों से लैस बड़ी संख्या में सुबह करीब पांच बजे घटनास्थल पर जमा हो गए। उन्होंने कहा कि जैसे ही भीड़ ने गिरफ्तार लोगों की तत्काल रिहाई की मांग करते हुए वन रक्षकों और पुलिस का घेराव किया, अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए उन पर गोलीबारी की। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि इस घटना में एक वन रक्षक और खासी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई। स्थिति अब नियंत्रण में है। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि बिद्यासिंग लेखटे के रूप में पहचाने जाने वाले वन रक्षक की मौत कैसे हुई। अली ने कहा कि जिले के शीर्ष अधिकारी दूरदराज के इलाकों में जा रहे हैं। वहीं मेघालय सरकार ने मुकोह में गोलीबारी की घटना के बाद 22 नवंबर से 48 घंटों के लिए सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। वेस्ट जैंतिया हिल्स, ईस्ट जैंतिया हिल्स, ईस्ट खासी हिल्स, री-भोई, ईस्टर्न वेस्ट खासी हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स और साउथ वेस्ट खासी हिल्स सहित जिलों में इंटरनेट निलंबित कर दिया गया है।

मेघालय न जाएं...

पश्चिम कार्बी आंग्लांग के असम-मेघालय सीमावर्ती क्षेत्र के माक्रांग में हुई गोलीबारी में लकड़ी तस्करी के तीन आरोपितों के अलावा असम के एक वन रक्षक की मौत के बाद असम-मेघालय के सीमावर्ती इलाके में भारी तनाव है। इसे देखते हुए एहतियातन आज के दिन मेघालय की ओर जाने वाले खासकर असम के अलावा अन्य राज्यों के पर्यटकों को नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। पुलिस द्वारा परिस्थिति के बारे में अवगत कराए जाने के बाद हजारों लोग आज जोराबाट से ही लौट गए। पुलिस प्रशासन द्वारा असम-मेघालय सीमावर्ती क्षेत्र में रह रहे लोगों को झूठी अफवाह में न पड़ने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान किया जा रहा है। वहीं, दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस घटना को लेकर गहरा शोक व्यक्त करते हुए घटना की निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए सीमावर्ती इलाके में रह रहे लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है।

लव जिहाद के खिलाफ...

कानून की जरूरत है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि आफताब श्रद्धा बहन को मुंबई से ले आया और लव जिहाद के नाम पर उसके 35 टुकड़े कर दिए। और शव को कहां रखा? फ्रिज में। अगर देश को अपनी मां मानने वाला ताकतवर नेता नहीं होगा तो हर शहर में ऐसे आफताब पैदा होंगे और हम अपने समाज की रक्षा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए यह बेहद जरूरी है कि नरेंद्र मोदी को 2024 में तीसरी बार फिर से पीएम बनाया जाए।

पीएम को जान से ...

सूत्रों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन को सोमवार देर रात मिले सभी मैसेज हिंदी में हैं। इसमें सुप्रभात बेज का आधार कार्ड फोटो, केरल पुलिस से संबंधित फोटो भी भेजा गया है। इस मैसेज के बाद सभी सिस्टम को अलर्ट कर दिया गया है। इस मैसेज को ट्रेस करने के बाद मुंबई पुलिस की टीम ने एक हीरा कंपनी के मैनेजर से एक संदिग्ध शख्स के बारे में पूछताछ की। लेकिन मैनेजर ने पुलिस टीम को बताया कि उस व्यक्ति को काम से निकाल दिया गया है। इस मामले की छानबीन मुंबई पुलिस कर रही है। दरअसल इससे पहले मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल सेल को पाकिस्तान के एक नंबर से मुंबई में 26/11 जैसा आतंकी हमला करने की धमकी देने वाले मैसेज मिले थे। उसके बाद मुंबई ट्रैफिक पुलिस के कंट्रोल रूम को एक अनजान नंबर से मैसेज आया। इस कॉल को ट्रेस करने के बाद पता चला कि यह संदेश सोमालिया के एक मोबाइल नंबर से भेजा गया था। सांताक्रूज में भी एक शख्स को जान से मारने की धमकी देने वाला वीडियो कॉल आया। इन सभी धमकी के मैसेज की जांच की जा रही है।

पीओके को लेकर ...

करने के लिए तैयार है कि युद्धविराम की समझ कभी न टूटे क्योंकि यह दोनों देशों के हित में है, लेकिन अगर किसी भी समय टूटा तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे। इसके साथ ही उत्तरी सेना के कमांडर ने कहा कि जब भी इस तरह के आदेश दिए जाएंगे, हम हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने बहुत हद तक आतंकवाद को नियंत्रित कर लिया है। बिना किसी देश के नाम लिए उन्होंने कहा कि हमारा पड़ोसी देश पिस्टल को यहां लाने, ग्रेनेड को भेजने और ड्रग्स को बेचने की कोशिश कर रहा है। वो छोटी-छोटी हरकत करना चाहता है लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा कि लॉन्चपैड पर लगभग 160 आतंकवादी बैठे हैं जिनमें पीर पंजाल के 130 उत्तर और पीर पंजाल के दक्षिण में 30 हैं। पूरे भीतरी इलाकों में कुल 82 पाकिस्तानी आतंकवादी और 53 स्थानीय आतंकवादी बैठे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त और अज्ञात रहने वाले लगभग 170 आतंकवादी भी यहां हैं। इस प्रकार कुल 300 वर्तमान में क्षेत्र में फैले हुए हैं लेकिन हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे किसी भी अप्रिय गतिविधि में शामिल नहीं हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में 50त्न से अधिक लोग हैं जो 25 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि हम उन्हें अग्निवीर के रूप में लेते हैं, उन्हें पढ़ाते हैं और उन्हें वापस भेजते हैं, तो कुछ हमारे द्वारा अवशोषित किए जाएंगे, अन्य अर्धसैनिक, पुलिस बलों द्वारा और शेष स्व-नियोजित हो सकते हैं।

अलाबोई लड़ाई की...

एक 3डी मॉडल जारी किया, जिसे मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। 75 बीघा भूमि पर 150 करोड़ रुपए की लागत से अलाबोई, कामरूप में बनाया जा रहा है। अलाबोई रणक्षेत्र और 100 फुट की तलवार अलाबोई की लड़ाई में शहीद हुए 10,000 अहोम सैनिकों की वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए असम की शानदार श्रद्धांजलि होगी। शर्मा ने बनने वाले स्मारक का 3डी मॉडल संलग्न करते हुए ट्वीट किया। 5 अगस्त, 1669 को लड़ी गई अलाबोई की लड़ाई में, अहोमों को मुगलों ने हरा दिया और 10,000 से अधिक सैनिकों को खो दिया। अहोम जनरल लाचित बरफुकन का एक और स्मारक जोरहाट में 120 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा।

उषा मंगेशकर को...

और सिंगापुर के एरिक खो के नाम शामिल है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि इस साल यह प्रतिष्ठित पुरस्कार एक और सबसे योग्य व्यक्तित्व को प्रदान किया गया है। उषा मंगेशकर, जिनका भारतीय संगीत में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि उषा मंगेशकर और उनकी दिग्गज बड़ी बहन लता मंगेशकर ने कई खूबसूरत असमिया गीत गाए हैं, जो ज्यादातर डॉ. भूपेन हजारिका द्वारा रचित हैं। राज्यपाल ने कहा कि सदियों पुराने लोक संगठन असम साहित्य सभा ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका के नाम पर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की स्थापना करके एक महान सेवा की है, जो वर्ष 1993 में साहित्य सभा के शिवसागर अधिवेशन के अध्यक्ष भी बने। इस प्रकार डॉ भूपेन हजारिका असम के साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में कई अन्य दिग्गजों की तरह असम साहित्य सभा के साथ निकटता से जुड़े रहे थे। असम साहित्य सभा भारत का सबसे बड़ा साहित्यिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है। इसलिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं और इस देश के लोगों के लिए बहुत महत्व रखता है। राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने और अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मुंबई से आने पर उषा मंगेशकर को बधाई दी। उन्होंने असम साहित्य सभा के साथ इस पुरस्कार को प्रायोजित करने के लिए नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड को भी धन्यवाद दिया। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ कुलधर सैकिया, सीएमडी, नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड बीजे फुकन, सीजीएम एसबीआई अरविंद कुमार सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित रहे।

एससी में अल्पसंख्यकों ...

को अंतिम रूप देने में सक्षम बनाने के लिए कुछ और समय दिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने केंद्र को इस मामले में अपना पक्ष रखने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। शीर्ष अदालत ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट का अवलोकन किया, जिसमें कहा गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इस मुद्दे पर अपनी राय बनाने से पहले सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया है। स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी टिप्पणी दी है।

ओडिशा में आंगनबाड़ी ...

और सहायिकाओं को नौ हजार रुपए मासिक मानदेय दिया जाए। ऑल ओडिशा आंगनवाड़ी महिला वर्कर्स की अध्यक्ष सुमित्रा महापात्रा ने कहा कि इन मांगो के साथ ही हमारी 5,000 रुपए पेंशन की मांग को पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हमारी हड़ताल खत्म नहीं होगी। बता दें कि प्रदर्शन कर रही आंगनबाड़ी कर्मचारियों की मांग है कि सेवा काल के दौरान अगर किसी आंगनबाड़ी कर्मचारी की मौत हो जाती है तो ऐसी स्थिति में आंगनबाडी कार्यकर्ता के परिजनों को पांच लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। मंगलवार को प्रदर्शन के दौरान, ऑल ओडिशा आंगनवाड़ी महिला वर्कर्स एसोसिएशन की सचिव झुनुपामा सत्पथी ने कहा कि आज प्रदर्शन का दूसरा दिन है। सोमवार को 50,000 महिला आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का विशाल प्रदर्शन करने के बाद हम आज से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। आज करीब 500 महिलाएं धरने पर बैठी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के सभी 314 ब्लॉकों में हमारे साथी भी ब्लॉक कार्यालयों के पास आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ममता योजना और हरिश्चंद्र योजना जैसी राज्य सरकार की प्रमुख योजनाएं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के कारण ही सफल हुई, इसके बावजूद हमारी मांगें पूरी नहीं की गई हैं। ऑल ओडिशा आंगनवाड़ी महिला वर्कर्स की अध्यक्ष सुमित्रा महापात्रा ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को चौबीसों घंटे काम करने के बावजूद 7,500 रुपए प्रति माह मिलते हैं। वहीं, अखिल भारतीय आंगनबाड़ी महासंघ की संगठन सचिव अंजलि पटेल ने कहा कि हमने अपनी मांगों के समर्थन में राज्य सरकार को करीब 100 पत्र लिखे हैं, लेकिन सरकार ने उन पत्रों का जवाब नहीं दिया। आखिरकार मजबूर होकर हम सरकार को 15 दिन का नोटिस देकर हड़ताल कर रहे हैं। वहीं, राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री बसंती हेम्ब्रम ने कहा कि राज्य सरकार आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के प्रति सहानुभूति रखती है। उन्हें केंद्र और राज्य दोनों की साझी सहमति के आधार पर पारिश्रमिक मिलता है। मंत्री बसंती हेम्ब्रम ने कहा कि ओडिशा सरकार उनकी वर्तमान मांगों के संबंध में जल्द निर्णय लेगी।

चांद पर रह कर ...

के लिए रहने लगेंगे और इसका मतलब केवल यह नहीं होगा कि चंद्रमा पर इंसानों के लिए रहने लायक जगह बन जाएगी। बल्कि इसके साथ उनका साथ देने के लिए बहुत सारे रोवर भी काम करने लगेंगे। ओरियॉन के प्रमुख मैनेजर हू नासा के ओरियॉन के डिजाइन, विकास,उत्पादन, और ऑपरेशन्स के लिए जिम्मेदार हैं। फिलहाल ओरियॉन का बिना किसी क्रू के चंद्रमा तक भेजने का परीक्षण किया जा रहा है जिसमें वह चंद्रमा का चक्कर लगाकर लौट आएगा। हू ने बताया कि निश्चित रूप से दुनिया इसी दशक में लोगों को लंबे समय तक चंद्रमा पर रहते हुए देखेगी।

रोजगार मेले में पीएम...

पर इस तरह के रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं। केंद्र सरकार उनकी प्रतिभा व ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। नए लोक सेवकों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को एक बहुत ही खास अवधि यानी अमृत काल में संभाल रहे हैं। केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के रूप में अपनी भूमिका व कर्तव्यों को व्यापक रूप से समझना चाहिए। सरकारी कर्मचारियों के लिए तैयार किए गए विशेष आनलाइन पाठ्यक्रम *कर्मयोगी प्रारंभ* को लांच करते हुए कहा कि यह कौशल विकास का एक बड़ा स्त्रोत होगा। पीएम मोदी ने कोरोना महामारी और युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर युवाओं के लिए पैदा हुए संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस कठिन समय में भी दुनियाभर के विशेषज्ञ भारत के विकास पथ के बारे में आशान्वित हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत सेवा क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बन गया है और जल्द ही दुनिया का विनिर्माण केंद्र भी होगा। पीएलआइ योजना से 60 लाख रोजगार सृजित होने की संभावना जताते हुए कहा कि मेक इन इंडिया, वोकल फार लोकल और स्थानीय को वैश्विक स्तर पर ले जाने जैसे अभियान रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा कर रहे हैं। इससे युवाओं की पलायन की मजबूरी भी कम हुई है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का असर सात दिसंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र पर पड़ने की पूरी संभावना है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है और गुजरात में मतदान होना है। इसके साथ ही 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भी विपक्षी दल भाजपा सरकार को घेरने के लिए मौके की तलाश में हैं। विपक्ष लगातार बेरोजगारी को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र में भी बेरोजगारी विपक्षी दलोंके एजेंडे में है। इस बीच मोदी सरकार ने रोजगार की दिशा में अपनी रफ्तार तेज कर दी है। उल्लेखनीय है कि ठीक एक माह पहले धनतेरस यानी 22 अक्तूबर को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले को अभियान के रूप में शुरू करते हुए 75 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए थे और अब 71 हजार युवाओं को नियुक्ति दे दी गई। माना जा रहा है कि इतनी तेज गति से युवाओं को रोजगार देने के यह आंकड़े सदन में सरकार के लिए विपक्षी हमले से बचाव की ढाल के साथ मजबूती से जवाब देने का आधार बन सकते हैं। खास बात यह भी है कि मोदी ने डबल इंजन सरकार का जिक्र किया है। नियुक्ति पत्र वितरण में भाजपा शासित राज्यों की भूमिका का उल्लेख किया है। ऐसे में सरकार विपक्षी दलों पर गैर भाजपा शासित राज्यों की सरकारों द्वारा इस मामले में रुचि न लेने के आरोप लगाकर पलटवार भी कर सकती है।

चीन ने अरुणाचल ...

पीएलए पूरी तरह से तैनात है। यहां उनके रॉकेट, आर्मर, आर्टिलरी और मिसाइल सपोर्ट रेजीमेंट के साथ सेना के दो डिवीजन और बॉर्डर गार्ड डिवीजन मौजूद हैं। भारत-चीन सीमा पर जारी तनाव के बीच पीपुल्स लिबरेशन आर्मी अपने वेस्टर्न थिएटर कमांड को मजबूत कर रही है। पीएलए की वेस्टर्न थिएटर कमांड के पास ही भारत से लगी सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। पीएलए ने दो संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड को अरुणाचल प्रदेश में तैनात किया है और एक अन्य ब्रिगेड को चीन-भूटान सीमा के पास सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक रिजर्व के रूप में तैनात किया है। इन तीनों ब्रिगेड को पीएलए के पूर्वी और दक्षिणी थिएटर कमांड से वेस्टर्न थिएटर कमांड में शामिल किया गया था। पीएलए की सभी ब्रिगेड में लगभग 4,500 सैनिक हैं। भारतीय सेना के एक अधिकारी ने बताया कि सर्दियों के शुरू होते ही पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमांड और रिजर्व के रूप में लाए गए तीनों संयुक्त सशस्त्र ब्रिगेड की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। सेना की यह भी नजर है कि ये चीनी ब्रिगेड अपने ठिकानों पर वापस जाएगी या पश्चिमी थिएटर कमांड के गहराई वाले क्षेत्रों में तैनात रहेगी। भारत को चीन के साथ 17वें दौर की कमांडर स्तरीय सैन्य वार्ता का इन्तजार है, जिसमें यह मुद्दा उठ सकता है। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर कई बार कह चुके हैं कि एलएसी पर शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों को बहाल करने की एकमात्र कुंजी है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने भी बताया था कि चीन एलएसी पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। चीन के कब्जे वाले अक्साई चिन में पीएलए सैनिकों की संख्या में कमी नहीं आई है। एक अधिकारी के मुताबिक होतान, काशगर, ल्हासा और न्यिंगची हवाई अड्डों पर लड़ाकू विमानों के अलावा गार गुंसा हवाई अड्डे पर पीएलए वायु सेना भी स्टैंडबाय पर है। भारत को उम्मीद है कि पीएलए ब्रिगेड अपने मूल ठिकानों पर वापस चले जाएंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो इंडियन आर्मी को सर्दियों में चौकन्ना रहना पड़ेगा।

स्वर्वेद भाष्य

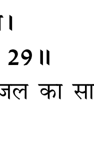

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

सद्गुरु ज्ञान स्वरूप है, सोत महानद आय।
देव सदाफल गुरु विना, तत्व ज्ञान नहिं पाय॥ 29॥

शब्दार्थ : (सोत) धारा, प्रवाह (महानद) बड़ी नदी, जल का सागर जिनका संबंध समुद्र से होता है।

भाष्य : सदुगुर ज्ञानस्वरूप हैं, जिनके अंदर ईश्वरीय ज्ञानधारा प्रकट होती है, उन्हीं के द्वारा शुद्ध, पवित्र निर्भ्रांत ज्ञान प्राप्त होता है। सद्गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, चतुर्थ अध्याय भाष्य समाप्त॥

तेजपुर में हेरोइन और अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में मंगलवार को पुलिस ने अलग-अलग अभियान चलाते हुए दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक तस्कर के पास से जहां हेरोइन बरामद हुई है, वहीं दूसरे के पास से अफीम बरामद की गई है। उल्लेखनीय है कि तेजपुर सदर पुलिस थाना प्रभारी अधिकारी मिंटू बोडो के नेतृत्व में तेजपुर रूपकुरिया इलाके में राजिमुल हुसैन (23) को कुल 10 ग्राम हेरोइन के साथ गोटलूंग इलाके से गिरफ्तार किया गया। आरोपी एक बाइक (एएस-12वाई-2203) के जरिए प्लास्टिक की साबुनदारी में हेरोइन को लेकर जा रहा था। वहीं दूसरी ओर एक अन्य अभियान में तेजपुर के शालनिबारी पुलिस चौकी प्रभारी शंकर दयाल के नेतृत्व में शलमारा में अब्दुल जब्बार नामक तस्कर को 100.49 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है। वहीं हैलाकांदी जिला सदर पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर मादक पदार्थ की तस्करी मामले में शामिल तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि हैलाकांदी सदर थाना अंतर्गत रंगाउटी शिकार बस्ती गांव में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने 15 ग्राम ड्रग्स के अलावा 45 प्लास्टिक के छोटे-छोटे खाली कंटेनर समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान दिलहारा बेगम लश्कर, सलमा बेगम लश्कर और हिफजुर रहमान लश्कर के रूप में की गई है। जब्त ड्रग्स की कीमत लगभग दस लाख रूपए आंकी गई है। यह अभियान हैलाकांदी उप पुलिस अधीक्षक सूरजीत चौधरी के नेतृत्व में चलाया गया था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पूर्वोत्तर स्वाभिमान उत्सव में पूसीरे की सक्रिय भागीदारी

गुवाहाटी (विभास)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत पूर्वोत्तर सीमा रेल और भारतीय सेना ने 21 नवंबर, 2022 को गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में पूर्वोत्तर स्वाभिमान उत्सव के दौरान एक मेगा कार्यक्रम का आयोजन किया। वीर नारियों का सम्मान और पूर्वोत्तर क्षेत्रों की विविध संस्कृति को प्रदर्शित कर राष्ट्र निर्माण में पूर्वोत्तर एवं इसके गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को चिह्नित करने के लिए पूर्वोत्तर स्वाभिमान उत्सव मनाया गया। उत्सव के दौरान भारतीय सेना ने हथियारों और गोला-बारूद का भी प्रदर्शन किया है। पूर्वोत्तर क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए किये जा रहे अपने मेगा परियोजनाओं के मॉडलों को पूसीरे ने प्रदर्शित किया। लामडिंग डीजल लोको शेड, न्यू बंगाईगांव वर्कशॉप, यात्रा के दौरान मनोरम दृश्य प्रदान करने वाली घुमावदार सीटों के साथ बहुप्रशंसित विस्टाडोम कोच, भारतीय राज्य नागालैंड के दो प्रमुख शहरों डिमापुर और कोहिमा नई लाइन परियोजना के बीच निर्माणाधीन धनसिरी-जुब्जा रेल लाइन के मॉडल प्रदर्शित किए गए थे। एलिफेंट कॉरिडोर में ट्रेन-हाथी की टक्कर से बचाव के लिए प्रभावी उपाय जैसे इंट्रुशन डिटेक्शन सिस्टम, हनी-बी बजर स्थापित को प्रदर्शित की गई थी। वन्यजीवों के सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए कामाख्या-आजरा खंड में प्रस्तावित एलिवेटेड ट्रैक्स, रैंप और सब-वे जैसे अन्य प्रभावी कार्यों की आगंतुकों द्वारा काफी सराहना की गई। पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूर्ण हो चुके और प्रगति पर चल रहे विद्युतीकरण कार्यों पर जोर देते हुए प्रदर्शित किया गया। पूसीरे के स्टॉल में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ दर्ज की गई थी। आगंतुकों ने प्रदर्शित मॉडलों को देखकर पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए पूसीरे द्वारा शुरू किए गए और अब तक किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। पूर्वोत्तर स्वाभिमान उत्सव के एक भाग के रूप में सांस्कृतिक शो, संगीत समारोह, हवाई प्रदर्शन आदि जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। उत्सव में पूर्वोत्तर क्षेत्रों के कई विशिष्ट अतिथि और गणमान्य उपस्थित थे। उपस्थित अतिथियों ने पूर्वोत्तर क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में पूसीरे की महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। उनलोगों ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के उद्देश्य से श्री अंशुल गुप्ता, महाप्रबंधक/पूसीरे और उनकी टीम द्वारा विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्रों में रेल संपर्क की प्रगति पर अपार संतुष्टि व्यक्त की। सेंट जूड्स गुवाहाटी में कैंसर से जूझ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्रदान करता हैं गुवाहाटी में हमारे दो केंद्र हैं, प्रत्येक में 12 परिवार नि:शुल्क रहते हैं। डॉ. बी बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी में इलाज करा रहे बच्चे इन केंद्रों में रहते हैं। गुवाहाटी केंद्र उन परिवारों की देखभाल करते हैं जो असम, मणिपुर और भारत के उत्तर पूर्व के अन्य हिस्सों से इलाज के लिए आते हैं। सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर (सेंट जूडस) के बारे में सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स (सेंट जूड्स) कैंसर का इलाज करा रहे बच्चों के लिए घर से दूर घर उपलब्ध कराता है। ये बच्चे अपने माता-पिता के साथ छोटे-छोटे गाँवों और दूर-दराज के शहरों से आते हैं जहाँ कैंसर का इलाज उपलब्ध नहीं है। सेंट जूड्स इन बच्चों को कैंसर से बचने और पूर्ण, स्वस्थ, सुखी जीवन जीने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए नि: शुल्क आवास और समग्र सहायता प्रदान करते हैं। श्यामा और निहाल कविरत्ने द्वारा 2006 में स्थापित, और स्वयंसेवकों का एक समर्पित समूह, सेंट जूड्स टाटा मेमोरियल अस्पताल, एम्स, नई दिल्ली, टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता, गुवाहाटी में डॉ. बी बोरूआ कैंसर संस्थान और नौ शहरों में विभिन्न कैंसर अस्पतालों के साथ काम करता है। हम प्रत्येक परिवार को अलग-अलग परिवार इकाइयों की पेशकश करते हैं जो उनके रहने के दौरान उनकी जरूरत की सभी चीजें प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक केंद्र में एक सामान्य सामुदायिक स्थान या सीखने का क्षेत्र और साझा स्नान सुविधाएं, एक आम रसोई और भोजन क्षेत्र है। प्रत्येक परिवार के पास रसोई में अपना खाना पकाने का चूल्हा होता है और खाना पकाने के लिए हर सप्ताह आपूर्ति की जाती है। सेंट जूड्स के वर्तमान में नौ शहरों में 500 परिवार इकाइयों के साथ 40 केंद्र हैं: मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, चेन्नई, वेल्लोर, गुवाहाटी, दिल्ली और वाराणसी।

दो सड़क हादसों में सात मरे

नगांव/तेजपुर (निसं)। असम में दो सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। उन्होंने कहा कि नगांव जिले में एक दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोगों की सोनितपुर जिले में दुर्घटना में जान चली गई। उन्होंने आगे कहा कि दोनों दुर्घटनाएं सोमवार देर रात को हुईं। पुलिस ने कहा कि नगांव में, उलुवोनी थाना क्षेत्र के कोलियाबोर में पांच लोगों की मौत हो गई, जब उनकी कार राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर एक तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने टकरा गई। उन्होंने कहा कि कार में सवार लोग गोलाघाट के बोकाखाट से सोनितपुर एक शादी में शामिल होने जा रहे थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि कार में सवार पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई, हमने ट्रक को जब्त कर लिया है, लेकिन ट्रक चालक और उसका सहायक हमारे घटना स्थल पर पहुंचने से पहले ही भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने कहा कलाखोवा गांव के संदीप कुमार पाल, संजय दास, समीर पाल और मोहमाइकी गांव निवासी विवेक दास और बिकाश शर्मा कार (एएस-05क्यू-2683) से बोकाखात के कलाखोवा गांव के रवि घोष के पुत्र गौरव घोष की बारात में शामिल होने के लिए शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर के ठेलामारा जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक (यूपी037एटी-2765) से कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार पांचों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से चार अविवाहित हैं। संदीप कुमार पाल शादीशुदा था। संदीप अपने पीछे गर्भवती पत्नी के साथ एक तीन साल का बच्चा छोड़ गया है। हादसे की सूचना से युवकों के घरों में मातम पसर गया है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस सभी शव पहले थाने ले गई। बाद में उन्हें पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ट्रक और कार को जब्त कर लिया है। इस हादसे से विवाह आयोजन स्थल में मातम फैल गया। पुलिस ने बताया कि सोनितपुर में तेजपुर के पास बिहागुरी में एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौत हो गई।

भारी मात्रा में देसी शराब जब्त

दरंग (हि.स.)। दरंग जिला के खारूपेटिया में मंगलवार को आबकारी विभाग ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में देसी शराब जब्त किया। लंबे समय से खारूपेटिया में एक गुट अवैध तरीके से देसी शराब की दुकान चला रहा था। पुख्ता सूचना पर आज दरंग जिला आबकारी विभाग ने छापा मारकर खरूपेटिया के मसुवापट्टी इलाके से 300 लीटर देसी शराब जब्त करने में कामयाबी हासिल की। आबकारी विभाग की छापेमारी के दौरान शराब बेचने वाला मालिक भाग गया। आबकारी अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर कोई दुबारा देसी शराब बेचता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मालूम हो कि आबकारी विभाग ने इस तरह के कई अभियान चलाया जा रहा है।

अमीनगांव में लर्न एंड फन एकेडमी का राज्य स्तरीय अबेकस प्रतियोगिता

गुवाहाटी (निसं)। महानगर के समीपवर्ती अमीनगांव स्थित वंद्या इंटरनेशनल स्कूल परिसर में लर्न एंड फन एकेडमी की ओर से राज्य स्तरीय अबेकस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में असम के विभिन्न हिस्सों से आए 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं समारोह में कुल 500 लोगों की उपस्थिति देघी गई। प्रतियोगिता का शुभारंभ लर्न एंड फन एकेडमी की संस्थापक रूबी सेन व निदेशक बिजय शंकर सेन, वंद्या इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. मोना खन्ना व प्रशासनिक निदेशक ऋषिकेश सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों में हैप्पी चाइल्ड हाई स्कूल की वाइस प्रिंसिपल शोमा मुखर्जी, प्रधानाध्यापिका संघमित्रा रॉय, ब्रेन स्टार्स की निदेशिका निधि शर्मा, शेमरॉक हार्ट की निदेशिका रश्मी अग्रवाल, अपर्णा कोचिंग संस्थान की अपर्णा बरुआ आदि के अलावा शिक्षक को उनके निरंतर समर्थन और संस्थान के प्रति समर्पण के लिए रूबी सेन द्वारा सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता 13 विभिन्न स्तरों पर आयोजित की गई और शीर्ष 3 प्रतिभागियों को 3 सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। सभी प्रतिभागियों को मेडल व प्रमाण पत्र भी मिले। प्रतिभागियों को 15 मिनट में 100 योग पूरे करने थे। मुकाबला बेहद दिलचस्प रहा। युविका जैन और निहारिका जैन नाम की दो छात्राओं को सभी स्तर की पूर्णता के लिए डॉ. मोना खन्ना द्वारा स्नातक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह के साथ ही लर्न एंड फन एकेडमी के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। उन्होंने मेंटल अबेकस का लाइव डेमो दिखाया, जिसने दर्शकों को हैरान कर दिया। मालूम हो कि लर्न एंड फन एकेडमी गुणवत्ता प्रबंधन पर आईएसओ प्रमाणित 2015:2021 है। लर्न एंड फन एकेडमी 4 साल से 14 साल के आयु वर्ग के लिए अपनी उत्कृष्ट अबैकस कक्षाओं, शिक्षकों के प्रशिक्षण और पैन इंडिया में अबेकस फ्रेंचाइजी मॉडल के लिए जानी जाती है। संगठन अबेकस कक्षाओं पर स्कूल और गतिविधि केंद्रों के साथ बी2बी मॉडल पर काम कर रहा है। लर्न एंड फन एकेडमिक आज कल बाल विकास के लिए एक प्रसिद्ध और पसंदीदा संस्थान है। हर साल लर्न एंड फन एकेडमी के छात्र राज्य, राष्टीय और अंतर्राष्टीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

कोकराझाड़ में सीआरपीएफ के 129वें बटा. ने किया नि:शुल्क कोचिंग क्लास का आयोजन

कोकराझाड़ (हि.स.)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 129वीं वाहिनी द्वारा कोकराझाड़ जिला में स्थित साइंस कॉलेज में मंगलवार को कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा की मुफ्त कोचिंग क्लास का शुभारंभ किया। बटालियन के कमाण्डेंट गुलाब सिंह द्वारा इसका शुभारंभ किया गया। इस कोचिंग क्लास का संचालन कमाण्डेंट सिंह के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सेवा की भावना के साथ कोकराझाड़ जिला के युवक एवं युवतियों को आगामी परीक्षा में अपना अच्छा प्रदर्शन करने और सफलतापूर्वक अच्छे अंक प्राप्त कर अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त करने हेतु किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि अगर अपना लक्ष्य निर्धारित कर दिन-रात मेहनत करते हैं तो आसानी से अपना लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं। युवाओं को वर्तमान समय में रोजगार की अत्यधिक आवश्यकता हैं। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन द्वारा साइंस कॉलेज में मुफ्त कोचिंग क्लास की शुरूआत इस आशय के साथ किया गया कि कोकराझाड़ जिला के युवाओं को अच्छा रोजगार मिल सकें। इस अवसर पर सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन के कार्मिक तथा 118 युवक एवं युवतियां उपस्थित थीं।

साइकिल चलाओ-पर्यावरण बचाओ का संदेश लेकर भारत से सिंगापुर की साइकिल यात्रा

गुवाहाटी (नसं)। साइकिल चलाओ पर्यावरण बचाओ का संदेश लेकर भारत से सिंगापुर तक की यात्रा पर निकले राजस्थान के झुंझुनूं निवासी जेरी चौधरी का गुवाहाटी में शानदार अभिनंदन किया गया अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन कि गुवाहाटी व मध्य गुवाहाटी शाखा के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को एक सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। फैंसी बाजार स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में आयोजित इस सम्मान समारोह में पांच देशों से होते हुए करीब 8000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पर निकले जेरी चौधरी का अभिनंदन दोनों शाखाओं की ओर से फूलाम गामोछा, जापी व अन्य उपहार भेंट कर किया गया। इस अवसर पर मंच पर अतिथि जेरी चौधरी, अभामामस गुवाहाटी शाखा की अध्यक्ष सुमन जैन, सचिव विनीता अग्रवाल, मध्य गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष रितु अग्रवाल, सचिव कविता खेमका, पानीग्रहन प्रमुख नीलम अग्रवाल, क्षेत्रीय प्रमुख कविता पोद्दार उपस्थित थीं। कार्यक्रम में सूरजमल जुहारमल सांगानेरिया धर्मशाला ट्रस्ट के ट्रस्टी श्रवण सांगानेरिया भी उपस्थित होकर चौधरी को उनके इस नेक कार्य हेतु अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर चौधरी ने कहा कि उनकी यात्रा में जगह जगह पढ़ाओ पर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की विभिन्न शाखाएं उनका आदर सत्कार कर रही है, जिसे वे कभी नहीं भूल सकते। विशेष रूप से गुवाहाटी में दोनों शाखाओं की ओर से मिले प्यार, आदर सत्कार से वे काफी प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि गत 16 अक्टूबर को वे अपनी यात्रा गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर से शुरू की थी। उनका लक्ष्य साइकिल चलाकर 90 दिनों के भीतर सिंगापुर पहुंचना है। इस दौरान वे भारत के अलावा मायनमार, थाईलैंड, मलेशिया होते हुए सिंगापुर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के दौरान वे जगह-जगह पढ़ाओ पर स्थानीय स्कूल पहुंचकर वहां के बच्चों से मुलाकात कर रहें हैं। उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के अलावा साइकिल चलाने का आह्वान करते हैं, ताकि उनका स्वास्थ्य भी निरोगी रहे। साथ ही वे सिंगल यूज प्लास्टिक पर भी प्रतिबंध लगाने तथा आम जनता को इसका इस्तेमाल नहीं करनी का संदेश भी अपनी यात्रा के दौरान दे रहे हैं। इससे पहले भी जेरी चौधरी साइकिल से तीन बार भारत में लंबी यात्रा कर चुके हैं। आज आयोजित सम्मान समारोह अभामामस गुवाहाटी व मध्य गुवाहाटी शाखा की सदस्याए मौजूद थीं।

शिकारियों पर नजर रखने वाले जोरबा के9 का निधन

गुवाहाटी (निसं)। असम में कई शिकारियों को ट्रैक करने में मदद करने वाले बेल्जियन मैलिनोइस जोरबा का सोमवार रात निधन हो गया। भारत की शीर्ष जैव विविधता में से एक आरण्यक ने अपने पहले के9 इकाई सदस्य, जोरबा की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। रिपोर्टों के अनुसार, जोरबा का निधन उनकी उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण हुआ। आरण्यक ने एक ट्वीट में कहा कि हमें आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि के9 यूनिट के पहले सदस्य जोरबा ने कल रात करीब 10 बजे गुवाहाटी में वृद्धावस्था और मौजूदा स्वास्थ्य स्थितियों के कारण अंतिम सांस ली। वह आरण्यक परिवार के सबसे प्रिय सदस्यों में से एक थे।वह राइनो शिकारियों को ट्रैक करने के लिए देश में तैनात पहला कुत्ता था।आरण्यक के अनुसार, जोरबा ने 8 वर्षों तक सेवा की और इन वर्षों के दौरान, उन्होंने काजीरंगा, पबितोरा और ओरंग रमें 60 से अधिक शिकारियों को ट्रैक किया।

साइबर धमकी के कारण असम के 95 फीसदी युवा परेशान

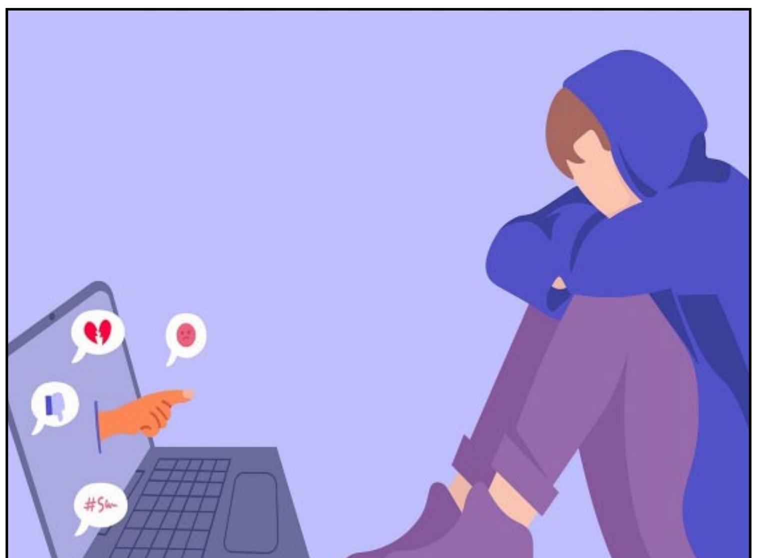

गुवाहाटी (विभास)। यूनिसेफ और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, असम में अनुमानित 95 प्रतिशत युवाओं ने साइबर धमकी और शारीरिक दंड का सामना किया है जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा है। अभी असम की 3.1 करोड़ आबादी (2011 की जनगणना के अनुसार) के 19 फीसदी लोग 15 से 24 वर्ष की आयु के हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन युवा लोगों का सर्वेक्षण किया गया है उनमें से करीब 60 प्रतिशत ने कहा कि इससे उनके सामाजिक संबंधों पर असर पड़ा, 24 प्रतिशत ने कहा कि इससे उन्हें तनाव, बेचैनी और डर की समस्या हुई तथा 14 प्रतिशत ने शारीरिक कष्ट होने की बात कही। इस साल जुलाई में शुरू किया गया यू-रिपोर्ट सर्वेक्षण असम राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एएससीपीसीआर) के अभियान सुरक्षा के समर्थन के लिए किया गया, जिसका मकसद बच्चों के खिलाफ हिंसा पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करना तथा उसका समाधान करना है। यू-रिपोर्ट यूनिसेफ द्वारा बनाया गया एक सामाजिक मंच है जो एसएमएस, फेसबुक और ट्विटर के जरिए उपलब्ध है जहां युवा अपने विचार साझा कर सकते हैं। गौहाटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में क्लीनिकल साइकोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. मैथिली हजारिका ने कहा कि साइबर धमकी हाल के वर्षों में आम हो गई है क्योंकि डिजिटल दुनिया में युवाओं की मौजूदगी बढ़ी है। साइबर धमकी की वजह से कुछ मामलों में तो आत्महत्या तक हुई है। हजारिका ने मीडिया से कहा कि सामाजिक अलगाव, शक्तिहीनता की भावना, बेचैनी, तनाव और अकेलापन आम अभिव्यक्ति है। पीड़ति अक्सर मानता है कि उसकी वजह से मनोवैज्ञानिक समस्याएं पैदा हुई। यह जरूरी है कि पीड़ति ऐसे मामले अपने परिवार के सदस्यों को बताएं और कानूनी उपाय करें। सामाजिक कार्यकर्ता और काउंसिलर अर्चना बरठाकुर ने कहा कि साइबर क्षेत्र में ट्रोलिंग के साथ ही शारीरिक दंड का युवा लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर स्थायी असर हो सकता है और उन्हें तुरंत पुलिस, काउंसिलर के पास जाना चाहिए तथा कानूनी सहायता लेनी चाहिए। जिन लोगों को ऑनलाइन परेशान किया गया उनमें से आधे को अनजान लोगों ने, 12 प्रतिशत को सहपाठी ने तथा 14 प्रतिशत को किसी मित्र ने परेशान किया। करीब 36 प्रतिशत युवाओं ने फेसबुक पर सबसे ज्यादा तंग किए जाने की बात कही। इसके बाद 25 प्रतिशत लोगों ने इंस्टाग्राम पर परेशान होने की बात कही।

इंफ्रास्ट्रक्चर स्नैपशॉट कोकराझाड़ ने जीता राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2021-22

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन की पहल पर विकसित ऐप इंफ्रास्ट्रक्चर स्नैपशॉट कोकराझाड़ ने वर्ष 2021-22 ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यह कोकराझाड़ और असम के लिए गर्व, सम्मान और खुशी का क्षण है। यह पुरस्कार ई-गवर्नेंस में जिला स्तरीय उद्योगों में उत्कृष्टता शीर्षक के तहत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की पहल पर प्रदान करने के लिए चुना गया है। उल्लेखनीय है कि कोकराझाड़ ऐप को ऑफलाइन और ऑनलाइन स्टेटस अपडेट की सुविधा के साथ सभी सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक संस्थानों की प्रभावी निगरानी के लिए 24×7 कॉन्फ़िगर करने योग्य मोबाइल आधारित एप्लिकेशन के रूप में कल्पना की गई थी। यह विशेष रूप से शिकायत निवारण, रखरखाव और निगरानी के लिए विकसित एक अभिसरण अनुप्रयोग है। ऐप को एंड्रॉइड प्लेस्टोर पर मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है और कोई भी उपयोगकर्ता गंभीर शिकायतों या घटनाओं की तस्वीरें, स्थान, विवरण आदि ऑनलाइन जमा कर सकता है। वेबकॉम द्वारा अपनी सामाजिक कार्रवाई पहल के तहत विकसित ऐप, उपयोगकर्ताओं को अनुरूप व्यवस्थापक सुविधा के साथ मिलने वाली अनियमितताओं या गड़बड़ियों के लिए विचारोत्तेजक समाधान प्रदान करने की अनुमति देता है ताकि एक सहज, आसान, पारदर्शी जांच और समस्या निवारण उपकरण प्रदान किया जा सके। अपनी स्थापना के बाद से, ऐप विभिन्न विभागों के कामकाज पर इनपुट प्रदान कर रहा है, जिससे समस्याओं वाले क्षेत्रों में सहयोग प्रदान किया जा सका है। चूंकि मोबाइल उपयोगकर्ता अपना बहुत समय मोबाइल उपकरणों पर बिताते हैं, इसलिए कई उपयोगकर्ता लगभग हर दिन अपने डिवाइस पर स्थापित आईएस ऐप के संपर्क में आते हैं। यह नियमित टकराव, सरकारी सेवाओं और विभागों के लिए ब्रांडिंग के अवसरों के रूप में भी काम करेगा। कोकराझाड़ जिला प्रशासन ऐप को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रहा है, जिसमें जमीनी स्तर की मशीनरी के नेटवर्क का उपयोग करना, जिला के दूरदराज के क्षेत्रों में ऐप को लोकप्रिय बनाना, ट्यूटोरियल और पैम्फलेट का उपयोग करना, दर्ज शिकायतों की बारीकी से निगरानी करना, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं में आसान यूजर इंटरफेस का विकास करना शामिल है। कोकराझाड़ की उपायुक्त वर्णाली डेका ने सभी कोकराझाड़ वाशियों से इस ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, ताकि अंतिम उपयोगकर्ता तक अधिक त्वरित, प्रभावी और उत्तरदायी सेवाएं प्रदान की जा सकें। उपायुक्त डेका वर्तमान में बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद की सचिव और बोडोलैंड प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज के निदेशक के अतिरिक्त प्रभारी के साथ कोकराझाड़ के उपायुक्त के रूप में कार्यरत हैं।

पत्रकारों को जान से मारने की धमकी पर सख्त दिलबाग सिंह

जम्मू। पत्रकारों को जान से मारने की धमकी पर जम्मू-कश्मीर के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि कश्मीर फाइट ब्लॉग पाकिस्तान से चलता है। मौत का ये खेल आईएसआई के इशारों पर कश्मीर के लोगों ने लगभग 30 सालों से अधिक समय तक देखा है। पाकिस्तान में बैठे जो लोग कश्मीर के लोगों की शांति नहीं देख सकते हैं, ये ब्लॉग उनका है। मीडिया वाले पाकिस्तान के एजेंडे को आगे नहीं बढ़ाते हैं इसलिए वे भी उनके दुश्मन हो गए हैं। आज कश्मीर के लोगों को शांति और तरक्की पसंद है इसलिए धमकियां दी जा रही हैं। इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कश्मीर बेस्ड पत्रकारों को हालिया खतरों के मद्देनजर एक खुफिया रिपोर्ट में बताया गया है कि एक हिट तैयार की गई है। एक खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि लश्कर आतंकवादी मुख्तार बाबा, जो अब तुर्की से काम करता है, केंद्र शासित प्रदेश के पत्रकारों पर सुरक्षा बलों के लिए मुखबिर होने का आरोप लगाते हुए एक हिट लिस्ट तैयार करवाया है। पुलिस के अनुसार, आतंकवाद विरोधी कानून गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक प्रथम सूचना रिपोर्ट या प्राथमिकी दर्ज की गई है और *हिट-लिस्ट* के सामने आने के बाद जांच शुरू की गई है।

सीआईएसएफ में चयनित 8006 अभ्यर्थियों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। रोजगार सृजन की दिशा में एक अभूतपूर्व पहल के तहत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लगभग 71,000 नए भर्ती किए गए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस दौरान गृह मंत्रालय ने नोडल मंत्रालय के तौर पर जिम्मेदारी निभाते हुए देश भर में रोजगार मेलों का आयोजन किया। रोजगार मेले के दौरान सीआईएसएफ समेत विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में गृह मंत्रालय द्वारा बड़ी संख्या में पदों को भरा जा रहा है। रोजगार मेला में प्रधान मंत्री की रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। ये रोजगार मेले रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने और युवाओं को सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आज देश भर में 45 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया गया और सीआईएसएफ को विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), पणजी (गोवा) और पोर्ट ब्लेयर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए समारोह की मेजबानी करने की जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान सीआईएसएफ में चयनित कुल 8006 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। 27 विभिन्न स्थानों पर आयोजित समारोह में सीआईएसएफ में चयनित 726 अभ्यर्थियों को भौतिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपा गया। शेष अभ्यर्थी भी रोजगार मेले में वर्चुअली शामिल हुए और उनके पास नियुक्ति पत्र डाक के माध्यम से भेजा गया। सीआईएसएफ द्वारा कुछ आमंत्रित उम्मीदवारों को भौतिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए, तीन स्थानों पर समारोह आयोजित किए गए।

फरवरी तक सात लाख घरों का निर्माण पूरा करें : सीएम बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने राज्य के आवास विभाग को निर्देश दिया कि वह फरवरी 2023 तक सात लाख घरों का निर्माण पूरा करे। इसके साथ ही उन्होंने बेंगलुरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) की संपत्तियों का सिर्फ व्यावसायिक ही नहीं बल्कि लोक सेवाओं के लिए भी इस्तेमाल करने का निर्देश दिया। सोमवार को कर्नाटक के आवास विभाग की समीक्षा करते हुए सीएम बोम्मई ने ये निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे पड़े आवासों का निर्माण पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं। इस काम के लिए सरकार अतिरिक्त इंतजाम करने को भी तैयार है। अधिकारियों को हर जिले में जाकर मौके पर ही समस्याओं का निराकरण करना चाहिए। विभिन्न सरकारी योजनाओं में आवासों का निर्माण सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। हम पिछले साल के दो लाख अतिरिक्त आवास और तीन लाख चालू साल के आवास का निर्माण अगले तीन माह में पूरा करना चाहते हैं। केंद्र व राज्य सरकार ने इन भवनों के निर्माण के लिए 1089 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। धन की कोई कमी नहीं है। बैठक में उन्होंने कहा कि सरकारी इमारतों का सिर्फ व्यावसायिक नहीं होना चाहिए। बेंगलुरु प्राधिकरण की संपत्तियों का उपयोग सरकारी दफ्तरों व लोक सेवाओं के लिए भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका और बेंगलुरु विकास प्राधिकरण की संपत्ति का उपयोग किया जाना चाहिए। बोम्मनहल्ली विधानसभा क्षेत्र में कर्नाटक रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड की ओर से बनाए जा रहे नए वाणिज्यिक परिसर का भूमि पूजा करने के बाद सीएम ने यह बात कही। बोम्मई ने कहा कि बेंगलुरु चारों तरफ बढ़ रहा है। इस कारण कर्मचारियों, इंजीनियरों और संयुक्त कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। वे जगह की कमी के कारण अपने प्रधान कार्यालय से काम करने में असमर्थ हैं। राज्य सरकार कार्यालयों के निर्माण पर हर साल पैसा खर्च करती है, फिर भी यह पर्याप्त नहीं है। सीएम बोम्मई ने कहा कि बेंगलुरु तेजी से बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग रोजाना शहर आते हैं। विदेशी भी दिल्ली की तरह बेंगलुरु आते हैं। 5000 से अधिक नए वाहन प्रतिदिन पंजीकृत होते हैं। 1.30 करोड़ की आबादी के लिए, 1.56 करोड़ वाहन हैं। सभी अंतर्राष्ट्रीय शहरों में ट्रैफिक का घनत्व सामान्य है। सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। 11 सड़कों के निर्माण के लिए 280 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। ये मार्ग अन्य महत्वपूर्ण शहरों से बेंगलुरु से जुड़ेंगे। बेंगलुरु के विकास के लिए 800 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

महाराष्ट्र में राज्यपाल की गरिमा खत्म हुई, जनता भी नाराज : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक बार फिर मंगलवार को राज्यपाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें हम राज्यपाल मानने को तैयार नहीं हैं। वे तो भाजपा के प्रचारक हैं। जो राज्यपाल होते हैं वह तो संविधान का ध्यान रखते हैं, लेकिन जिस प्रकार से राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने जो भी वक्तव्य दिया है उससे महाराष्ट्र की जनता में गुस्सा है। लोग इसका विरोध कर रहे हैं, महाराष्ट्र में राज्यपाल की गरिमा खत्म हो गई है। राज्यपाल कोश्यारी पर संजय राउत ने कहा कि सरकार तटस्थ होनी चाहिए और उसे अपने शब्दों और आचरण में गरिमा दिखानी चाहिए। हमारी सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले या सावित्रीबाई फुले पर बोलती है, क्या वे महाराष्ट्र का मजाक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में किसी भी राज्यपाल के खिलाफ इतना गुस्सा कभी नहीं हुआ। लोग हंगामा कर रहे हैं। महाराष्ट्र में राज्यपाल पद की गरिमा खत्म हो गई है, क्योंकि बीजेपी ने राजभवन को अपना पार्टी मुख्यालय बना लिया है। कर्नाटक के साथ सीमा विवाद पर महाराष्ट्र सरकार की उच्च शक्ति समिति का वर्तमान सरकार द्वारा पुनर्गठन किया गया है। सीएम, डिप्टी सीएम और कुछ अन्य मंत्रियों के अलावा विधानसभा और परिषद में विपक्ष के दोनों नेता इसके सदस्य हैं। एनसीपी प्रमुख शरद पवार और कांग्रेस के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण भी कर्नाटक के साथ सीमा विवाद पर महाराष्ट्र सरकार की उच्च शक्ति समिति के सदस्य हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कानूनी और अन्य मामलों के समन्वय के लिए दो मंत्रियों चंद्रकांत पाटिल और शंभुराजे देसाई की नियुक्ति के संबंध में एक सरकारी प्रस्ताव जारी किया है। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में 4-6 जनवरी 2023 को विश्व मराठी सम्मेलन आयोजित करने को लेकर जीआर जारी किया है। इसके लिए प्रदेश व देश की मराठी व महाराष्ट्र से जुड़ी सभी संस्थाओं को आमंत्रित किया जा रहा है।

गर्ल्स टॉयलेट में वीडियो बनाते पकड़ा गया छात्र गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से गर्ल्स टॉयलेट में लड़कियों का वीडियो बनाए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि यहां एक निजी विश्वविद्यालय में गर्ल्स टॉयलेट में झांकने और वीडियो रिकॉर्ड करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी विश्वविद्यालय का ही छात्र बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी छात्र की उम्र 21 साल है। वह कानून की पढ़ाई कर रहा है। आरोपी के खिलाफ यौन उत्पीड़न और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी छात्र को शौचालय में झांकते हुए पकड़ा गया था। उस समय उससे माफीनामा लिखवाकर छोड़ दिया गया था।

अंकिता हत्याकांड : धरने पर बैठे परिजन

देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में एक रिजॉर्ट में काम करने वाली अंकिता भंडारी की हत्या की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने की मांग को लेकर उसके माता-पिता ने मंगलवार को ऋषिकेश में धरना दिया। मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) पर दोषी को बचाने के दबाव में होने का आरोप लगाते हुए अंकिता के पिता वीरेंद्र सिंह भंडारी ने कहा कि उन्हें वर्तमान विवेचना पर भरोसा नहीं है, लेकिन मामले को सीबीआई को सौंपे जाने की उनकी मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अंकिता के लिए इंसाफ की मांग को लेकर सामाजिक संगठन *युवा न्याय संघर्ष समिति* द्वारा ऋषिकेश में जारी आंदोलन में भंडारी ने अपनी पत्नी सहित हिस्सा लिया और कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर भी बैठे। इस सामाजिक संगठन से जुड़े लोग अंकिता के लिए न्याय की मांग को लेकर ऋषिकेश के कोयल घाटी क्षेत्र में पिछले एक माह से धरने पर बैठे हैं और क्रमबद्ध तरीके से उपवास कर रहे हैं। अंकिता के पिता ने आरोप लगाया कि मामले में अपराध के एक दिन बाद ही तत्काल सबूत नष्ट कर दिए गए। यहां तक कि रिजॉर्ट से सटी फैक्ट्री के कमरों, जहां आरोपी रहता था, में भी आग लगा दी गई। हमें एसआईटी की जांच पर भरोसा नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सबूत ही नष्ट हो गए हैं तो दोषी को सख्त सजा कैसे मिलेगी। भंडारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें मुकदमा फास्ट ट्रैक अदालत में चलाए जाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। ऋषिकेश के निकट वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली 19 वर्षीया अंकिता की सितंबर में रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो अन्य कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर चीला नहर में धक्का देकर हत्या कर दी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रिजॉर्ट में एक *वीआईपी* अतिथि को *एक्स्ट्रा सर्विस* देने से अंकिता ने मना कर दिया था और इसी से उपजे विवाद के चलते उसकी हत्या की गई। भाजपा के पूर्व नेता का पुत्र आर्य और दो अन्य आरोपी- अंकित गुप्ता और सौरभ भास्कर इस समय जेल में बंद हैं। एसआईटी जांच शुरू हुए करीब दो माह बीत जाने के बावजूद अब तक मामले में आरोप पत्र दाखिल नहीं हुआ है और न ही अब तक *वीआईपी* के नाम का खुलासा हो पाया है। अंकिता के पिता ने कहा कि हमारी पुत्री की हत्या की जांच सीबीआई को सौंपी जाए। हम चाहते हैं कि दोषियों को बिना किसी देरी के फांसी पर लटकाया जाए।

आप नेता की मालिश पर भड़की कांग्रेस, कहा-

क्या केजरीवाल माफी मांगेंगे और जैन का इस्तीफा लेंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस ने तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन की मालिश से जुड़े वीडियो के मामले को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और सवाल किया कि मालिश करने वाले के बलात्कार का आरोपी होने की बात सामने आने के बाद क्या केजरीवाल माफी मांगेंगे और जैन का इस्तीफा लेंगे। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का पाखंड हर पल और हर दिन उजागर हो रहा है। ये लोग राजनीति बदलने आए थे और खुद इस तरह बदल गए। कांग्रेस नेता अलंका लांबा ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन जी जेल में मालिश करवा रहे रहे हैं। दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी ने कहा कि वह फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा ले रहे थे। अब सच्चाई सामने आई है कि वह नाबालिग बच्चियों से बलात्कार के मामले में बंद रिंकू से मालिश करवा रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि केजरीवाल जी, आपको माफी मांगनी चाहिए या नहीं? जैन का इस्तीफा होना चाहिए या नहीं? लांबा ने कहा कि हम आम आदमी पार्टी की महिला विधायकों और दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष से उम्मीद करते हैं कि वह केजरीवाल से माफी मांगने को कहेंगी और जैन से इस्तीफा देने के लिए बोलेंगी। उल्लेखनीय है कि एक वीडियो में तिहाड़ जेल में दिल्ली के मंत्री सत्येंद्र जैन की मालिश करते हुए दिख रहा व्यक्ति फिजियोथेरेपिस्ट नहीं, बल्कि एक कैदी है जो बलात्कार मामले में वहां बंद

सीएम स्टालिन मानहानि मामले में किशोर स्वामी गया जेल

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के मानहानि मामले के आरोपी किशोर के. स्वामी को पांच दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। स्वामी को अपमानजनक ट्वीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। स्वामी को एग्मोर की फौजदारी कोर्ट ने चेन्नई जिले की पुझाल जेल भेजने का आदेश दिया। चेन्नई सिटी पुलिस ने सीएम स्टालिन के खिलाफ एक ट्वीट करने के आरोप में सोशल मीडिया कमेंटेटर स्वामी को गिरफ्तार किया था। किशोर स्वामी सोशल मीडिया पर राजनीतिक टिप्पणियां करते रहे हैं। वे भाजपा समर्थक हैं। डीएमके और उसके समर्थक दलों की लगातार आलोचना करते रहे हैं। शिकायतकर्ता इमरान ने सेंट्रल क्राइम ब्रांच में की गई शिकायत में आरोप लगाया था कि स्वामी ने सीएम को बदनाम करने की कोशिश की। जांच के बाद क्राइम ब्रांच ने स्वामी के खिलाफ मानहानि, राष्ट्रद्रोह समेत चार धाराओं में केस दर्ज किया और उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजा था। समन पर पेश होने की बजाए स्वामी ने चेन्नई की सत्र अदालत में याचिका दायर कर अग्रिम जमानत मांगी थी। कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद स्वामी को गिरफ्तार कर एग्मोर की कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 5 दिसंबर तक जेल भेज दिया। स्वामी ने कोयंबटूर कार धमाके लेकर स्टालिन सरकार की आलोचना की थी। धमाके में कथित मानव बम जमीशा मुबीन नामक युवक की मौत हो गई थी। स्वामी ने चेन्नई सहित तमिलनाडु के कई शहरों में जलभराव और बाढ़ को लेकर भी सीएम स्टालिन की आलोचना की थी। स्वामी को इससे पहले 14 जून, 2021 को द्रमुक नेताओं दिवंगत अन्नादुराई और करुणानिधि और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को बदनाम करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

लातेहार में नक्सलियों ने निर्माण-कार्य में लगे वाहनों को जलाया

लातेहार (हि.स.)। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कटपुलिया से थोड़ी दूर पर तीसरे रेलवे लाइन निर्माण कार्य में लगे वाहनों को नक्सलियों ने जला दिया। घटना मंगलवार की देर शाम की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस बल घटनास्थल की ओर रवाना हो गया है। बताया जाता है कि माओवादियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, नक्सलियों ने किन-किन वाहनों को जलाया है इसकी पुष्ट जानकारी अभी तक नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने एक पोकलेन, एक जेसीबी मशीन और एक जनरेटर को जलाया है। घटनास्थल सुदूरवर्ती इलाका होने के कारण पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है। सीआईएसएफ में चयनित 8006 अभ्यर्थियों को रोजगार मेले के दौरान नियुक्ति पत्र सौंपे गए

जाकिर नाइक को कतर बुलाने पर भड़के केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप में भगोड़ा जाकिर नाइक को बुलाए जाने का भाजपा ने विरोध किया है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस मामले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि भारत इस मुद्दे को जरूर उठाएगा। उन्होंने कहा कि जाकिर नाइक मलेशियाई नागरिक है और आप उसे कहीं भी बुलाइए, लेकिन उस मंच पर बुलाने का क्या तुक है जिसके बारे में उसे कोई जानकारी ही नहीं है। बता दें कि फीफा विश्व कप 2022 में जाकिर नाइक को आमंत्रित किया गया है। भारत में जाकिर नाइक को भड़काऊ भाषण देने के चलते प्रतिबंधित कर दिया गया है और उनके खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट भी जारी है। हालांकि, जाकिर नाइक कई साल से देश से बाहर रह रहे हैं। अब जाकिर को फीफा विश्व कप में आमंत्रित किया गया है। वह पूरे विश्व कप के दौरान धार्मिक भाषण देंगे। नाइक पर भारत में मनी लॉन्ड्रिंग और अभद्र भाषा का उपयोग करने का आरोप है। साल 2016 में नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन पर विभिन्न धार्मिक समुदायों और समूहों के बीच दुश्मनी, घृणा या अन्य नकारात्मक भावनाओं को फैलाने और समूह के सदस्यों को प्रोत्साहित और सहायता करने के आरोप लगे थे। इसके बाद भारत में इस संगठन को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया। नाइक ने भारत छोड़ मलेशिया में बसने का फैसला किया। वह फिलहाल मलेशिया में ही रहते हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी कह रही है कि सत्येंद्र जैन को मसाज देने वाला शख्स मेडिकल थेरेपिस्ट है। वह बताएं कि उसकी मेडिकल थेरेपिस्ट की डिग्री कहां की है? आम आदमी पार्टी को आत्मनिरीक्षण करने की बहुत जरूरत है।

नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस पहुंचे कोलकाता, शपथ ग्रहण समारोह आज

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस मंगलवार सुबह कोलकाता पहुंच गए। दमदम हवाई अड्डे पर उनका स्वागत राज्य सरकार की ओर से मंत्री और मेयर फिरहाद हकीम ने किया। इस मौके पर मंत्री शशि पांजा, मुख्य सचिव हरि कृष्ण द्विवेदी और कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल मौजूद रहे। यहीं उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद डॉ. बोस राजभवन पहुंचे हैं। वो बुधवार को शपथ ग्रहण करेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, विधानसभा अध्यक्ष विमान बनर्जी, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। डॉ. बोस को कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव शपथ दिलाएंगे। डॉ. बोस भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1977 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें 17 नवंबर को राज्यपाल नियुक्त किया था। ला गणेशन पिछले कुछ माह से राज्य में अंतरिम राज्यपाल के रूप में कार्य किया। अब सीवी आनंद बोस राज्य के स्थायी राज्यपाल होंगे। इसके पहले जगदीप धनखड़ स्थायी राज्यपाल थे। अब देश के उपराष्ट्रपति हैं। साल 2011 में सेवानिवृत्ति के बाद डॉ. बोस कोलकाता में राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रशासक के रूप में काम कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फोन कर उनसे बात कर सहयोग का आश्वासन दिया था।

भारत जोड़ो यात्रा आज मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी

भोपाल (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की *भारत जोड़ो यात्रा* बुधवार, 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिले बुरहानपुर से मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगी। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को ट्वीट करते हुए कहा कि राहुल गांधी जी के नेतृत्व में जारी भारत जोड़ो यात्रा कल मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ कल भारत जोड़ो यात्रा की मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले में अगवानी करेंगे। वहीं, कमलनाथ ने ट्वीट के माध्यम से कहा है कि मेरे प्यारे मध्यप्रदेशवासियों, भारत जोड़ो यात्रा हमारे मध्यप्रदेश में कल प्रवेश करेगी। भारत को एक जुट करने के इस अभियान को लेकर मैं उत्साहित हूं। आईए! भारत देश को जोड़ें। अधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा बुधवार को सुबह छह बजे बुरहानपुर जिले के ग्राम बोदरली से मध्य प्रदेश में प्रवेश कर जाएगी और यह यात्रा चार दिसंबर तक निमाड़-मालवा अंचल के छह जिलों तक भ्रमण पर रहेगी। इस 12 दिन की यात्रा में राहुल गांधी राज्य में 382 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। बताया जा रहा है कि प्रियंका गांधी यात्रा के शुरुआती चार दिन तक राहुल गांधी के साथ कदमताल करती नजर आएंगी। पार्टी कार्यकर्ता यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राहुल गांधी बुधवार को बुरहानपुर के बोदरली गांव से अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे। वे यहां से खंडवा के झिरी जाएंगे। इसके अगले दिन यात्रा 24 तारीख को खंडवा को बोरगांव से खरगोन के खेरड़ा तक जाएगी और 25 तारीख को राहुल गांधी खेरड़ा से मोरटक्का तक की यात्रा करेंगे। अगले दिन शनिवार, 26 नवंबर को यात्रा इंदौर जिले में प्रवेश करेगी। यहां वे डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू जाएंगे। इसके अगले दिन राहुल गांधी महू से इंदौर तक की यात्रा करेंगे। अगले दिन 28 नवंबर को यात्रा का विश्राम तय किया गया है। राहुल गांधी अगले दिन 29 नवंबर को इंदौर से यात्रा की शुरुआत कर सांवेर जाएंगे और 30 नवंबर को यात्रा सांवेर से उज्जैन जिले में प्रवेश करेगी। एक दिसंबर को भी यात्रा उज्जैन में ही रहेगी। दो दिसंबर को यात्रा की शुरुआत उज्जैन के झालरा से होगी। यहां से राहुल गांधी आगर-मालवा जिले के कासी बरदिया पहुंचेंगे। तीन दिसंबर को राहुल गांधी आगर मालवा जिले के महूदिया से लालाखेड़ी तक का सफर तय करेंगे। इसके बाद यात्रा चार दिसंबर को ग्राम लालाखेड़ी से राजस्थान के झालावाड़ में प्रवेश करेगी। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण है।

सीएम योगी ने उप्र में निवेश के लिए देश और दुनिया के उद्यमियों से की अपील

दिल्ली (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्यमियों से उप्र में निवेश के लिए अपील की है। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-कर्टेन रेजर सेरेमनी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित किया गया है। उप्र में अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री योगी ने यहां निवेश करने वाले उद्यमियों को बेहतरीन माहौल उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिया। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से फरवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इंवेस्टर समिट को लेकर मंगलवार को सुषमा स्वराज भवन, चाणक्यपुरी, दिल्ली में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-कर्टेन रेजर सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 का लोगो लांच के करने के साथ ही कहा कि उप्र एक प्रगतिशील और परिवर्तनकारी यात्रा के शिखर पर है। पीएम मोदी के रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म के फार्मूले को अपनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप भारत को पांच ट्रीलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में सहयोग के लिए यूपी ने एक ट्रीलियन डॉलर इकोनॉमी का लक्ष्य रखा है। फरवरी में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2023 आयोजित किया जा रहा है। इसमें वैश्विक स्तर के उद्यमी के साथ ही विद्वतजन मिलकर मंथन करेंगे। इस अभियान में राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपील करते हैं। 40 देशों से सम्पर्क कर चुके हैं। नीदरलैंड, सिंगापुर, फ्रांस, यूके, डेनमार्क, मॉरिसस समेत कई देश सहमति जता चुके हैं। योगी ने कहा कि उप्र में निवेश की असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं के बारे में हम दुनिया को बताएंगे। इसके लिए विभिन्न देशों में रोड-शो भी किया जाएगा। हमारी सरकार ने राज्य में कानून का राज स्थापित करने का कार्य किया है। औद्योगिक सुरक्षा के प्रति हमने आश्वस्त किया है। उप्र दुनिया का निवेश अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। उप्र में 16 हजार किलीमीटर रेल नेटवर्क उपलब्ध है। एक्सप्रेस-वे के माध्यम से बेहतरीन कनेक्टिविटी है। पांच अंतराराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश में मात्र एक राज्य उप्र बनने जा रहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी ने उप्र के बारे में विस्तार से अपनी बात रखी और देश विदेश के उद्यमियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि आज का यह समारोह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का उद्घोष है। यह समारोह उत्तर प्रदेश नया इतिहास रचेगा। योगी के नेतृत्व में उप्र अंधेरे से बाहर निकल कर उत्तम प्रदेश बनने के बाद अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उद्यमियों को किसी प्रकार की समस्या न आए, हमारी सरकार ने कार्य किया है। कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। निवेशकों को तमाम सुविधाएं दी जा रही हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा विभिन्न देशों के उच्चायुक्त, प्रतिनिधि, फिक्की जैसी संस्थाओं के प्रतिनिधि, योगी सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास राज्य मंत्री विक्रम सैनी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, मनोज कुमार, एसपी गोयल समेत समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

महर्षि दयानंद मार्ग का नाम बदलने पर आर्य समाज में आक्रोश

मेरठ (हिंस)। तेजगढ़ी चौराहे से हापुड़ चुंगी तिराहे तक सड़क का नाम महर्षि दयानंद मार्ग से बदलने का आर्य समाज ने कड़ा विरोध किया है। मंगलवार को आर्य समाज के प्रतिनिधियों ने नगर निगम में प्रदर्शन करके नाम बदलने के प्रस्ताव का विरोध किया। आर्य समाज के प्रतिनिधि मंगलवार को नगर निगम कार्यालय पर पहुंचे और प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि तेजगढ़ी चौराहे से हापुड़ चुंगी तिराहे तक सड़क का नाम महर्षि दयानंद मार्ग कर दिया गया था। इसका बोर्ड भी बाकायदा अभी भी लगा हुआ है। इसके बाद नगर निगम ने बोर्ड बैठक में इस मार्ग का नामकरण डॉ. भीमराव अंबेडकर मार्ग कर दिया। केंद्रीय आर्यसभा मेरठ महानगर के प्रधान आरपी सिंह चौधरी और मंत्री राजेश सेठी के नेतृत्व में आर्य समाज ने नगर आयुक्त डॉ. अमित पाल शर्मा को ज्ञापन दिया।

भागवत राउत हत्याकांड में सात को आजीवन कारावास की सजा

दुमका (हिंस)। भाजपा नेता और पूर्व जिला परिषद सदस्य भागवत राउत हत्याकांड में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-3 लक्ष्मण प्रसाद की अदालत ने सभी सात अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा और 20 हजार जुर्माना किया। न्यायालय ने भादवी की धारा 302/34, 120बी और 27 आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाया। बीते गुरुवार को 17 नवंबर को दोषी करार दिया था। सजा के बिंदु पर 22 नवंबर को सुनवाई करने को फैसला सुरक्षित रखा था। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता और पूर्व जिला परिषद सदस्य भागवत राउत पर उन्हीं के घर के सामने गत 03 मई, 2016 की रात हमला हुआ था। उनके सीने में दो गोली मारी गई थी। उनकी मौत हो गई थी। मामले में पप्पू राउत, नारायण हरि, किशोर यादव, शिशुपाल राउत, शम्भु राउत, विप्लव शर्मा और मुन्ना दुबे को आरोपी थे।

नई औद्योगिक परियोजनाओं के लिए यूपी है *बेस्ट*, यहां है *ईज ऑफ स्टार्टिंग बिजनेस*

लखनऊ (हिंस)। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हो रही सराहना के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ईज ऑफ स्टार्टिंग बिजनेस पर फोकस कर रही है। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के कर्टेन रेजर सेरेमनी में मुख्यमंत्री योगी ने जिन दो पोर्टलों की शुरुआत की, वह इस लिहाज से बेहद उपयोगी होने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रोएक्टिव इनवेस्टर कनेक्ट तथा हैंडहोल्डिंग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने एवं उनके कार्यान्वयन की निगरानी के लिए *निवेश सारथी* के नाम से एक नई ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है, साथ ही एक ऑनलाइन इंसेंटिव मैनेजमेंट सिस्टम भी विकसित किया गया है। यह पोर्टल निवेशकों को पूर्ण सहूलियत देने वाले वन स्टॉप सॉल्यूशन सेंटर जैसे होंगे। प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर की पॉलिसी के जरिए निवेश पर मिलने वाले इंसेंटिव के लिए निवेशकों को अब विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। किस निवेश पर कितना इंसेंटिव मिलेगा। इंसेंटिव दिए जाने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है, पैसा कितने दिनों में खाते में आ जाएगा, इन सारे सवालों के जवाब और जानकारियां ऑनलाइन मिल सकेंगी। यही नहीं, एमओयू के बाद उसकी प्रगति की सीधी निगरानी में भी आसानी होगी। यूपी सरकार का सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम *निवेश मित्र* पोर्टल उद्यमियों को नई परियोजना की शुरुआत में सबसे बड़ा मददगार है। पोर्टल के माध्यम से राज्य के छोटे, मध्यम और बड़े उद्यमियों के लिए संबंधित विभागों से सुरक्षा, कानूनी मेट्रोलॉजी, पर्यावरणीय मुद्दे की मंजूरी और गैर आपत्ति प्रमाण पत्र जैसी 150 से अधिक सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं।

बिहार की बदहाली के लिए चाचा-भतीजा जिम्मेदार : प्रशांत किशोर

मोतिहारी (हिंस)। जन सुराज पदयात्रा के 52वें दिन आज प्रशांत किशोर अरेराज पहुंचे। यहां से सोमेश्वर नाथ मंदिर पहुंच कर उन्हों पूजा अर्चना की अरेराज से हरसिद्धि प्रखंड की ओर प्रस्थान किया। जहां वे चडरहिया, घिवाढार, मटिअरिया और गायघाट पंचायतो का भ्रमण करेगे। इस दौरान प्रशांत किशोर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार सामाजिक-राजनीतिक रूप से अकेले पड़ गए हैं। यहां के पिछड़ेपन के लिए नीतीश कुमार और लालू यादव को जिम्मेदार बताते हुए उन्होने कहा कि 30-35 साल से दोनों भाइयों ने और अब चाचा-भतीजा मिलकर बिहार को पिछड़ा बनाए हुए हैं। बिहार के विकसित नहीं होने की जवाबदेही इन लोगों की ही है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब एक उम्रदराज व्यक्ति हो गए हैं अब उन्हें घबराहट भी होने लगी है, वे बोलना कुछ चाहते हैं और बोल कुछ और

जाते हैं। जैसा उन्होंने पूर्व में कहा था कि प्रशांत किशोर को कुछ नहीं आता , तो आप बताइए कि उन्होंने 2 वर्ष अपने घर में मुझे क्यों रखा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के साथ वे सत्ता में बैठे हैं, वे उन पर भरोसा ही नहीं करते। नीतीश कुमार जिन लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास का दिखावा कर रहें हैं, उन पर वे खुद विश्वास नहीं करते।

कोसी पुनर्वास परियोजना के तहत बचे हुए कार्यों को तेजी से पूर्ण करें : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कोसी पुनर्वास परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2007-08 में कोसी त्रासदी आयी थी, जिसमें हमलोगों ने अपने संसाधन से उस क्षेत्र में काफी रिलीफ के कार्य किए थे। उसी दौरान पूरे इलाके को विकसित करने की योजना बनायी गई थी। उस पर काम किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि हम वहां जाकर एक-एक चीजों को देखते रहे हैं। वहां किये जा रहे सभी कार्यों की जानकारी लेते रहते हैं। उन्होंने कहा कि कोसी पुनर्वास परियोजना के तहत कई कार्य किए गए हैं, जो भी बचे हुए कार्य हैं उसे तेजी से पूर्ण करें। इसके लिए संसाधन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इससे पहले बैठक में योजना एवं विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुणीश चावला ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार कोसी बेसिन डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। जल संसाधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, कृषि सह पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव एन सरवन कुमार, राज्य पथ विकास निगम के प्रबंध निदेशक संदीप कुमार आर पुदुकलकट्टी ने अपने-अपने विभागों द्वारा इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों की प्रगति के संबंध में जानकारी दी।

यूपी : छह आईएएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में लगातार आईएएस अधिकारियों के तबादले हो रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को छह आईएएस अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। शासन की ओर से जारी सूची के आधार पर जिन आईएएस अधिकारियों का तबादला हुआ है उनमें सबसे पहले अलीगढ़ के मंडलायुक्त गौरव दयाल का नाम है। उन्हें वहां से हटाकर अयोध्या का मंडलायुक्त बनाया गया है। वहीं, अयोध्या के मंडलायुक्त नवदीप रिणवा को अलीगढ़ भेजा गया है। इसी तरह विंध्याचल मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्रा को बस्ती मंडल के नया आयुक्त बनाया गया है। प्रबंध निदेशक उप्र मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी को प्रभारी आयुक्त विंध्याचल मंडल, मीरजापुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सड़क हादसे में दो शिक्षकों समेत पांच की मौत, सात जखमी

लखीमपुर खीरी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में पलिया रेलवे क्रासिंग के पास मंगलवार को तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर नाले में पलट गई। इस हादसे में दो शिक्षक समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखीमपुर खीरी सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दु:ख प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। पुलिस के मुताबिक, एक कार मंगलवार की भोर में करीब तीन बजे के दरमियान पलिया के लिए निकली थी। इसमें कुल 12 लोग सवार थे। इसमें कुछ शिक्षक थे, जो प्रयागराज से विभागीय प्रशिक्षण

प्राप्त कर वापस अपने तैनाती स्थल पर आ रहे थे। पलिया रेलवे क्रासिंग के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाले पांचों लोगों की शिनाख्त कर ली है। हादसे में जिन लोगों की मौत हुई है उनमें रामपुर जिले के ग्राम कनकपुर निवासी उमेश गंगवार (36) और ग्राम पदमपुर मिलक निवासी हरनाम चंद्र (31) है। ये दोनों शिक्षक थे। तीन अन्य मृतकों की पहचान हरदोई जिले के विकासनगर निवासी राजकिशोर (54), खीरी निवासी विनय (40) और खीरी के इब्राहिमपुर निवासी मत्तीउल्ला खान (64) के रूप में हुई है। कार हादसे में बाल-बाल बचे राजू ने पुलिस को बताया कि कार शाहजहांपुर से चली थी। उसमें कम से कम 12 लोग थे। सभी लोग सो गए थे। पलिया के पास ड्राइवर को नींद आई और यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना में उनके भाई की मौत हुई है, जबकि वह और उसके बहनोई बच गए हैं। सड़क हादसे की खबर मिलते ही कुछ लोग वहां पहुंच गए और पुलिस को सूचित किया। सूचना पाकर पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। राहत एवं बचाव कार्य करते हुए पहले घायलों को बाहर निकाला। फिर जेसीबी से कार को बाहर निकाला गया। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बताया कि इस हादसे में पांच लोगों की जान गई है। सात लोग घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घायलों से मुलाकात करने के लिए डीएम भी अस्पताल पहुंच रहे हैं।

बिहार के तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला

पटना (हिंस)। बिहार सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव कौशल किशोर का तबादला करते हुए उन्हें समाज कल्याण विभाग के आईसीडीएस का निदेशक बनाया गया है। सरकार ने बिहार सहयोग समितियों के निबंधक वैद्यनाथ यादव को ग्रामीण कार्य विभाग के विशेष सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव ओम प्रकाश यादव को बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, पटना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तालाब में तब्दील सड़क पर भरे पानी में अटखेलियां कर रहीं बतखें

औरैया (हिंस)। प्रदेश के मुखिया ने भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए संबंधित विभाग को सख्त निर्देश कर निर्धारित समय सीमा में काम पूरा करने का फरमान जारी किया है। जिसके चलते सरकारी विभाग द्वारा कुछ स्थानों पर छिटपुट काम किया गया, लेकिन अजीतमल क्षेत्र के एक मार्ग बीते करीब एक वर्ष से तालाब में तब्दील हो चुक है। सड़क पर आज तक किसी ने एक पत्थर का टुकड़ा डालने की जरूरत नहीं समझी, जिससे राह चलते लोगों को कुछ राहत मिल सकती थी। अजीतमल क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग से भीखेपुर जुहीखा मार्ग पर सेगनपुर गांव में सड़क तालाब में तब्दील हो गई है। जहां छोटे-बड़े वाहनों के अलावा पैदल निकलने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी भरे गड्ढों में आए दिन किसी वाहन

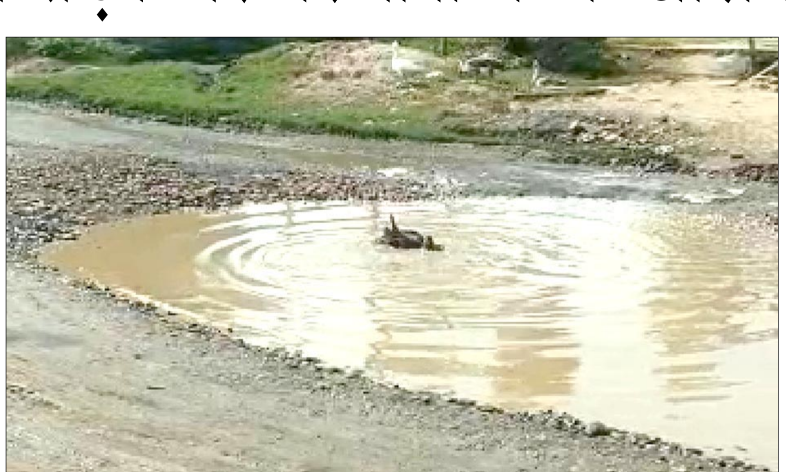

का फंसना व लोगों का गिरकर चोटिल होना आम बात बन गया है। वहीं तालाब का रूप ले चुकी गड्ढों में तब्दील सड़क पर भरे पानी में बतखों द्वारा अठखेलियां करना भी बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब एक वर्ष से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। गांव के दोनों तरफ सड़क के चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है, लेकिन गड्ढों का भराव नहीं किया जा रहा है जिससे आए दिन लोगों को दुर्घटना का शिकार होकर भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। बीते माह प्रदेश के मुखिया द्वारा सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की घोषणा पर लोगों को उम्मीद जगी थी कि शायद गांव की सड़क भी अब गड्ढा मुक्त हो जाएगी, लेकिन निर्धारित समय सीमा खत्म होने तक शायद किसी भी जिम्मेदार विभाग ने सेगनपुर गांव की तालाब में बदल चुकी सड़क को देखना भी मुनासिफ नहीं समझा। सड़क का गड्ढा मुक्त न होना सरकार के दावों पर प्रश्न चिह्न लगा रहा है कि आखिर इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

ADVERTISEMENT

Memo No. DJHj/I/22/2762-64

Applications are invited from intending eligible candidates who are citizens of India as defined in Article 5 and 6 of the Constitution of India, in the prescribed Standard Form of application for filling up vacant posts (highlighted hereunder in the table) in the establishment of District & Sessions Judge, Hojai as per Sanction Order No. JDJ-11016/97/2017-ESTT-JUDI-Judicial/35 dated 12.03.2020 of Judicial Department, Government of Assam.

The qualification and eligibility criteria are set forth in the table after the same has been approved by the Selection Board.

CATEGORY WISE BREAKUP OF VACANCIES

Sl. No.	Name of Post	No of Post	Requisite Qualification	Scale of pay with Grade Pay
1	Sheristadar (Chief Administra-tive Officer) of District & Sessions Judge	1 (One)	The candidate must be a graduate and must have served either as a Sheristadar of Addl. District and Sessions Judge or a Head Assistant in the District and Sessions Judge Establishment or equivalent court continu-ously for a minimum period of 3 (Three) years.	Pay Band- IV of Rs. 30,000/- 1,10,000/- with Grade Pay of Rs.14,500/- per month as per ROP, 2017.
2	Sheristadar of District & Sessions Judge	2 (Two)	The candidate must be a graduate who must have served continuously as Sheristadar of Additional District & Sessions Judge or as Head Assistant in the District & Sessions Judges Establishment at least for 3 (Three) years.	Pay Band- IV of Rs. 30,000/- 1,10,000/- with Grade Pay of Rs.14,500/- per month as per ROP, 2017.

Terms & Conditions:

1. The applicants must submit their applications in the Standard Form of application published in **Assam Gazette Part-IX (annexed with this advertisement).** A candidate will have to submit 4 (Four) copies of recent passport size photographs and testimonials of his/her Age, Caste, Educational Qualification etc., along with the filled up application form, in photocopy to be self-attested. Candidates will have to produce testimonials in original, in the event of being selected for interview failing which his/her candidature will be rejected and the next eligible candidate from the merit list will be considered.
2. There must be a separate application in separate sealed envelopes for separate post and post applied for should be conspicuously mentioned in the envelope.
3. A provisional **'Select List'** and **'Reject List'** will be notified in due course of time in the official website of Hojai Judiciary, *viz. https:// districts. ecourts.gov.in/hojai*
4. Call letter will not be individually sent to the applicants and they have to collect the same from the Office of the undersigned or as per the information provided in *https://districts.ecourts.gov.in/hojai*
5. Applicants must mandatorily provide their contact number and e-mail ID (If available) in their application.
6. The selection for the above-mentioned posts would solely be based upon the candidate's performance in interview/viva-voce and work experience. The date of interview will be intimated in due-course of time in the official website.
7. The intending candidates shall submit their applications through proper channel including experience certificate issued by the respective District and Sessions Judge or equivalent courts along with copies of **service-book, five years ACRs** with proof of requisite educational qualifications.
8. Candidates must be an Indian Citizen as defined in Article 5 to 8 of the Constitution of India.
9. Completed applications along with all testimonials as mentioned above should be addressed to **'The Office of District & Sessions Judge, Sankardev Nagar, Hojai, 782442'** through post or may be placed in the box labelled as **'Drop Box for Applications'** which will be placed inside the premise of the court of the undersigned.
10. **Last date for receipt of applications is 20.12.2022** Drop Box will be closed after the said date.
11. Merely satisfying the eligibility criteria will not entitle a candidate to be called for the written examination / viva voce etc.
12. No T.A / D.A will be admissible for appearing in interview/ viva-voce.
13. **Canvassing directly or indirectly will disqualify the candidature.**
14. Incomplete applications, i.e., those without necessary particulars, signature, photographs, testimonials etc., shall be summarily rejected.
15. The final selection will be made on the basis of the marks obtained by the candidates in interview / viva-voce only.

District & Sessions Judge
Hojai :: Assam

-- Janasanyog /D/16566/ 22

संपादकीय

आतंक पर प्रहारआतंक पर प्रहार

अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत ही एकमात्र देश है जो विश्व और मानवता के लिए खतरा बने आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक ढंग से लड़ाई लड़ता दिखता है। विगत दिनों भारत की राजधानी में आतंकवाद के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई है। इस संगोष्ठी में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नए चरण में ढुलमुल रवैये के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जो विचार व्यक्त किए, उनसे भारत की आगे की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ देशों ने आतंकवाद के समर्थन को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना लिया है और कुछ आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाइयों को रुकवाकर इसे परोक्ष समर्थन देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी देश का नाम भले नहीं लिया हो, लेकिन उनका स्पष्ट इशारा पाकिस्तान और चीन की ओर था। चीन ने पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से एक के बाद एक पाकिस्तानी आतंकवादियों को संयुक्त राष्ट्र की काली सूची में डाले जाने से बचाया है, वह जगजाहिर है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इतना ही कहकर नहीं रुके। उन्होंने कहा कि जो भी देश आतंकवाद का समर्थन करते हैं, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़े। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उचित ही रेखांकित किया है कि आतंक से भी कहीं अधिक खतरनाक उसे धन उपलब्ध कराना है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आतंकवाद के आर्थिक स्रोतों को बंद कर दिया जाए, तो उसकी कमर टूट जाएगी। आतंकवाद के पनपने में सबसे बड़ी भूमिका ऐसी ही व्यवस्थाएं हैं, जो आतंकी समूहों को धन उपलब्ध कराती हैं। आतंकवाद के लिए धन उपलब्ध कराने के आरोप पाकिस्तान पर भी लगते हैं। अब तो यह तथ्य सबके सामने आ चुका है कि पाकिस्तान ने भारत के विरुद्ध आतंकवाद को अपनी रणनीति का हिस्सा बना रखा है। भारत ने देश को अस्थिर करने तथा आतंकियों द्वारा भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने की साजिशें पाकिस्तान में रची जाती रही हैं। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की नापाक हरकतों को चीन का समर्थन भी मिल रहा है। आतंकियों को धन देने के मामले को लेकर इस संबंध में बनी अंतरराष्ट्रीय संस्था ने पाकिस्तान पर कार्रवाई भी की। लेकिन कुछ ताकतवर देश, जिनमें अमेरिका और पश्चिमी देश भी शामिल हैं, अपने भू-राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए पाकिस्तान के साथ नरमी से पेश आते रहे हैं। हाल में आतंकियों को धन देने के मामले में लगे आरोपों पर पाकिस्तान की फर्जी सफाई को स्वीकार करते हुए उसे निगरानी सूची से निकाल दिया गया है। इतना ही नहीं, पाकिस्तान को अमेरिका से सैन्य सहायता के नाम पर खरबों रुपये की वित्तीय सहायता भी दी गयी है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तानी सेना और उसकी कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई अपनी हरकतों के लिए करेंगे। चीन और अमेरिका के बीच चल रही रस्साकशी भारत ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिणी एशिया की शांति को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद है कि आतंकवाद पर लगाम लगाने के संदर्भ में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की चर्चाओं तथा भारत के प्रस्तावों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

विगत दिनों भारत की राजधानी में आतंकवाद के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई है। इस संगोष्ठी में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के नए चरण में ढुलमुल रवैये के लिए कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जो विचार व्यक्त किए, उनसे भारत की आगे की रणनीति स्पष्ट दिखाई देती है। उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ देशों ने आतंकवाद के समर्थन को अपनी विदेश नीति का हिस्सा बना लिया है और कुछ आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाइयों को रुकवाकर इसे परोक्ष समर्थन देते हैं।

नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए

न्यायिक अंधेरों में उम्मीद की किरण बनते चन्द्रचूड़

ललित गर्ग

'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान इन चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) के रूप में शपथ लेने के बाद से ही जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ लगातार सक्रिय एवं संकल्पित है। वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है।

भारत की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से घिरी है। संवैधानिक न्यायालय का गठन बड़ा अलोकतांत्रिक व दोषपूर्ण है। न्याय-व्यवस्था जिसके द्वारा न्यायपालिकाएं अपने कार्य-संचालन करती है वह अत्यंत महंगी, अतिविलंबकारी और अप्रत्याशित निर्णय देने वाली है। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है।' भारतीय न्यायिक व्यवस्था में विद्यमान इन चुनौतियों एवं विसंगतियों को दूर करने के लिये भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) के रूप में शपथ लेने के बाद से ही जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ लगातार सक्रिय एवं संकल्पित है। वे न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दे रहे हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में वह पहले ही कई महत्त्वपूर्ण फैसलों के कारण चर्चा में रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की न्याय व्यवस्था अभी तक औपनिवेशिक शिकंजे में जकड़ी हुई है। उच्चतर न्यायालयों की भाषा अंग्रेजी है तो अधिकांश निचली अदालतों की कार्रवाई और पुलिस विवेचना की भाषा उर्दू है। व समय आ गया है कि यह सब आम आदमी की भाषा में हों। वर्षों-वर्ष चलने वाले मुकदमों का खर्च भी बहुत ज्यादा है। न्याय प्रक्रिया की कोई सीमा-अवधि नहीं है। इसलिए निचली अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक समस्त न्यायालयों को दो पालियों में चलाने का प्रावधान किया जाना चाहिए। नए न्यायालय भी स्थापित किए जाने चाहिए। सरकारी विद्यालयों एवं अन्य सरकारी भवनों में दूसरी पाली में न्यायालय चलाए जाने चाहिए, ताकि न्यूनतम अतिरिक्त खर्च में काम प्रारंभ किया जा सके। न केवल न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरा जाना चाहिए, बल्कि जनसंख्या और लंबित मामलों का संज्ञान लेते हुए न्यायिक कर्मियों की नियुक्ति भी की जानी चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ के ताजा वक्तव्यों में ऐसे ही सुधार को अपनाने के संकेत मिल रहे हैं, जो स्वागतयोग्य होने के साथ सराहनीय भी है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि जिला अदालतों को हाई कोर्ट का अधीनस्थ न्यायालय नहीं माना जाए और जिला जजों के साथ भी समानता का व्यवहार किया जाए। उन्होंने न्यायालयों को पुरुष मानसिकता से बाहर निकालने और महिलाओं को न्याय प्रक्रिया में उचित भागीदारी देने की भी वकालत की है। अभी अदालतों में महिला जजों की संख्या नाममात्र ही है। न्यायप्रक्रिया में आम लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का भी उन्होंने संकल्प जताया और न्याय प्रक्रिया में अंग्रेजी के वर्चस्व को भी एक तरह से चुनौती दी। उनकी यह चिंता वाजिब है कि जब तक भारतीय भाषाओं को न्याय प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनाया जाएगा, तब तक आम लोगों को न्याय प्रक्रिया में शामिल करना मुश्किल होगा। अभी वादी की याचिका पर बहस और फैसले अंग्रेजी में होते हैं, जो अंग्रेजी नहीं जानने वालों की समझ में नहीं आते। ऐसे में न्याय पर उनका पूरा भरोसा हासिल करना भी कठिन है। न्यायिक सुधार की दिशा में ये और ऐसे तमाम मुद्दे हैं जिन पर लंबे समय से चर्चा की जरूरत तो महसूस होती रही है पर किसी प्रधान न्यायाधीश ने खुलकर पहल नहीं की थी। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है। तकनीक का प्रयोग बढ़ाने और पुलिस द्वारा की जाने वाली विवेचना में भी सुधार जरूरी है। एक सक्षम न्यायिक नियुक्ति आयोग का गठन करके इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है। सरकार के अंगों की जो बड़ी सरल परिभाषा बताई जाती है वो ये है कि विधायिका कानून बनाती है, कार्यपालिका उसे लागू करती है और न्यायपालिका उसका उल्लंघन करने वालों को दंड देती है। विधि के उल्लंघन पर ऐसे उल्लंघनकर्ता को दंडित करना न्यायालय का द्वितीयक कार्य है, बल्कि न्यायपालिका का मूल कार्य तो कार्यपालिका और व्यवस्थापिका की निरंकुशता व उसके अन्याय -अत्याचार एवं तानाशाही से समाज को बचाना और इन सबसे जनमानस में व्यवस्था के प्रति उपजे विषाद व असंतोष को संभालना होता है। लेकिन हम भारत की न्यायपालिका की भूमिका को देखें तो बड़ी निराशा होती है। जस्टिस चंद्रचूड के सामने अनेक चुनौतियां है, उनका मार्ग कंटकाकीर्ण है। उनके द्वारा शुरु किये सुधार-अभियान की किसी पहल का विरोध होना स्वाभाविक है। सबसे पहले तो उनको सीजेआइ बनने से रोकने के लिए याचिका लगाई गई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम सिस्टम पर भी सवाल उठाए गए। कानून मंत्री एक से ज्यादा मौकों पर कॉलेजियम सिस्टम की खामियों को उजागर कर चुके हैं। इस मामले में भी जस्टिस चंद्रचूड़ ने काफी सधा हुआ बयान दिया कि आलोचनाओं को सामने आने देना चाहिए। जाहिर है यदि कॉलेजियम सिस्टम में कोई खामी है तो समीक्षा करके उसे दूर किया जा सकता है। निश्चित ही जस्टिस चंद्रचूड ने साहसिक पहल की है, सकारात्मक नजरिया अपनाते हुए उनकी पहल को आगे बढ़ाना चाहिए। सर्वप्रथम तो भारत के न्यायपालिका का संस्थागत चरित्र बदलने की जरूरत है। यह सामंती है और इसे इसके स्थान पर लोकतांत्रिक बनाना होगा। संवैधानिक जजों की चयन प्रक्रिया बहुत ही अलोकतांत्रिक है, जिसमें संविधान में वर्णित 'हम भारत के लोग' इनकी कोई भूमिका नहीं है। यहां पहले से पदासीन चले आ रहे लोग अपनी पसंद के लोगों को चुनकर पदों पर बिठा देते हैं, देखते ही देखते कुछ ही वर्षों में भारत का पूरा न्यायिक तंत्र कुछ परिवारों के कब्जे में आ गया है। वर्तमान सरकार ने परिवारवादी राजनीति के साथ परिवारवादी न्याय-व्यवस्था में सुधार किये हैं। न्यायपालिका की हठधर्मिता, विधायिका और कार्यपालिका का न्यायिक सुधार के संबंध में उपेक्षात्मक रुख साथ-साथ भारतीय जनमानस की उदासीन भूमिका ऐसी जड़ताएं हैं जिसने अपार पीड़ा को सहते हुए भी न्यायिक सुधार की दिशा में कदम उठाने के लिए सरकारों पर दबाव बनाने का कार्य कभी नहीं किया गया, जो मिला उसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया।

मेक फॉर द ग्लोबल का नया द्वार जी-20

दुनिया के विभिन्न आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में मेक फॉर ग्लोबल और दुनिया के लिए खाद्यान्न आपूर्ति करने वाले नए देश के रूप में भारत की नई संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 8 नवंबर को वैश्विक निवेश फर्म मार्गन स्टेनली के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत के वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की जो संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही है, उसमें भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब और मेक फॉर द ग्लोबल की अहम भूमिका होगी। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनने से भारत को नया आधार मिल रहा है। दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी भारत के लिए लाभप्रद है कि भारत सस्ती लागत और कार्यकौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ते हुए दिखाई दे रहा है।

16 नवंबर को भारत के जी-20 का नया अध्यक्ष बनने के बाद मेक इन इंडिया और मेक फॉर द ग्लोबल की नई संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। 15 नवंबर को दुनिया के सबसे प्रमुख 20 देशों के समूह जी-20 के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम सब पर नई वैश्विक व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कोविड और यूक्रेन संकट के बाद वैश्विक सप्लाई चेन तहस नहस हो गई है। ऐसे में भारत आत्मनिर्भरता के साथ वैश्विक जरूरतों की पूर्ति के लिए अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि इन दिनों पूरी दुनिया में चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर मेक फॉर द ग्लोबल के लिए भारत को दुनिया के दूसरे नए कारखाने के रूप में चिन्हित किया जा रहा है। दुनिया के विभिन्न आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में मेक फॉर ग्लोबल और दुनिया के लिए खाद्यान्न आपूर्ति करने वाले नए देश के रूप में भारत की नई संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 8 नवंबर को वैश्विक निवेश फर्म मार्गन स्टेनली के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत के वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की जो संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही है, उसमें भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब और मेक फॉर द ग्लोबल की अहम भूमिका होगी। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनने से भारत को नया आधार मिल रहा है। दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी भारत के लिए लाभप्रद है कि भारत सस्ती लागत और कार्यकौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। हाल ही में तीन नवंबर को प्रकाशित 85 देशों के मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित विभिन्न कारकों का समग्र मूल्यांकन करने वाली विश्व प्रसिद्ध यूएस न्यूज एंड वल्र्ड रिपोर्ट-2022 के तहत सस्ते विनिर्माण के मद्देनजर भारत को 100 प्रतिशत अंक दिए गए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ते हुए दुनिया भर में सबसे कम विनिर्माण लागत वाले देश का दर्जा हासिल कर लिया है। हालांकि इस रिपोर्ट में अनुकूल कर वातावरण और पारदर्शी सरकारी नीतियां जैसी श्रेणियों में भारत का प्रदर्शन अभी भी सुधार योग्य कहा गया है। निश्चित रूप से भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के परिप्रेक्ष्य में अधिक विनिर्माण लागत सबसे बड़ी चुनौती रही है, ऐसे में जहां अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में मैन्युफैक्चरिंग लागत में कमी भारत के लिए सुकूनदेह है, वहीं देश में तेजी से आर्थिक सुधारों ने भी भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब की संभावनाओं को आगे बढ़ाया है। विगत 3 नवंबर को बडोदरा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निजी क्षेत्र में देश के सबसे पहले सी-295 परिवहन विमान निर्माण संयंत्र का शिलान्यास करते हुए कहा कि पिछले 8 वर्षों में सरकार ने जिस तरह कई आर्थिक सुधारों को अपनाया है और कई प्रोत्साहन दिए हैं, उससे भी भारत मैन्युफैक्चरिंग के एक बेहतर हब के रूप में उभरते हुए दिखाई दे रहा है। इस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक जहाँ दुनियाभर में मेक इन इंडिया की मांग बढ़ रही है, वहीं कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक पूरी दुनिया में खाद्यान्न चुनौती के बीच भारत से खाद्यान्न निर्यात के मौके तेजी से बढ़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पीएलआई स्कीम की सफलता के कारण ही वर्ष 2022-23 में अप्रैल-अगस्त के दौरान फॉर्मा उत्पादों के आयात में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 40 फीसदी की कमी आई है और निर्यात में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 3.47 फीसदी की वृद्धि हुई है। निश्चित रूप से जिस तरह भारत की नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना का आगाज अभूतपूर्व रणनीतियों के साथ हुआ है, उससे भी भारत आर्थिक प्रतिस्पर्धी देश के रूप में तेजी से आगे बढ़ेगा। भारत की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था की डगर भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। अब विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) की नई अवधारणा के तहत सरकार के द्वारा सेज से अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ-साथ राष्ट्रीय बाजार के लिए विनिर्माण करने वाले उत्पादकों को विशेष सुविधाओं से नवाजा जा रहा है। इतना ही नहीं कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार ने देश में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात से संबंधित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की संभावनाओं को भी आगे बढ़ाया है। भारत के द्वारा यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को मूर्तरूप दिए जाने के बाद अब यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इजराइल के साथ एफटीए के लिए प्रगतिपूर्ण वार्ताएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। इससे भी भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने को बड़ा आधार मिलेगा। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा हाल ही में एक नवंबर को डिजिटल रुपए की शुरुआत और 9 नवंबर को विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के द्वारा निर्यातकों की निर्यात लाभों का दावा रुपए में करने में सक्षम बनाए जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय से भी देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाए जाने में बड़ी मदद मिलेगी। हम उम्मीद करें कि देश और दुनिया में भारत को दुनिया का नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की जो संभावनाएँ प्रस्तुत हो रही हैं, उन्हें साकार करने के लिए उत्पाद लागत को घटाने, शोध एवं नवाचार पर फोकस करने, कानूनों को और सरल बनाने, अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने, लॉजिस्टिक की लागत कम करने तथा श्रमशक्ति को नई डिजिटल कौशल योग्यता से सुसज्जित करके मेक इन इंडिया एंड मेक फॉर द ग्लोब की रणनीति को सफल बनाया जाएगा।

देश दुनीया से

चिकित्सा का अनैतिक व्यापार

मगर राजधानी दिल्ली सहित देश के महानगरों में मानक रहित गुणवत्ताहीन औषधियों के थोक विक्रय बाजार निंमित हो चुके हैं। दवा माफिया इन बाजारों को संचालित कर रहा है। भारत के संविधान में स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है। मगर देश का नागरिक स्वास्थ्य को लेकर सर्वाधिक प्रताड़ति है। स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर दवाओं के निर्माण तक पूरा क्षेत्र अविश्वसनीयता से भरा पड़ा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार अनायास आए स्वास्थ्य और दवाओं के खर्चों के कारण देश के तीन करोड़ लोग प्रतिवर्ष गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। देश के आम नागरिक के आर्थिक और सामाजिक हितों की रक्षा के लिए आज पूरा चिकित्सा तंत्र एक बड़े परिवर्तन की मांग कर रहा है। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश का द्वार ही पैसे की प्राथमिकता से खुलता है। समय-समय पर चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश को लेकर अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रही हैं। मध्य प्रदेश में चर्चित व्यापम घोटाले के बाद लगा था कि आने वाले समय में देश का चिकित्सा क्षेत्र साफ-सुथरा हो सकेगा। मगर इसी राज्य से एक बार फिर नर्सिंग घोटाले की गूंज सुनाई दे रही है। महंगी शिक्षा और निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की अनैतिक वसूली के चक्रव्यूह से निकल कर चिकित्सा पेशा अपनाने वालों से समाजसेवा की उम्मीद बेमानी है। भारत में मरीज परीक्षण शुल्क का कहीं कोई पैमाना नहीं है। पहली बार शुल्क अदा करने के बाद मरीज कितने समय तक निशुल्क परामर्श ले सकता है, इसका निर्धारण भी इस सेवा क्षेत्र में नहीं है। देश में अधिकतर चिकित्सक दूसरे दिन से ही मरीज से फिर परामर्श शुल्क की मांग करने लगते हैं। पैथोलाजी जांचों में सरकारी स्तर पर दर निर्धारण का अधिकार जिला स्वास्थ्य अधिकारी को होता है। मगर देश के अधिकांश जिलों में वर्षों से नई दरें लागू नहीं हुई हैं। जिले के चिकित्सा अधिकारी भी इस कर्तव्य को भूल चुके हैं। अधिकतर निजी पैथोलाजी में जांच दरें महंगी होने की वजह उनके संचालकों को हर जांच में कमीशन का एक हिस्सा चिकित्सकों को देना होता है। दूसरी तरफ, देश में दवाओं के निर्माण से लेकर उनके विक्रय तक पूरा उद्योग विसंगतियों से भरा पड़ा है। दवाओं की गुणवत्ता परखने वाली त्वरित प्रयोगशालाओं की कमी है। देश की जनसंख्या, दवाओं के निर्माण और खपत के आधार पर इनके विस्तार पर सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया है। देश में मात्र तीन दवा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं, जहां से परीक्षण रिपोर्ट कम से कम छह माह की अवधि में मिलती है। राज्यों में दवा निरीक्षकों के सत्तर फीसद पद खाली हैं, इसलिए दवाओं की दुकानों पर अब नियमित जांच नहीं होती। अफ्रीकी देश गांबिया में छियासठ बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की दवा कंपनी द्वारा बनाई खांसी की दवा की गुणवत्ता को लेकर चेतावनी जारी की। उसके बाद भारत सरकार ने आरोपित कंपनी के उत्पादों की जांच के आदेश देने में लगभग महीने भर का समय लगा दिया। इसके पहले भी देश के जम्मू, मुंबई और गुरुग्राम में नकली उत्पाद से बच्चों के बीमार होने और मौत के मामले सामने आ चुके हैं। मगर कोई भी जांच सजा के मुकाम तक नहीं पहुंच सकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन पहले से कहता आ रहा है कि भारत सहित एशियाई देशों के दस फीसद से अधिक दवा उत्पाद नकली हैं। मगर राजधानी दिल्ली सहित देश के महानगरों में मानक रहित गुणवत्ताहीन औषधियों के थोक विक्रय बाजार निंमित हो चुके हैं। दवा माफिया इन बाजारों को संचालित कर रहा है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कुछ वर्ष पहले केंद्र सरकार को भेजी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में नकली दवा का कारोबार पैंतीस फीसद तक जा पहुंचा है। कमीशन और सस्ती निविदाओं के माध्यम से इन दवाओं की पहुंच सरकारी दुकानों तक हो चुकी है। मगर सरकारों की तरफ से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। भारत विश्व में सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्माता देश होने के साथ विश्व का तीसरा बड़ा दवा निर्यातक है। गुणवत्ता नियंत्रण न होने से देश की व्यापारिक छवि खराब होती है। इनमें भी पंद्रह से तीस फीसद दवाएं इसलिए मानक रहित हैं कि उनका कच्चा माल चीन जैसे देशों से आयातित घटिया दर्जे का उत्पाद है।

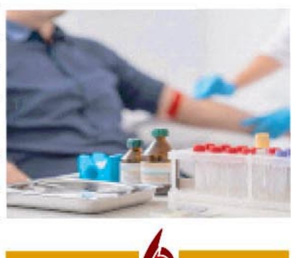

स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर दवाओं के निर्माण तक पूरा क्षेत्र अविश्वसनीयता से भरा पड़ा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार अनायास आए स्वास्थ्य और दवाओं के खर्चों के कारण देश के तीन करोड़ लोग प्रतिवर्ष गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं।

अमृत कलश

सभ्यता के नाम पर हमारे पास है क्या ?

बर्ट्रेंड रसेल पहली बार एक आदिवासी समाज में गया। पूरे चांद की रात. और जब आदिवासी नाचने लगे और ढोल बजे और मंजीरे बजे तो रसेल के मन में उठा कि सभ्य आदमी ने कितना खो दिया है! सभ्यता के नाम पर हमारे पास है क्या? न ढोल बजते हैं, न मंजीरा बजता है, न कोई नाचने की क्षमता रह गयी है; पैर ही नाचना भूल गये हैं। रसेल ने लिखा है कि उस रात पूरे चांद के नीचे, वृक्षों के नीचे नाचते हुए आदिवासियों को देखकर मेरे मन में यह सवाल उठा कि हमने पाया क्या है प्रगति के नाम पर? और उसने यह भी लिखा कि अगर लंदन में लौटकर मैं ट्रेफिलगर स्क्वायर में खड़े होकर नाचने लगा तो तत्क्षण पकड़ लिया जाऊंगा। लोग समझेंगे पागल हो गये। लोग दुख को तो समझते हैं स्वास्थ्य। और आनंद को समझते हैं विक्षिप्तता। हालतें इतनी बिगड़ गयी हैं कि इस दुनिया में केवल पागल ही हंसते हैं, बाकी समझदारों को तो हंसने की फुर्सत कहां है? समझदारों के हृदय तो सूख गये हैं। समझदार रुपये गिनने में उलझे हैं। समझदार महत्वाकांक्षा की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं। समझदार तो कहते हैं दिल्ली चलो। फुर्सत कहां है हंसने की, दो गीत गाने की, इकतारा बजाने की, तारों के नीचे वृक्षों की छाया में नाचने की, सूरज को देखने की, फूलों से बात करने की, वृक्षों को गले भेंटने की, फुर्सत किसे है? ये तो आखिर की बातें हैं, जब सब पूरा हो जायेगा—धन होगा, पद होगा, प्रतिष्ठा होगी, तब बैठ लेंगे वृक्षों के नीचे। लेकिन यह दिन कभी आता नहीं, न कभी आया है, न कभी आयेगा। ऐसे जिंदगी तुम गुजार देते हो रोते—रोते, झींकते—झीकते। ऐसे ही आते हो ऐसे ही चले जाते हो—खाली हाथ आये, खाली हाथ गये। तो अगर तुम्हें कभी भीतर का रस जन्मने लगे और भीतर स्वाद आने लगे.. और देर नहीं लगती आने में, जरा भीतर मुड़ो कि वह सब मौजूद है।

-ओशो

बोध कथा

अहंकार अज्ञानता का कारण

रूस में एक महान विचारक और दार्शनिक हुए हैं, जिनका नाम था- आस्पेंस्की। अपने प्रारम्भिक दिनों में वे स्वयं को एक महान विचारक और दार्शनिक मानने लगे थे। वे अन्य विचारकों को अपने प्रश्नों एवं तर्कों से निरुत्तर कर देते थे। एक बार वे प्रसिद्ध विचारक गुज़रिएफ के पहुंचे और उनसे भी दर्शन पर बहस करने और कुछ नया जानने की इच्छा प्रकट की। गुज़रिएफ पहुंचे हुए संत और दार्शनिक थे। वे उनके मनोभावों को समझ गए। गुज़रिएफ बोले, "आस्पेंस्की ! मैं अपना और तुम्हारा समय नष्ट नहीं करना चाहता। इसलिए तुम्हें एक सादा कागज दे रहा हूँ। इसमें तुम जो कुछ जानते हो और जो नहीं जानते हो, दोनों लिख दो। क्योंकि जो तुम पहले से जानते हो उस ओर चर्चा करना व्यर्थ है। जो तुम नहीं जानते हो, उसी पर चर्चा होगी।" बात एकदम सीधी थी। लेकिन आस्पेंस्की के लिए बड़ी कठिन हो गयी। वे चक्कर में पड़ गए। उन्हें ज्ञान का जितना अभिमान था। सब चकनाचूर हो गया। वे सोचने लगे कि वे क्या नहीं जानते हैं ? पहले कुछ विषय दिमाग में आये फिर कुछ और अधिक। फिर और गहराई से सोचा तो और ज्यादा विषय प्रकट हुए। अंत में उन्हें लगा कि वे किसी विषय में गहराई से कुसद नहीं जानते। अंततः उन्होंने कोरा कागज गुज़रिएफ के चरणों में रख दिया और बोले, "महाराज मैं कुछ नहीं जानता। आपने मेरी आँखें खोल दी हैं।" गुज़रिएफ बोले, "ठीक है, तुमने जानने योग्य सबसे महत्वपूर्ण पहली बात जान ली है कि तुम कुछ नहीं जानते। यही ज्ञान की पहली सीढ़ी है। अब तुम्हें कुछ सिखाया बताया जा सकता है।"

नागरिक बोध

वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत औद्योगिक नीति की जरूरत

औद्योगिक नीति को आर्थिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य द्वारा रणनीतिक प्रयास के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात क्षेत्रों के बीच या भीतर निम्न से उच्च उत्पादकता गतिविधियों में बदलाव। भारत का लक्ष्य 2025-26 तक अपने विनिर्माण सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) को लगभग 3 गुना बढ़ाकर 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में विनिर्माण प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए उच्च प्रौद्योगिकी आधारित बुनियादी ढाँचा और कुशल जनशक्ति महत्वपूर्ण हैं। उदा. अत्यधिक बोझिल रेल परिवहन। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए औद्योगिक नीति बहुत प्रकार से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यहाँ नियोजित अर्थव्यवस्था के माध्यम से औद्योगिक विकास हो रहा है। देश में प्रकृतिक साधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं लेकिन उनका उचित विदोहन नहीं हो रहा है। यहाँ प्रतिव्यक्ति आय कम होने के कारण पूँजी निर्माण की दर भी कम है तथा उपलब्ध पूँजी सीमित मात्रा में है। अतः आवश्यक है कि उसका उचित प्रयोग किया जाए। देश का सन्तुलित विकास करने कि लिए संसाधनों को उचित दिशा में प्रवाहित करने कि लिए, उत्पादन बढ़ाने के लिए, वितरण की व्यवस्था सुधारने के लिए, एकाधिकार, संयोजन और अधिकार युक्त हितों को समाप्त करने अथवा नियन्त्रित करने के लिए कुछ गिने हुए व्यक्तियों के हाथ में धन अथवा आर्थिक सत्ता के केन्द्रीकरण को रोकने के लिए, असमताएँ घटाने के लिए, बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए, विदेशों पर निर्भरता समाप्त करने कि लिए तथा देश को सुरक्षा की दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए एक उपयुक्त एवं स्पष्ट औद्योगिक नीति की आवश्यकता होती है। वे क्षेत्र जहाँ व्यक्तिगत उद्यमी पहुँचने में समर्थ नहीं हैं, सार्वजनिक क्षेत्र में रखे जाएँ और सरकार उनका उत्तरदायित्व अपने ऊपर ले। साथ ही यह भी आवश्यक है कि निजी क्षेत्र का उचित नियन्त्रण भी होना चाहिए जिससे कि विकास योजनाएँ ठीक प्रकार से चलती रहे। मध्यम और बड़े पैमाने के औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में एमएसएमई क्षेत्र अपेक्षाकृत कम अनुकूल रूप से ऋण उपलब्धता और कार्यशील पूंजी की ऋण लागत के मामले में स्थित है। भारत अभी भी परिवहन उपकरण, मशीनरी (इलेक्ट्रिकल और गैर-इलेक्ट्रिकल), रसायन और उर्वरक, प्लास्टिक सामग्री आदि के लिए विदेशी आयात पर निर्भर है। औद्योगिक स्थान लागत प्रभावी बिंदुओं के संदर्भ के बिना स्थापित किए गए थे और अक्सर राजनीति से प्रेरित होते हैं। निजी क्षेत्र के उदारीकरण के 30 साल बाद भी सरकार टैरिफ दीवारें खड़ी करते हुए फिर से सब्सिडी और लाइसेंस दे रही है। लालफीताशाही और तनावपूर्ण श्रम-प्रबंधन संबंधों की विशेषता वाले अप्रभावी नीति कार्यान्वयन के कारण इनमें से अधिकांश सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम घाटे में चल रहे हैं। वर्तमान में पीएलआई के तहत चुने गए कई उद्योग अत्यधिक पूंजीगत और कौशल गहन हैं। हमारे भारी संख्या में अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार सृजन के लक्ष्य पर विचार किया जाना चाहिए और अनावश्यक सब्सिडी से बचना चाहिए। हमें गैर-निष्पादित फर्मों के साथ सख्त होना होगा।

भारत में अमेरिकी राजदूत के मनोनयन में सीनेट का रोड़ा, व्हाइट हाउस ने कही यह बात

वॉशिंगटन।

भारत में अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति लंबे समय से अटकी पड़ी है। बाइडन प्रशासन ने लॉय एंजिल्स के मेयर एरिक गार्सेटी को राजदूत मनोनीत किया है, लेकिन अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

भारत में अमेरिकी राजदूत की नियुक्ति में विलंब के बारे में सवाल पूछने पर व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने दोनों देशों का रिश्ता बहुत महत्वपूर्ण है। बाइडन प्रशासन गार्सेटी के मनोनयन की सीनेट से पुष्टि कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पियरे ने यह बात उत्तरी कैरोलिना के चेरी पॉइंट के रास्ते में एयर फोर्स वन की उड़ान के दौरान यह टिप्पणी की।

यह पूछने पर कि क्या व्हाइट हाउस गार्सेटी के नाम पर सीनेट की अंतिम मुहर के लिए प्रयास करेगा अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि निश्चित रूप से। भारत के साथ हमारी बहुत महत्वपूर्ण साझेदारी है। यह आपने बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन व पीएम नरेंद्र मोदी की मुलाकात में देखा होगा। जहां, तक मेयर गार्सेटी की भारतीय राजदूत के रूप में पुष्टि का सवाल है, तो यह प्रक्रिया चल रही है। हम सीनेट से लगातार इस पर बात कर रहे हैं और इसे मंजूरी के प्रयास कर रहे हैं। यह हमारी प्राथमिकता में है। इससे ज्यादा हमारी रणनीति साझा नहीं की जा सकती।

सीनेट से मंजूरी में हो चुकी काफी देरी

अमेरिका मेयर गार्सेटी की नियुक्ति को मंजूरी दिलाने के लिए सतत प्रयास कर रहा है। हालांकि, इसमें काफी देरी हो चुकी है। इसी साल जनवरी में सीनेट की विदेश मामलों की समिति ने गार्सेटी को भारत में अमेरिकी राजदूत बनाने के प्रस्ताव को स्वीकार किया था। हालांकि, इस नियुक्ति को सीनेट में बहुमत से मंजूरी दिलाना जरूरी है। सीनेट की एक रिपोर्ट जारी होने के बाद गार्सेटी के मनोयन में रोड़ा आ गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि गार्सेटी ने कथित तौर पर अपने एक शीर्ष सहयोगी द्वारा किए गए यौन उत्पीड़न की अनदेखी की थी।

इस बीच, गत रविवार को अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में तब्दील होने का दावा किया था। इंडिया हाउस वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के रिश्तों को लेकर 2022 एक अत्यधिक सफल वर्ष है।

न्यूज़ ब्रीफ

चीन में हेनान प्रांत के कारखाने में लगी भीषण आग, 38 लोगों की मौत की खबर

बीजिंग । चीन से मंगलवार सुबह एक बड़ी खबर आई। बताया जा रहा है कि सेंट्रल चीन के हेनान प्रांत में एक कारखाने में आग लग गई। हादसे में करीब 38 लोगों की मौत हो गई। घटना अन्यांग शहर के कारखाने में हुई। घटना में दो अन्य लोग घायल हुए हैं और दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। आन्यांग शहर का हाई-टेक जोन है। जानकारी के मुताबिक, आग स्थानीय समय के अनुसार सोमवार शाम करीब 4 बजे लगी। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को कई घंटों तक भारी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 200 से ज्यादा राहतकर्मी और 60 के करीब दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिशों में जुटे रहे। घटना के बाद इलाके में कई घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। रिपोर्ट की मानें तो दमकल टीमों ने 63 गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया था। स्थानीय समयानुसार आग पर रात 8 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। रात 11 बजे पूरी तरह से आग को बुझा दिया गया। डॉक्टरों का कहना है कि भर्ती कराए गए लोगों का हालत फिलहाल ठीक है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने पूछताछ के लिए कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इससे पहले मार्च 2019 में शंघाई से 260 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यानचेंग में एक रासायनिक कारखाने में विस्फोट हुआ था। हादसे में 78 लोग मारे गए थे और कई घर तबाह हुए थे। 2015 में उत्तरी बंदरगाह शहर तिआंजिन में एक रासायनिक गोदाम में हुए भीषण विस्फोट में 170 से अधिक लोग मारे गए थे, जबकि 700 अन्य घायल हुए थे।

मतदान की उम्र 18 से घटाकर 16 करने पर विचार, न्यूजीलैंड की सरकार जल्द ला सकती है कानून

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड मतदान की उम्र 18 से घटाकर 16 करने पर विचार कर रहा है और प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने संसद में एक कानून लाने का वादा किया है। 16 साल के बच्चों को मतदान का अधिकार देने पर विचार करने का निर्णय सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद लिया गया था। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 18 साल की मौजूदा उम्र भेदभावपूर्ण है और युवाओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है। पीएम जैसिंडा अर्डर्न ने व्यक्तिगत रूप से इस बदलाव का समर्थन किया है। जैसिंडा अर्डर्न ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से मतदान की आयु में कमी का समर्थन करती हूं, लेकिन मेरी सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है। इस प्रकृति के चुनावी कानून में किसी भी बदलाव के लिए 75 प्रतिशत संसदीय समर्थन की आवश्यकता होती है। न्यूजीलैंड की अदालत ने तर्क दिया कि युवा लोगों को जलवायु संकट जैसे मुद्दों पर मतदान करने में सक्षम होना चाहिए, जो कि उनके और उनके भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

कंबोडिया पहुंचे राजनाथ सिंह, अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

सिएम रीप । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 और 23 नवंबर को होने वाली भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए कंबोडिया के सिएम रीप पहुंच चुके हैं। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री सह रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ मुलाकात की। दोनों नेताओं ने रक्षा संबंधों को बढ़ाने और भारत -ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा कीं। इस बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड जे. ऑस्टिन से भी मुलाकात की। बता दें कि भारत 1992 से आसियान का भागीदार रहा है और पहली एडीएमएम प्लस बैठक 12 अक्टूबर, 2010 को हनोई, वियतनाम में आयोजित की गई थी।

सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस को शुरुआती बढ़त, 48 सीटों पर आगे, ओली की पार्टी को 32 पर बढ़त

काठमांडू।

कड़ी सुरक्षा के बीच संसदीय और प्रांतीय चुनावों के लिए मतगणना शुरू होने के बीच सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस ने सोमवार को प्रतिनिधि सभा की पहली सीट जीत ली और 48 पर बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल 32 सीटों पर आगे चल रही है। नेपाल में सबसे कम चर्चित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) नौ निर्वाचन क्षेत्रों में बढ़त बनाए हुए हैं। जबकि राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी पांच सीटों पर और सीपीएन-माओवादी सेंटर 12 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

इसी तरह, सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट 7 निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है, उसके बाद 2 निर्वाचन क्षेत्रों में जनमत पार्टी और एक निर्वाचन क्षेत्र में लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और हमरो नेपाल पार्टी है। चुनावी पर्यवेक्षकों के मुताबिक आरएसपी का जिस तरह से प्रदर्शन है, उससे तो ही लगता है कि इसे न केवल राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता मिलेगी, बल्कि अगले पांच वर्षों में देश के राजनीतिक फलक में यह प्रमुख खिलाड़ियों में से एक होगी।

गौरतलब है, प्रतिनिधि सभा और प्रांतीय विधानसभाओं का चुनाव करने के लिए 1 करोड़ 79 लाख से अधिक मतदाता मतदान करने के पात्र थे। संसद के 275 सदस्यों में से 165 प्रत्यक्ष मतदान के माध्यम से चुने जाएंगे, जबकि शेष 110 आनुपातिक चुनाव प्रणाली के माध्यम से चुने जाएंगे। मतदाताओं ने सात प्रांतीय विधानसभाओं के प्रतिनिधियों को चुनने के लिए भी मतदान किया। प्रांतीय विधानसभाओं के कुल 550 सदस्यों में से 330 सीधे चुने जाएंगे और 220 आनुपातिक पद्धति से चुने जाएंगे।

बड़ी पार्टियों के खिलाफ नजर आ रहा असंतोष

राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने बताया कि कई लोग जिन्होंने पहले नेपाली कांग्रेस या सीपीएन-यूएमएल को वोट दिया था, उन्होंने इस चुनाव में आरएसपी का पक्ष लिया, क्योंकि बड़ी पार्टियों के खिलाफ असंतोष था, जो भ्रष्टाचार की जांच करने में विफल रही हैं।

पीएम देउबा ने अब तक 463 मत हासिल किए

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने दादेलधुरा जिले में अब तक गिने गए 1,000 वोटों में से 463 हासिल किए हैं, जहां से वह प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रहे हैं। देउबा के निकटतम प्रतिद्वंद्वी 31 वर्षीय इंजीनियर सागर ढकाल को 241 वोट मिले हैं। 76 वर्षीय देउबा दादेलधुरा निर्वाचन क्षेत्र से छह बार चुने गए और कभी कोई चुनाव नहीं हारे। दादेलधुरा में 91,201 मतदाताओं में से 51,660 ने प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान किया है। पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ओली ने अपने निर्वाचन क्षेत्र झापा-5 से शुरुआती बढ़त बना ली है।

भारत और चीन के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने चाहिए: नेकां नेता

सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान सिंह ने कहा कि नेपाल की नई सरकार को भारत और चीन दोनों के साथ सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने चाहिए। प्रकाश मान सिंह ने मात्र 127 वोटों के अंतर से प्रतिनिधि सभा का चुनाव जीता है। चुनाव जीतने के तुरंत बाद यहां अपने आवास पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उचित अवसर आने पर मैं नई सरकार का नेतृत्व करने के लिए संसदीय दल के नेता का चुनाव लड़ूंगा।

संसद में बजट वोट से पहले सरकार ने अपने कई मंत्रियों को किया निलंबित पार्टी अनुशासन तोड़ने का आरोप

कोलंबो।

सरकार में कम से कम दो फ्रंट-लाइन मंत्रियों को पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के लिए श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) द्वारा निलंबित कर दिया गया है।

पार्टी महासचिव दयासिरी जयशेखर ने संवाददाताओं से कहा कि जब तक वे स्पष्टीकरण नहीं देते, उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा उड्डयन मंत्री निमल सिरीपाला डी सिल्वा और कृषि मंत्री महिंदा अमरवीरा के साथ राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की सरकार में तीन अन्य कनिष्ठ मंत्रियों को एसएलएफपी की केंद्रीय समिति ने कल रात बैठक कर बर्खास्त कर दिया। इन सभी पर पार्टी अनुशासन तोड़ने का आरोप लगा है। निलंबन बजट 2023 के संसदीय अनुमोदन वोट से पहले आया है। हालांकि, पार्टी के निलंबन का मतलब यह नहीं है कि दो मंत्रियों को विक्रमसिंघे के मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया है।

विक्रमसिंघे ने सरकारी राजस्व बढ़ाने के लिए कर सुधारों का प्रस्ताव दिया

विक्रमसिंघे, जो वित्त मंत्री भी हैं, ने द्वीप राष्ट्र में विदेशी मुद्रा की कमी के कारण मौजूदा आर्थिक संकट को दूर करने के अपने उपायों के तहत सरकारी राजस्व बढ़ाने के लिए कर सुधारों का प्रस्ताव दिया है। आर्थिक संकट के कारण देश भर में व्यापक पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके कारण तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को इस्तीफा देना पड़ा।

विक्रमसिंघे के सांसदों में नाराजगी

विक्रमसिंघे, जिन्होंने संकट के बीच में सत्ता संभाली थी, ने देश को विकास की पटरी पर वापस लाने के लिए आर्थिक सुधारों का वादा किया था। राज्य के कुछ व्यापारिक उपक्रमों के निजीकरण के उनके प्रस्तावों ने सांसदों के बीच नाराजगी पैदा कर दी है।

कोलंबिया के आवासीय इलाके में गिरा विमान, सवार सभी आठ लोगों की मौत

बोगोटा ।

कोलंबिया में सोमवार को एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटनाग्रस्त होकर विमान आवासीय इलाके में जा गिरा। विमान में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। विमान हादसा कोलंबिया के दूसरे सबसे बड़े शहर मेडेलिन में हुआ। इस विमान ने सोमवार सुबह ओलाया हेरेरा हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। एक मकान पर गिरने के पहले पायलट ने निकटस्थ एटीसी को इंजन में खराबी की सूचना दी थी। कुछ ही देर में यह क्रैश हो गया। घटना स्थल से काले धुएं के घने गुबार उठते देखे गए। मृतकों में छह यात्री व दो चालक दल के सदस्य हैं। मेयर डैनियल क्विंटो के अनुसार हादसा बेलेन रोसेल्स सेक्टर में हुआ। यह दो इंजन वाला पाइपर विमान था, जो मेडेलिन से पिजारो जा रहा था। विमान ने खतरे की सूचना दी, लेकिन वह हवाई अड्डे पर नहीं लौट सका। विमान जिस मकान पर गिरा वह क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि, इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसकी ऊपरी मंजिलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मौके पर बिखरी हुई टाइलों और टूटी हुई ईंट की दीवारें नजर आईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

दुनिया में हर 11 मिनट में एक महिला की हो रही हत्या, श्रद्धा हत्याकांड के बीच यूएन प्रमुख बोले

संयुक्त राष्ट्र ।

दिल्ली के खौफनाक श्रद्धा और मथुरा के आयुषी यादव हत्याकांड के बीच यूएन प्रमुख एंटोनियो गुतेरस ने चौंकाने वाली जानकारी साझा की है। उनके अनुसार दुनिया में हर 11 मिनट में एक महिला या लड़की की हत्या की जा रही है। उन्हें उनके प्रेमी, पति, अन्य पार्टनर या परिवार वाले मौत की नींद सुला रहे हैं।

यूएन प्रमुख ने इन हत्याओं को दुनिया में मानवाधिकारों का सबसे व्यापक उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने दुनियाभर की सरकारों से इसके खिलाफ राष्ट्रीय कार्य योजनाएं बनाने आह्वान किया, ताकि इस संकट से निपटा जा सके। यूएन प्रमुख ने यह रिपोर्ट 25 नवंबर को मनाए जाने वाले महिलाओं खिलाफ हिंसा निवारण दिवस के पूर्व दी। दुनिया भर में महिला हिंसा के खिलाफ यह अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। गुतेरस ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा दुनिया में मानवाधिकारों का सबसे व्यापक हनन है। हर 11 मिनट में, एक महिला या लड़की को एक अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा मार दिया जाता है। हम जानते हैं कि कोविड-19 महामारी से लेकर आर्थिक कारण तथा अशांति जैसे कारण भी महिलाओं के शारीरिक और मौखिक दुर्व्यवहार का कारण बनते हैं।

श्रद्धा व आयुषी हत्याकांड ने भारतीय समाज को झकझोरा

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की यह टिप्पणी हाल ही में दिल्ली में हुए श्रद्धा वाकर हत्याकांड और मथुरा में आयुषी यादव हत्याकांड के बीच आई है। इन हत्याओं ने भारतीय समाज को झकझोर कर रख दिया है। गुतेरेस ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों को बड़े पैमाने पर ऑनलाइन हिंसा का सामना करना पड़ता है। इसमें भ्रामक व अभद्र भाषा से लेकर यौन उत्पीड़न, फोटो का दुरुपयोग शामिल है। उन्होंने कहा कि हिंसा और दुर्व्यवहार की महिलाओं को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यह जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी के अधिकार को बाधित करता है। उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित करता है। इससे आर्थिक सुधार और सतत विकास में खलल पड़ता है। यूएन प्रमुख ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को इतिहास की किताबों में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब परिवर्तनकारी कार्रवाई का समय है, ताकि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त किया जा सके।

भविष्य में महामारी पैदा करने वाले पैथोजन्स की पहचान में डब्ल्यूएचओ, वैज्ञानिकों ने संभाला मोर्चा

जिनेवा ।

बीते दो सालों में कोरोना महामारी के अलावा मंकीपॉक्स, निपाह और जीका जैसे कई खतरनाक वायरस ने लाखों लोगों की जिंदगी छीन ली है। कई लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। ऐसे में अब आने वाले खतरे को टालने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन एक नए मिशन पर जुट गया है। इसके तहत स्वास्थ्य एजेंसी भविष्य में महामारी को जन्म देने वाले पैथोजन्स की पहचान करेगी और उसकी सूची बनाएगी ताकि उसके निवारण पर काम किया जा सकेगा।

रोगजनक होता है यानी रोग को जन्म देने वाला जिनके कारण कई तरह की बीमारियों का जन्म होता है। इसमें विषाणु, जीवाणु, कवक, परजीवी आदि आते हैं। ये किसी भी जीव, पेड़-पौधे या अन्य सूक्ष्म जीवों को बीमार कर सकते हैं। मानव में जीवों के कारण होने वाले रोग को भी रोगजनक रोगों के रूप में जाना जाता है।

मिशन को कामयाब बनाने 300 से अधिक वैज्ञानिकों को लगाया गया - डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य वैश्विक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) और निवेश पर फोकस करने साथ टीकों, परीक्षणों और उपचारों को निर्देशित करने वाली सूची को अद्यतन करना है। 25 से अधिक

वायरस परिवारों और जीवाणुओं के सबूतों पर विचार करने के लिए 300 से अधिक वैज्ञानिकों को मोर्चा पर लगा दिया है। सभी वैज्ञानिक तथाकथित बीमारी एक्स पर भी विचार करेंगे - एक अज्ञात रोगजनक जो एक गंभीर अंतरराष्ट्रीय महामारी का कारण बन सकता है। डब्ल्यूएचओ के आपातकालीन निदेशक माइकल रेयान ने कहा कि तेजी से फैलने वाली महामारी और उसकी प्रतिक्रिया को जानने के लिए प्राथमिक रोगजनकों और उसके वायरस परिवारों को लक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोविड -19 महामारी से पहले महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास निवेश के बिना, रिकॉर्ड समय में सुरक्षित और प्रभावी टीके विकसित करना संभव नहीं होता। सूची पहली बार 2017 में प्रकाशित हुई थी।

ये महामारी भी वैज्ञानिकों की सूची में - वैज्ञानिकों की सूची में कोविड -19, इबोला वायरस रोग, मारबर्ग वायरस रोग, लस्सा बुखार, मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम ,गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम,निपाह, जीका और रोग ङ्क भी शामिल हैं। प्राथमिकता के रूप में पहचाने गए प्रत्येक रोगजनक पर शोध शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद ही टीकों, उपचारों और नैदानिक परीक्षणों के लिए वांछित विशिष्टताओं को तैयार किया जा सकता है।

भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा : केंद्रीय मंत्री

सोनीपत (हिंस)। केंद्रीय विद्युत एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राजकुमार सिंह (आरके सिंह) ने मंगलवार को 81 युवाओं को विभिन्न पदों के लिए नियुक्ति पत्र दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027-28 तक भारत विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा। हमारी आर्थिक विकास की दर करीब 07 प्रतिशत है जो कि बहुत बेहतरीन है। यह विकास दर आगामी 20 वर्षों तक कायम रहेगी। केंद्र सरकार के 10 लाख रोजगार देने की कड़ी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल केंद्र खेवड़ा (सीआरपीएफ) में आयोजित रोजगार मेले में केंद्रीय मंत्री बतौर मुख्य अतिथि मंगलवार को बोल रेह थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभारंभ जिसका सीधा प्रसारण खेवड़ा स्थित सीआरपीएफ केंद्र में भी किया गया। केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने नव चयनित युवाओं को बधाई देते हुए आह्वान किया कि वे नौकरी को मिशन के रूप में अपनाकर देश की तरक्की में योगदान देने के जज्बे के साथ आगे बढ़ें। जिस भी भूमिका में

है उसे देश की ताकत, एकता व अखंडता को मजबूती देने के लिए काम करें। देश के आंतरिक व बाहरी दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दें। नक्सलवाल अथवा बाहरी हमला होने पर देश की रक्षा के लिए समर्पित रहें। आगे बढ़ने के लिए किसी भी प्रकार के शॉर्टकट, चालाकी व चम्मचागिरी से दूर रहें। आगे बढ़ने के लिए मेहनत व ईमानदारी जरूरी है। शॉर्टकट अपनाने वाला जीवन में आगे जाकर गिरता जरूर है। सिस्टम को भी कर्मठ व ईमानदार लोगों की खोज रहती है, जिनके भरोसे व्यवस्था सुचारू रूप से चलती है। देश के आर्थिक विकास की मजबूती देने के सहारे स्टार्टअप को नए आयाम दिए गए हैं। बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों-कर्मचारियों का आह्वान किया कि यदि उनके पास कोई युवा स्टार्टअप परियोजना लेकर आता है उसको फाईनेंस करें। स्टार्टअप के माध्यम से युवा उद्यमी बनकर अन्य युवाओं को भी रोजगार प्रदान करने वाला बनता है। सीआरपीएफ के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) मूलचंद पंवार ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए नव नियुक्त युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी नौकरी अति महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में नई पहल करते हुए दस लाख रोजगार देने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। केंद्रीय मंत्री के साथ सीआरपीएफ के विषय में भी जानकारी दी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल केंद्र खेवड़ा (सीआरपीएफ) के उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) कोमल सिंह ने मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

ओवरटेक के चक्कर में ट्रेलर बस से टकराया, दो की मौत

पाली (हिंस)। जिले के जाडन में ओम आश्रम के निकट सोमवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग 162 पर सोजत से पाली की तरफ तेज गति से आ रहा एक ट्रेलर आगे चल रही निजी बस से साइड से टकरा गया। इससे बस का एक तरफ का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में महिला सहित दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जिस महिला की मौत हुई उसका पांच साल का बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में करीब आधा दर्जन यात्री भी चोटिल हुए हैं। शिवपुरा एसएचओ महेश गोयल ने बताया कि पवन ट्रेवल्स की बस सीकर से पाली होते हुए अहमदाबाद जा रही थी। जाडन के निकट ओवरटेक के चक्कर में ट्रेलर से भिड़ गई। इससे बस में सवार दो यात्रियों की मौत हो गई। आधार कार्ड के जरिए मृतकों की पहचान नागौर जिले की डीडवाना निवासी 42 साल की सरोज मिश्रा पत्नी नरसिंगराम और अहमदाबाद के द्वारका नगर निवासी 53 साल के बाबूलाल जांगिड़ पुत्र मुकुंदराम के रूप में हुई हैं। हादसे में पांच साल का कार्तिक घायल हो गया। जिसका बांगड़ हॉस्पिटल में उपचार किया जा रहा है। दोनों मृतकों के शव पुलिस ने बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाए है। पुलिस के अनुसार बस सीकर से अहमदाबाद जा रही थी। जिसमें 30 सवारियां थी। ट्रेलर ने बस को चपेट में लिया। इससे बस का एक तरफ का हिस्सा सीट समेत टूट कर बिखर गया। गनीमत रही कि बस में सवारियां कम थी और हादसे में अन्य यात्रियों को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बाद में यात्रियों को दूसरी बस से आगे के सफर के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी।

फतेहाबाद जिले में 76 प्रतिशत मतदाताओं ने डाले वोट

फतेहाबाद (हिंस)। जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों को लेकर मंगलवार को जिले के सभी 7 खण्डों में छुट-पुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण चुनाव चल रहा है। सुबह सात बजे मॉक पोल के साथ मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। जिला में मंगलवार को पंचायती राज संस्थाओं के जिला परिषद व ब्लॉक समिति सदस्यों के चुनाव के दौरान महिलाओं व बुजुर्गों में भी युवा मतदाताओं की तरह ही उमंग व उत्साह नजर आया। जिला में मतदान केंद्रों पर बनाए गए निर्धारित समय पर मॉक पोल की प्रक्रिया हुई और उसके बाद में मतदान शुरू हुआ। सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का पहुंचना शुरू हुआ और मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। हालांकि सुबह 7 से 8 बजे तक के एक घंटे के दौरान मतदान का प्रतिशत 1.1 प्रतिशत रहा लेकिन मतदाताओं पर धीरे-धीरे चुनावी रंग चढ़ता गया और मतदान प्रतिशत बढ़ता गया। सायं 5 बजे तक 70 प्रतिशत पहुंच गया था। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त जगदीश शर्मा सुबह से ही चुनाव की पल-पल की सूचना लेते रहे। शाम 6 बजे तक कुल 5 लाख 30 हजार 244 मतदाताओं में से 75.8 प्रतिशत 4 लाख 1 हजार 813 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। भट्टूकलां ब्लाक में कुल 102 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 78701 है। इनमें से 6 बजे तक 78.3 प्रतिशत 61595 मतदाता वोट डाल चुके थे। भूना ब्लाक में कुल 86 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 74480 है। इनमें से 6 तक 75.5 प्रतिशत 56261 मतदाता वोट डाल चुके थे। फतेहाबाद ब्लाक में कुल 132 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 115968 है। इनमें से शाम 6 बजे तक 76.5 प्रतिशत 88735 मतदाता वोट डाल चुके थे। जाखल ब्लाक में कुल 38 बूथ बनाए गए हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 34008 है। इनमें से 6 बजे तक 77.2 प्रतिशत 26259 मतदाता वोट डाल चुके थे।

पाकिस्तान के नारे लगाने पर पीएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष गिरफ्तार

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा में करीब 6 माह पूर्व पाकिस्तान के नारे लगाने के बहुचर्चित मामले में पीएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल सलाम को गिरफ्तार किया है। उपनगर सांगानेर में तब रैली में नारे लगाते लोगों का एक वीडियो भी सामने आया था। वीडियो की फोरेंसिक जांच के बाद सोमवार रात आरोपी की गिरफ्तारी की गई। इस मामले में 15 मई 2022 को एक युवक ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि 15 मई को सांगानेर के रहने वाले नेमीचंद पुत्र बाबूलाल खटीक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया था कि एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। जिसमें 500 से ज्यादा लोग रैली में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। युवक ने रिपोर्ट में विरोधी देश के इस तरह से नारे लगाने से देशभक्ति के लिए गलत बताया और कार्रवाई की मांग की थी। थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। सोमवार को इसकी रिपोर्ट आने पर वीडियो सही पाया गया। जांच में सामने आया कि रैली 7 फरवरी 2021 में पीएफआई के सिंबल पर वार्ड 57 से चुनाव जीतने वाले नाथूलाल राव के लिए निकाली गई थी। रैली का नेतृत्व पीएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल सलाम अंसारी ने किया था। रैली में शामिल लोग पाकिस्तान के नारे लगाते हुए साफ नजर आ रहे है। इस पर पीएफआई के पूर्व जिलाध्यक्ष अब्दुल सलाम अंसारी को गिरफ्तार किया गया। इस मामले को लेकर तब भीलवाड़ा में प्रदर्शन भी हुए तब मुकदमा दर्ज कर जांच करायी गयी अब जांच आने पर गिरफ्तारी हो पायी है।

राजस्थान हाईकोर्ट : शराब विक्रेता पर लगाए गए 1.16 करोड़ की बकाया मांग पर रोक

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने आबकारी विभाग की ओर से एक शराब विक्रेता पर लगाए गए 1.16 करोड़ के बकाया मांग पर रोक लगा दी है। यह रोक दस अन्य शराब विक्रेताओं के मामले में भी लागू होगी। जिले के केतूमंडा मे शराब विक्रेता प्रहलाद सिंह को आबकारी विभाग ने नोटिस जारी कर 1.16 करोड़ का बकाया चुकाने की मांग की थी। इसके अनुसार शराब उठाने में रही कमी के 1.10 करोड़ व शेष 6.62 लाक ब्याज के अदा करने को कहा गया। प्रहलाद सिंह ने अपने वकील निखिल भंडारी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर इस मांग को अनुचित बताया। उसका कहना था कि कोरोना काल में सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में उस दौर में महंगी शराब का कोटा उठाने के लिए आबकारी विभाग की ओर से दबाव बनाना सही नहीं है। पूर्व में जयपुर बेंच में इसी तरह के वसूली नोटिस पर रोक लगाई जा चुकी है। न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने दोनों पक्ष के तर्क सुनने के बाद याचिकाकर्ता व दस अन्य शराब विक्रेताओं से वसूली के लिए जारी नोटिस पर रोक लगा दी।

गृह मंत्री ने *होमियो-वर्ल्ड-विजन हरियाणा-2023* का किया विमोचन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को चंडीगढ़ में काउंसिल फॉर होम्योपैथिक सिस्टम आफ मेडिसिन, हरियाणा द्वारा तैयार की गई *होमियो-वर्ल्ड-विजन हरियाणा-2023* पुस्तिका का विमोचन किया। काउंसिल फार होम्योपैथिक सिस्टम ऑफ मेडिसिन, हरियाणा और इंडियन इस्टीयूट आफ होम्योपैथिक फिजिशियन द्वारा आगामी 11 व 12 फरवरी, 2023 को पंचकूला में 26वीं नेशनल होम्योपैथिक कांग्रेस आफ आईआईएचपी गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सीएचएसएम हरियाणा के चेयरमैन डॉ. हरप्रकाश शर्मा ने बताया कि पंचकूला में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में केन्द्रीय आयुष मंत्री मुख्य अतिथि होंगे। जबकि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल तथा गृह एवं आयुष मंत्री अनिल विज भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में देश-दुनिया के साथ-साथ प्रदेश के लगभग एक हजार से अधिक डॉक्टर हिस्सा लेंगे और मेडिकल फील्ड में विभिन्न विषयों पर चर्चा व विचार-विमर्श करेंगे।

लास्ट मैन इन द लास्ट रो भाजपा का बहुचर्चित नारा है : पठानिया

जम्मू। भाजपा मुख्यालय, जम्मू में शिकायत निवारण का संचालन करते हुए रणबीर सिंह पठानिया, पूर्व विधायक और जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता, ने कहा कि *अंतिम क्षेत्र में अंतिम व्यक्ति* भाजपा का सुसमाचार और मार्गदर्शक प्रकाश है। उन्होंने लोगों के दिन-प्रतिदिन के मुद्दों से निपटने के लिए एक मिशनरी दृष्टिकोण का आह्वान किया। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा असीमित धन और विकासात्मक पहल की गई है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि लोग और बल्कि *अंतिम पंक्ति में अंतिम व्यक्ति* इन योजनाओं/पहलों से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करें। यह प्रभावित हुआ कि युवा किसी क्षेत्र के मानव संसाधन की रीढ़ होते हैं। हमें अतीत की त्रुटियों और पर्चियों को सुधारने की आवश्यकता है। ये ऐसे घाव हैं जो दशकों से चले आ रहे हैं और दशकों तक इन्हें ठीक किया जाना चाहिए और अब तक मिटा दिया जाना चाहिए। शारीरिक रूप से विकलांगों की विशेष शिक्षा के लिए बेरोजगार शिक्षकों, चयनित कनिष्ठ सांख्यिकीय सहायकों (जेएसए), रहबर-ए-जंगलाट, एनवाईसी, कौशल विकास विभाग, सभी आरक्षित श्रेणी कर्मचारी संघ के संविदा शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने आज भाजपा कार्यालय का दौरा किया। विकलांग व्यक्तियों की विशेष शिक्षा के लिए प्रशिक्षित बेरोजगार शिक्षकों ने उनके समावेशन के लिए एक व्यापक नीति शुरू करने की मांग की, जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय नीति और कानून के अनुरूप

विकलांग व्यक्तियों के लिए शिक्षा की सुविधा प्रदान करेगी। रहबर-ए-जंगलतों ने एक निर्दिष्ट अवधि के पूरा होने के बाद एक समयबद्ध और निश्चित रूप से कम नियमितीकरण सुनिश्चित करने की मांग की। उनके द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों की तकनीकी प्रकृति और उनकी व्यावसायिक योग्यताओं को देखते हुए, यह प्रभावित किया गया था कि उन्हें *वनपाल* के ग्रेड/वेतनमान में नियमित किया जाना चाहिए। आरक्षित श्रेणी के कर्मचारियों ने स्थानांतरण नीति बनाने और पिछले पांच महीनों से इन कर्मचारियों के रुके हुए वेतन को जारी करने का आह्वान किया। एनवाईसी ने वेतन वृद्धि और समयबद्ध नियमितीकरण की मांग की। उनके कारण का समर्थन करते हुए पठानिया ने यहां से अनिश्चितता की भावना को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया। देश के अन्य भागों में प्रचलित कानून और प्रथा के अनुसार, युवाओं से संबंधित सभी मुद्दों का ध्यानपूर्वक समाधान किए जाने की आवश्यकता है। उनकी ऊर्जा को राष्ट्र और समाज की सेवा में लगाने की जरूरत है। अंत में, यह आश्वासन दिया गया कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी साधनों और संभावनाओं का पता लगाया जाएगा कि निर्धारित कानूनी स्थिति के अनुरूप एक अंतिम, व्यावहारिक समाधान प्राप्त हो।

हिंदुओं को अपनी आत्म-रक्षा के लिए हथियार व लाइसेंस जारी करे सरकार : शिवसेना

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने प्रदेश में अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं को अपनी आत्मरक्षा के लिए तत्काल हथियार लाइसेंस जारी करने की मांग की है। जिसके लिए सरकार से लाइसेंस बनाने में प्राथमिकता देने के साथ नि:शुल्क हथियार मुहैया करवाने को कहा हैं। पार्टी प्रदेश कार्यालय जम्मू में शिवसेना नेताओं ने *हिंदुओं को कश्मीर में रहने जीने का हक, अल्पसंख्यकों को आत्मरक्षा के लिए हथियार एवं अनुमति दे सरकार* प्लेकार्ड पकड़ उक्त मांगों को लेकर पत्रकारों को संबोधित किया। राष्ट्रीय संगठक अशोक तिवारी एवं प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने संयुक्त रूप से अपने संबोधन में कश्मीर घाटी में हिंदुओं को सुरक्षित माहौल देने एवं आंतकवाद पर पूर्ण अंकुश लगाने में सरकार पर नाकामी का आरोप लगाया। साहनी ने कहा कि कश्मीर घाटी में लगातार हो रही लक्षित हत्याओ से हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों में डर का माहौल है। प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत कश्मीर में

कार्यरत हजारों सरकारी कर्मचारी कश्मीर में अपनी सेवाएं देने एवं जान को जोखिम में डालने के हक में नहीं है। आंतकवादी संगठनों के हौसले दिन ब दिन बुलंद हो रहे हैं। पत्रकारों को भी जान से मारने की धमकियां दी जा रही है। कश्मीर घाटी में बचे कुचे हिंदू परिवार भी पलायन को मजबूर हो रहे हैं। सन 2022 में 16 लक्षित हत्याओं को अंजाम दिया जा चुका है खुफिया एजेंसियों के हवाले से भी ऐसी खबरे हैं कि आतंकी संगठन बढ़े पैमाने पर राज्य के अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर दहशत को माहौल बनाने की ताक में हैं। साहनी ने कहा कि सरकार हिंदुओं को तत्काल तौर पर हथियार एवं लाइसेंस दे ताकि वह अपनी आत्मरक्षा के साथ अपने उपर हमले करने वालों को मुंह तोड़ जवाब दे सकें। उन्होंने कहा कि हथियार होने से हिंदुओं का आत्मविश्वास और लक्षित हत्याओं जैसे कायराना हरकतों को अंजाम देने वाले के दिल में डर बैठेगा। जिससे काफी हद तक इसपर काबू पाया जा सकेगा। वहीं अशोक तिवारी ने कहा कि यदि सरकार वाकई घाटी में हिंदुओं की सुरक्षित वापसी तथा उन्हें शांत वातावरण उपलब्ध करवाने की इच्छुक हैं तो वह सरकारी स्तर पर अल्पसंख्यकों को हथियार मुहैया करवा उन्हें मजबूत बनाने की दिशा में पहल करें। कश्मीर में अल्पसंख्यकों के मन में बस एक सवाल है कि क्या उन्हें आतंकियों की नापाक हरकतों का शिकार बनने के लिए घाटी में बसाया जा रहा है? क्या उन्हें कश्मीर में बसने और जीने का हक नहीं है। इस मौके पर महासचिव जे आई सिंह, अध्यक्ष कामगार विंग राज सिंह, प्रभारी अश्विनी प्रभाकर, उपाध्यक्ष नटवर लाल, अध्यक्ष कटरा विकल अबरोल, चेयरमैन कटरा मोहन लाल, सुमित कुमार, नरेश कुमार, शशिपाल, संदीप शर्मा समेत कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निजी स्कूल ने वार्षिकोत्सव में बैन की दादा-दादी की एंट्री

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के आदेश पर लुधियाना जिले के खन्ना शहर के मोहनपुर स्थित निजी स्कूल ग्रीन ग्रोव पब्लिक स्कूल को नोटिस जारी किया गया है। स्कूल पर वार्षिक समारोह में बच्चों के दादा-दादी की एंट्री बैन करने का आरोप है। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया कि 20 नवंबर को स्कूल के वार्षिक समारोह में केवल माता-पिता को ही बुलाया गया था। वार्षिक समारोह के कार्ड के साथ विद्यार्थियों के माता-पिता के लिए संलग्न स्लिप द्वारा समारोह में दादा-दादी की एंट्री की मनाही की गई थी, जो हमारे सत्कार योग्य बुजुर्गों के प्रति अनादर की भावना दिखाता है।

जन-प्रतिनिधियों के कार्य प्राथमिकता से किए जाएं : दुष्यंत

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों की तरफ से सड़कों की मजबूती व मरम्मत के लिए आने वाले कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं। विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। डिप्टी सीएम, जिनके पास लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग का प्रभार भी है, मंगलवार को पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा निर्मित किए जा रहे भवन एवं सड़कों के कार्यों की समीक्षा-बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता, उपमुख्यमंत्री के ओएसडी कमलेश भादू के अलावा लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। दुष्यंत चौटाला ने बैठक के बाद बताया कि राज्य सरकार ने सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में सड़कों के विकास के लिए 25 करोड़ रुपए तक कार्य अनुमोदित करने का निर्णय लिया है जिसके तहत कई विधायकों ने विभाग को अपने कार्यों की सूची देने को कहा गया है। डिप्टी सीएम ने प्रदेश के शहरों व विभिन्न कस्बों के बाईपास की प्रगति रिपोर्ट लेते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

राजस्थान के 33 जिलों में निकलेगी विवेकानंद संदेश यात्रा

बीकानेर (हिंस)। आजादी के अमृत महोत्सव पर स्वामी विवेकानंद कन्याकुमारी केंद्र के 50 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा प्रदेश के 33 जिलों में स्वामी विवेकानंद संदेश यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। संदेश यात्रा बीकानेर

प्रमुख डॉ. दिव्या जोशी ने बताया कि बीते 19 नवंबर को खेतड़ी में महामहिम उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हरी झंडी दिखाकर इस यात्रा को रवाना किया था। उक्त यात्रा राजस्थान की सभी जिलों में जाएगी। यह यात्रा बीकानेर में 17 दिसंबर को प्रवेश कर 19 दिसंबर को आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इस संदेश यात्रा में केंद्र व प्रदेश द्वारा बीकानेर में कमेटी का गठन किया गया है। इस यात्रा में प्रथम दिन शोभायात्रा व दूसरे दिन 18 दिसम्बर को मैराथन का आयोजन होगा। मैराथन के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही डॉ. सुषमा मगन बिस्सा को संयोजक बनाया गया है। उक्त मैराथन 15 से 25 वर्ष के युवक युवतियां भाग ले सकेंगे। इस मैराथन के लिए मंगलवार से रजिस्ट्रेशन शुरू हुआ। मैराथन में भाग लेने वाले युवा केंद्र द्वारा दी गई टी-शर्ट पहन कर भाग लेंगे। युवाओं से अनुरोध किया गया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस मैराथन में शामिल होकर इस मैराथन को सफल बनाएं। बीकानेर यात्रा संयोजक रितेश अरोरा ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

पुलिस को अपना व्यवहार सुधारना होगा : एच आर कुड़ी

अजमेर (हिंस)। राजस्थान पुलिस आयोग के अध्यक्ष एच आर कुड़ी ने कहा कि पुलिस को अपने व्यवहार में सुधार करना होगा। एच आर कुड़ी मंगलवार को तीर्थराज पुष्कर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस के नाम से लोग आज भी डरते हैं तथा पुलिस थाने से जाने से भी कतराते हैं इसलिए पुलिस को अपने व्यवहार में सुधार लाना होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पुलिस थाने में लिखा होता है कि आमजन में विश्वास- अपराधियों में भय लेकिन यह सिर्फ लिखा हुआ है, यह लागू नहीं हो रखा है। पुलिस को इसे धरातल पर लागू करना चाहिए और अपने व्यवहार में सुधार कर लोगों का विश्वास जीतना चाहिए, ताकि कोई भी पुलिस थाने में आने से घबराए नहीं। एच आर कुड़ी ने मंगलवार को तीर्थराज पुष्कर पहुंचकर जगतपिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन किए।

जम्मू ग्रामीण में अधिवास प्रमाण-पत्र वितरित

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी के निर्देश पर बीजेपी ओबीसी मोर्चा ने जम्मू ग्रामीण में डोमिसाइल वितरण शिविर का आयोजन किया और जनता के बीच डोमिसाइल प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन शमशेर प्रजापति (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू ग्रामीण) ने किया। मौके पर जोगिंदर सिंह (जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा), पुरुषोत्तम कुमार (जिला मीडिया प्रभारी ओबीसी मोर्चा), रवि कुमार (जिला कार्यकारी सदस्य भाजपा), जेसेट कुमार (ब्लॉक जनरल सेक ओबीसी मोर्चा) मौजूद थे. कार्यक्रम में उन्होंने क्षेत्र के परिवारों के बीच निवास प्रमाण पत्र का वितरण किया। जो परिवार कार्यक्रम में उपस्थित नहीं थे, उन्हें ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा उनके आवास पर निवास प्रमाण पत्र

प्राप्त किया गया। अपने आवास पर डोमिसाइल पाकर लोग काफी खुश थे। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने कहा कि डोमिसाइल प्रमाण पत्र ओबीसी के लिए बहुत आवश्यक दस्तावेज है और कॉलेजों के लिए नए सेमेस्टर, विश्वविद्यालय जल्द ही शुरू होंगे और छात्रों को इस आवश्यक दस्तावेज को प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि यह बुनियादी आवश्यकता है, इसलिए भाजपा ओबीसी मोर्चा इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है और शिविरों का आयोजन कर रहा है। उन्होंने डोमिसाइल पत्र वितरण शिविर आयोजित कर सराहनीय कार्य करने वाली भाजपा ओबीसी मोर्चा टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा हमेशा मानवता की सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता है और भविष्य में भी इसे जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी को किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो वह हमारे संबंधित क्षेत्र के जिला अध्यक्ष से संपर्क कर सकता है, हम उसे उचित सहायता प्रदान करेंगे ।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता पास, पीएम अल्बानीस ने दी जानकारी

सिडनी ।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्तों को और मजबूत करने के लिए मंगलवार को बड़ा कदम उठाया गया। इसके मद्देनजर ऑस्ट्रेलिया की संसद में भारत-ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता पारित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने ट्वीट कर बताया कि भारत के साथ हमारा (भारत-ऑस्ट्रेलिया) मुक्त व्यापार समझौता संसद से पारित हो गया है। अब दोनों देश आपसी सहमति से फैसला करेंगे कि यह समझौता किस तारीख से लागू होगा। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (एआई-ईसीटीए) को लागू करने से पहले ऑस्ट्रेलियाई संसद की मंजूरी की आवश्यकता थी। भारत में इस तरह के समझौतों को केंद्रीय मंत्रिमंडल मंजूरी देता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक ट्वीट में कहा कि खुशी है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते को ऑस्ट्रेलियाई संसद ने पारित कर दिया है। हमारी गहरी दोस्ती के चलते, यह हमारे लिए व्यापार संबंधों को पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ाने और बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए मंच तैयार करता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब एंथनी अल्बनीस अगले साल मार्च में भारत का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने जी20 शिखर सम्मेलन के 17वें संस्करण के मौके पर यह घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की, जहां हमने ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच घनिष्ठ आर्थिक सहयोग समझौते को अंतिम रूप देने पर चर्चा की।

इसे हम ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच आर्थिक संबंधों के विस्तार के लिए बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। मैं मार्च में भारत का दौरा करूंगा। उन्होंने कहा था कि हम भारत में एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल लेकर जाएंगे। यह एक महत्वपूर्ण यात्रा होगी और हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार होगा। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलियाई व्यापार मंत्री डॉन फैरेल ने कहा था कि भारत के साथ व्यापार समझौता ऑस्ट्रेलियाई सेवा कंपनियों और पेशेवरों के लिए भारतीय बाजार में प्रवेश करने का एक बड़ा अवसर होगा। ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) पर दो अप्रैल को हस्ताक्षर किए गए थे। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के अनुसार, यह समझौता दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था में ऑस्ट्रेलिया की पैठ को मजबूत करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ऑनलाइन गेमिंग पर 28प्रतिशत जीएसटी वसूला जाएगा, वित्त मंत्रियों का समूह जल्द कर सकता है सिफारिश

नई दिल्ली । सूत्रों ने कहा कि राज्यों के वित्त मंत्रियों का पैनल ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी की एकसमान जीएसटी लगाने की सिफारिश कर सकता है, भले ही यह कौशल का खेल या मौके का खेल ही क्यों ना हो। हालांकि, उस राशि की गणना के लिए एक संशोधित सूत्र का सुझाव देने की भी संभावना है, जिस पर वस्तु एवं सेवा कर लगाया जाएगा। अभी ऑनलाइन गेमिंग पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। कर सकल गेमिंग राजस्व पर लगाया जाता है, जो कि ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल्स की ओर से लिया जाने वाला शुल्क है। सूत्रों ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी दर बढ़ाने के लिए जीओएम की रिपोर्ट लगभग तैयार हो चुकी है और जल्द ही इसे जीएसटी परिषद के समक्ष विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता वाले मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने जून में परिषद को सौंपी गई अपनी पिछली रिपोर्ट में ऑनलाइन गेमिंग (चाहे वह गेम ऑफ लक हो या गेम ऑफ स्किल इसका भेद किए बिना) की कुल राशि जिसमें उसकी इंट्री फी भी शामिल है पर 28 प्रतिशत जीएसटी वसूलने का सुझाव दिया था। हालांकि, परिषद ने जीओएम से अपनी रिपोर्ट पर पुनर्विचार करने को कहा था। इसके बाद जीओएम ने इस विषय पर अटॉर्नी जनरल का भी विचार लिया और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के हितधारकों से भी मुलाकात की। हालांकि जीओएम ने कौशल के खेल और मौके के खेल के लिए अलग-अलग परिभाषाओं पर विचार-विमर्श किया, लेकिन अंततः दोनों पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय लिया गया।

भारत संपत्ति में निवेश के मामले में चीन को पछाड़ने के लिए तैयार

नई दिल्ली । भारत एक आकर्षक संपत्ति निवेश गंतव्य के रूप में चीन को पछाड़ने के लिए तैयार है। इसका कारण चीन में लगातार संपत्तियों के निवेश का मूल्यांकन घटना है। संपत्ति मूल्य सूचकांक पिछले कुछ वर्षों में भारत में लगातार बढ़ रहा है। भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से प्रकाशित अखिल भारतीय आवास मूल्य सूचकांक जून में समाप्त तिमाही के दौरान 3.5 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ा, जो पिछले वर्ष की जून की तुलना में 1.8 प्रतिशत अधिक है। निक्केई एशिया के साथ एक साक्षात्कार में, सीएलआई ने कहा कि वह अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की योजना बना रहा है और वियतनाम और भारत में निवेश के अवसरों की तलाश कर रहा है। इसका उद्देश्य महामारी के दौरान आए वैश्वीकरण के झटकों के बीच आपूर्ति शृंखला और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लचीलापन लाना है। सीएलआई जिसका सबसे बड़ा शेयरधारक सिंगापुर राज्य के स्वामित्व वाली निवेशक टेमासेक होल्डिंग्स है, एशिया के सबसे बड़े रियल एस्टेट निवेश प्रबंधकों में से एक है, जिसके पास 90 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति संपत्ति है और प्रबंधन के तहत 63 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।

तेलंगाना के मंत्री का आवास पर आईटी का छापा, देश के 30 अन्य स्थानों पर दबिश में हुए ये खुलासे

नई दिल्ली । आयकर अधिकारियों ने तेलंगाना के राज्य मंत्री मल्ला रेड्डी के सिकंदराबाद स्थित आवास समेत कई जगहों पर छापेमारी की है। फिलहाल छापेमारी से जुड़े अन्य तथ्य सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। उधर, द्ब-ञ्च विभाग ने बीते 17 नवंबर को पटना, भागलपुर, डेहरी, लखनऊ और दिल्ली में सोने और हीरे के आभूषण और रियल एस्टेट के कारोबार में लगे कुछ समूहों से संबंधित 30 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि विभाग को छापेमारी के दौरान आयकर की चोरी के सबूत बरामद हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार तलाशी अभियान के दौरान, बेहिसाब नकदी और 5 करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण जब्त किए गए। कुल 14 बैंक लॉकरों को सीज किया गया।

ऑनलाइन खरीदारी में फेक रिव्यू पर 25 से सख्ती, पैसे दे लिखवाई तारीफ तो बताना होगा

नई दिल्ली ।
ई-कॉमर्स वेबसाइट्स अब ज्यादा बिक्री के लिए किसी उत्पाद या सेवा के लिए पैसा देकर रिव्यू (समीक्षा) लिखवाएंगी, तो बताना होगा कि ये 'पेड रिव्यू' हैं। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय इसके लिए 25 नवंबर से नया फ्रेमवर्क लागू करने जा रहा है। नए दिशा-निर्देशों के तहत, जो वेबसाइट समीक्षा में गड़बड़ियां जारी रखेंगी, उन्हें अनुचित कारोबारी तौर-तरीकों में शामिल माना जाएगा। उन पर उपभोक्ता आयोग दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है। वहीं, उन रिव्यू को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है जो थर्ड पार्टी की ओर से लिखवाए या खरीदे गए हों।

इनमें किसी सेवा या उत्पाद के सप्लायर, उनसे अनुबंधित थर्ड पार्टी या स्वतंत्र थर्ड पार्टी भी शामिल।

आरंभ में स्वैच्छिक होगा अनुपालन

फ्रेमवर्क का शुरुआती अनुपालन स्वैच्छिक होगा, आने वाले समय में इन्हें अनिवार्य किया जा सकता है।

ई-कॉमर्स कंपनियों से अपेक्षा जताई गई है कि मानकों का पालन करें और ऐसी कंपनियों को बीआईएस से अगले 15 दिन में नए मानक आईएस-19000 : 2022 के प्रमाणपत्र मिलेंगे।

पैनी नजर... रिव्यू कब, किससे करवाया यह भी बताना होगा

मंत्रालय के अनुसार, कई बार ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी वेबसाइट या एप पर खुद अपनी सेवा या उत्पादों का रिव्यू करवाती हैं। इसके लिए इनाम देती हैं। अब इसे प्रकाशित करते समय कंपनी को बताना होगा कि यह रिव्यू कब, किससे और क्यों करवाया।

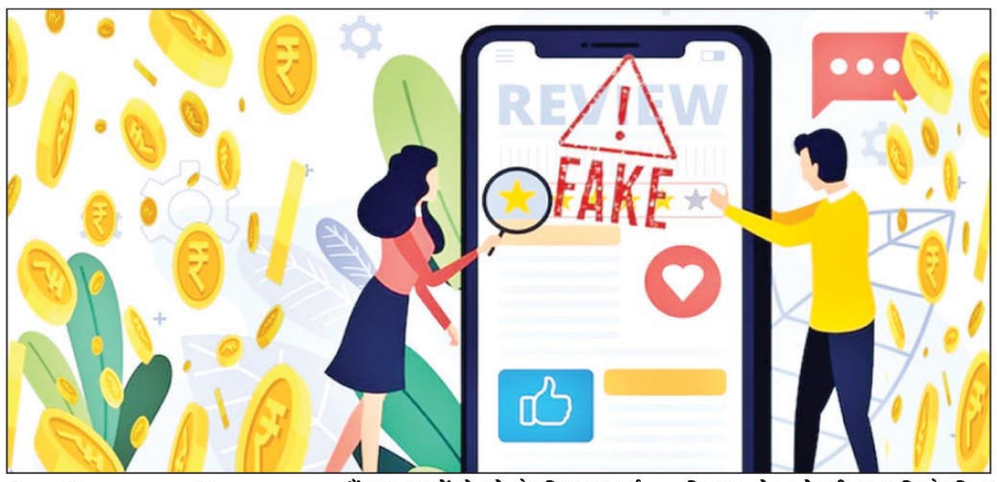

फेक रिव्यू, बड़ा कारोबार

फेक रिव्यू को मंत्रालय ने बड़ा कारोबार माना है। मालदीव, तुर्किये में ऐसी कंपनियां फल-फूल रही हैं जो पैसा लेकर रिव्यू लिखती हैं। बिना वेरिफाई किए लेखकों से रिव्यू कराए जा रहे हैं।

पहले पेज पर दिखेंगे सभी तरह के रिव्यू

फेक रिव्यू पर जारी निर्देशों के तहत अब सभी तरह की रेटिंग वाले रिव्यू पहले ही पेज पर दिखाने होंगे, सिर्फ 5 स्टार वाले ही नहीं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, देश में ई-कॉमर्स तेजी से बढ़ा, लेकिन उत्पाद छूकर देखने, जांचने और ठोक-बजाकर खरीदने को नहीं मिलते।

लोग कंपनियों, ई-कॉमर्स वेबसाइट और सोशल मीडिया मंच पर दूसरे ग्राहकों द्वारा की गई समीक्षा के आधार पर टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन आदि खरीदते हैं।कई बार समीक्षाएं फर्जी होती हैं। अब इन्हें रोकने के लिए खुद ई-कॉमर्स कंपनियों, उद्योग से जुड़े लोगों, उपभोक्ता संगठनों व विधि विशेषज्ञों की मदद से फ्रेमवर्क बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार भारत ऐसा करने वाला पहला देश है।

फेक रिव्यू : फ्रेमवर्क की प्रमुख बातें...

उत्पाद या सेवा को स्टार कैसे दिए, इसे बताएं। प्रतिस्पर्धी कंपनियां नकात्मक रिव्यू करवाएं तो इन्हें भी व्यापक व्यवस्था बनाकर रोकना होगा। प्रकाशन में रिव्यू की मूल भावना शुरुआत में ही नजर आनी चाहिए, ऐसा न हो कि पहले वाक्य में सकारात्मक बात हो व नकारात्मक जानकारियां आगे तीन डॉट लगाकर व्यू-मोर में छिपा दी जाएं। कंपनियों को रिव्यू की भाषा सुधारनी होगी, अपशब्द नहीं चलेंगे। ऑटोमेटेड और मैनुअल मॉडरेशन भी जरूरी। अनुवाद के साथ मूल भाषा में भी रिव्यू दें ताकि इनमें बदलाव की शंका न रहे। रिव्यू करने वाले की अनुमति के बिना पहचान उजागर न हो। नकारात्मक रिव्यू पर कंपनी नुकसान न पहुंचाए।

फेक रिव्यू पर लगाम की दिशा में सरकार इसे पहला कदम मान रही है।मंत्रालय ने इसे भारतीय मानक ब्यूरो के साथ तैयार किया। मंत्रालय का मानना है, नए फ्रेमवर्क से कुछ कंपनियों को नुकसान हो सकता है, पर उपभोक्ताओं को फायदा होगा। मंत्रालय के सचिव रोहित कुमार सिंह के अनुसार ऑनलाइन शॉपिंग और कारोबार के लिए ऑनलाइन रिव्यू बेहद महत्वपूर्ण हैं। सिंह के अनुसार भारत ऐसा करने वाला पहला देश है, कई अन्य विकसित देश इस समस्या से जूझ रहे हैं और फ्रेमवर्क तैयार करने की प्रक्रिया में ही हैं। ई-कॉमर्स व सोशल मीडिया कंपनियों सहित सभी प्लेटफॉर्म इसके दायरे में यह फ्रेमवर्क ई-कॉमर्स कंपनियों, सोशल मीडिया कंपनियों और उन सभी प्लेटफॉर्म पर लागू होगा, जो किसी न किसी रूप में रिव्यू प्रकाशित कर रहे हैं।

ट्विटर-फेसबुक-अमेजन के बाद गूगल में भी छंटनी! अल्फाबेट 10 हजार कर्मचारियों को निकालेगी

नई दिल्ली ।
तमाम टेक कंपनियों की तरह अब गूगल की पितृ कंपनी अल्फाबेट ने भी 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाई है। इसके तहत कमजोर प्रदर्शन वाले कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इसके पहले मेटा, अमेजन, ट्विटर समेत कई टेक कंपनियां छंटनी शुरू कर चुकी हैं।

अब तक गूगल ने छंटनी की मंशा प्रकट नहीं की थी, लेकिन अल्फाबेट के जरिए वह भी ऐसी अन्य कंपनियों में शुमार हो गई है। निकाले जाने वाले 10 हजार कर्मचारी अल्फाबेट के कुल स्टाफ के 6 फीसदी होंगे। जानकारी के अनुसार गूगल ने कर्मचारियों की नई रैंकिंग व परफार्मेंस योजना बनाई है। इस नए सिस्टम से गूगल के प्रबंधकों को नए साल से हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने में मदद मिलेगी। इस योजना के तहत गूगल के प्रबंधक कर्मचारियों की ग्रेडिंग कर उन्हें बोनस व अन्य अनुदान भी रोक सकेंगे। पूर्व में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी स्टाफ को जॉब कट की दशा में नई भूमिका के लिए आवेदन करने के लिए 60 दिन का वक्त देगी। नए सिस्टम के तहत प्रबंधकों को अपने स्टाफ के 6 फीसदी या मोटे तौर पर 10 हजार उन कर्मचारियों की पहचान करने को कहा गया है, जिनका प्रदर्शन कमजोर है। अनुमान के अनुसार अल्फाबेट के कुल कर्मचारी 1.87 लाख है। अमेरिकी सिक्युरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल अल्फाबेट ने अपने कर्मचारी को औसत रूप से करीब 2,95,884 डॉलर वेतन भत्तों के रूप में प्रदान किए थे। जॉब कट की खबरों के बीच कहा गया है कि अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई कंपनी की क्षमता में 20 फीसदी इजाफा चाहते हैं। कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो अल्फाबेट को तीसरी तिमाही में 13.9 अरब डॉलर का मुनाफा हुआ है। यह पिछले साल के मुकाबले 27 फीसदी कम है। दरअसल, टेक कंपनियों ने अर्थव्यवस्था के कमजोर हालात व अपनी स्थिति को देखते हुए बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू की है। इसकी शुरुआत ट्विटर, मेटा, अमेजन, सेल्सफोर्स जैसी कंपनियों ने की, जो अब गूगल तक पहुंच गई है।

भारत, चीन व कोरिया बौद्धिक संपदा के मामले में अव्वल, यूएन बोला- 2021 में बना रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।
विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के अनुसार भारत, चीन और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देशों से बड़े पैमाने पर होने वाली वैश्विक बौद्धिक संपदा फाइलिंग के कारण पेटेंट, ट्रेडमार्क और डिजाइन के आंकड़े वर्ष 2021 में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। । संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि कोरोनोवायरस महामारी के विघटन के बावजूद, इसने पिछले आर्थिक मंदी के रुझानों को पीछे छोड़ दिया। भारत में स्थानीय पेटेंट फाइलिंग में मजबूत वृद्धि (+5.5 प्रतिशत), चीन (+5.5 प्रतिशत) और कोरिया गणराज्य (+2.5 प्रतिशत) ने 2021 में पेटेंट आवेदनों में वैश्विक वृद्धि को बढ़ावा दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे एशियाई फाइलिंग का हिस्सा दो-तिहाई बढ़ गया। वहीं, दूसरी ओर, अमेरिका में स्थानीय पेटेंटिंग गतिविधि (-1.2 प्रतिशत), जापान (-1.7 प्रतिशत) और जर्मनी (-3.9 प्रतिशत) में 2021 में गिरावट आई है। विश्व बौद्धिक संपदा संकेतक रिपोर्ट से पता चला है कि दुनिया भर के नवोन्मेषकों ने 2021 में 3.4 मिलियन पेटेंट आवेदन दायर किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.6 प्रतिशत अधिक है और एशिया में कार्यालयों को दुनिया भर में सभी आवेदनों का 67.6 प्रतिशत प्राप्त हुआ है। डब्ल्यूआईपीओ के अनुसार, कोरोनावायरस महामारी के बावजूद सामने आए इन आंकड़ों ने आर्थिक मंदी के रुझान को कम किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में अमेरिका में स्थानीय पेटेंट गतिविधि (-1.2 प्रतिशत), जापान (-1.7 प्रतिशत) और जर्मनी (-3.9 प्रतिशत) में गिरावट आई है।

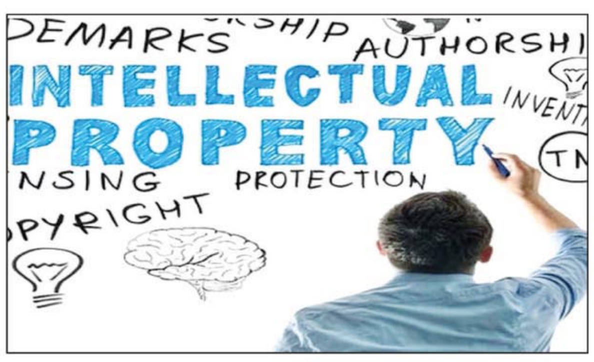

35 वर्ष छोटी महिला से 'प्रेम' एलिंगफोर्ड क्रेसो फार्मा कंपनी के चेयरमैन को पड़ा महंगा, नौकरी से निकाला गया

नई दिल्ली ।
कहा जाता है कि प्यार की कोई उम्र नहीं होती। किसी भी उम्र के व्यक्ति को किसी भी उम्र की महिला से प्यार हो सकता है पर कभी-कभी ये रिश्ते पेशेवेर जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित करते हैं। ऐसे ही एक मामले में जब 58 वर्ष के एक शख्स को अपने से 35 वर्ष छोटी लड़की से प्रेम करना महंगा पड़ा। शख्स को उनकी कंपनी ने उनके इस प्रेम संबंधन के कारण बाहर का रास्ता दिखा दिया है। 58 वर्षीय जेम्स एलिंगफोर्ड क्रेसो फार्मा नाम की एक कपंनी में चेयरमैन के वरिष्ठ ओहदे पर थे। पर अब कंपनी ने उन्हें उनके पद से हटा दिया है। कंपनी ने उन्हें अपने से 35 वर्ष छोटी युवती के साथ इश्क फरमाने के आरोप में उन्हें बाहर कर दिया है। हालांकि जेम्स का कहना है कि यह उनका निजी मामला और उनके इस संबंध से कंपनी को कोई नुकसान नहीं हो रहा था। उधर, जेम्स और 23 वर्ष की लड़की ब्राइटनी क्वाले का प्रेम प्रसंग सोशल मीडिया पर वायरल है। सोशल मीडिया पर अपने रोमांटिक वीडियोज के जरिए एक्टिव रहता है कपल ऑस्टेलिया का यह कपल टिकटॉक पर भी बड़ा एक्टिव रहता है। जेम्स और ब्राइटनी अपने टिकटॉक अकाउंट पर लगातार वीडियो डालते रहते हैं। इन वीडियोज में वो कभी प्यार का इजहार करते तो कभी आपस में बहस करते हुए नजर आते हैं। उनके वीडियोज को करोड़ों लोग देखते हैं। ऑस्टेलिया में जेम्स शुगर डैडी के नाम से मशहूर हैं, ब्राइटनी से उनकी मुलाकात कैसीनों में हुई थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे और फिर साथ रहने लगे। सोशल मीडिया पर जेम्स के वीडियो से नाराज थी क्रेसो कंपनी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जेम्स और उनकी महिला मित्र जो वीडियो सोशल मीडिया पर डाल रहे थे उससे नामी फर्मास्युटिकल कंपनी की छवि को नुकसान पहुंच रहा था। इसलिए उन्हें नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के पद से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। हालांकि क्रेसो फार्मा ने जेम्स को कंपनी से बाहर करते समय उन्हें इसका कारण नहीं बताया। बल्कि कंपनी ने जेम्स को उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया है।

स्टांप-पंजीकरण शुल्क से 948 अरब रुपये की कमाई, यूपी दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली ।
आवासीय संपत्तियों की बिक्री में उछाल की वजह से चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में स्टांप और पंजीकरण शुल्क के रूप में राजस्व संग्रह 35 फीसदी बढ़कर 948.47 अरब रुपये पहुंच गया। 2021-22 की अप्रैल-सितंबर में देश के 27 राज्यों और एक केंद्रशासित राज्य जम्मू-कश्मीर को स्टांप और पंजीकरण शुल्क के रूप में 701.20 अरब रुपये की कमाई हुई थी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 की पहली छमाही में महाराष्ट्र को स्टांप और पंजीकरण शुल्क के रूप में सबसे ज्यादा 186 अरब रुपये की कमाई हुई है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 113 अरब रुपये से 65 फीसदी ज्यादा है। उत्तर प्रदेश इस मामले में 123.94 अरब रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। यह 2021-22 की समान अवधि के 93 अरब रुपये से 33 फीसदी ज्यादा है।

11 राज्यों में 40प्रतिशत वृद्धि - रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान 11 राज्यों की स्टांप और पंजीकरण शुल्क के रूप में कमाई 40 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है।

ये राज्य हैं - महाराष्ट्र, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय और मिजोरम। मिजोरम के राजस्व में सर्वाधिक 104 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

अगले साल प्रभावित होगा रियल एस्टेट उद्योग - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के मुख्य अर्थशास्त्री निखिल गुप्ता ने कहा कि आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले 18-24 महीने में शानदार प्रदर्शन किया है।हालांकि, आने वाली तिमाहियों में क्षेत्र को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।2023 में रियल्टी उद्योग कुछहद तक प्रभावित हो सकता है।

आठ प्रमुख शहरों में मकानों के दाम पांच फीसदी बढ़े - देश के आठ प्रमुख शहरों में इस साल के पहले नौ महीने यानी जनवरी-सितंबर में मकानों की कीमतें करीब 5 फीसदी बढ़ी गईं। लागत में बढ़ोतरी और मकानों की मजबूत मांग से कीमतों में इजाफा हुआ है। संपत्ति ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर डॉटकॉम के मुताबिक, सितंबर तिमाही तक इन शहरों के प्राथमिक बाजारों में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमत 6,600-6,800 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। 2021 की दिसंबर तिमाही तक यह 6,300-6,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी।

दिल्ली-एनसीआर में कीमतें 5 फीसदी बढ़कर 4,700-4,900 रुपये प्रति वर्ग फुट पहुंच गईं। अहमदाबाद में दाम 5 फीसदी बढ़कर 3,600-3,800 रुपये, बंगलूरू में 6प्रतिशत बढ़कर 5,900-6,100 रुपये और चेन्नई में 2प्रतिशत वृद्धि के साथ 5,500-5,700 रुपये प्रति वर्ग फुट पहुंच गए।

पहली बार विक्की और सारा अली होंगे साथ-साथ

-मांग में सिंदूर और मंगलसूत्र पहने दिखीं एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और विक्की कौशल के फैन्स के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी आई है। सारा और विक्की स्टारर लक्ष्मण उतेकर की आने वाली फिल्म की कुछ फोटोज सामने आई हैं। इन फोटोज के सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। इस फिल्म में दोनों कलाकार पहली बार एक-साथ नजर आने वाले हैं। फिल्म के सीन की ये फोटोज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में सारा और विक्की दोनों ही मिडिल क्लास परिवार से ताल्लुक रखने वाले किरदार निभा रहे हैं। वायरल हो रही फोटोज में सारा पिंक कलर के ब्लाउज के साथ ब्लू फ्लोरल साड़ी पहने दिखा रही हैं। उन्होंने मांग में सिंदूर और गले में मंगलसूत्र पहन रखा है। वहीं विक्की कौशल कैजुअल अंदाज में दिख रहे हैं। उन्होंने टी-शर्ट और पैन्ट पहन रखी है। विक्की एक बाइक पर सवार नजर आ रहे हैं। बता दें, लक्ष्मण उतेकर की इस फिल्म के नाम का खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। विक्की कौशल जल्द गोविंदा नाम मेरा में कियारा अडवाणी और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान द्वारा किया गया है। शशांक इस फिल्म के राइटर भी हैं। सारा अली खान इस फिल्म के अलावा जल्द ही धर्मा प्रोडक्शंस की ऐ वतन मेरे वतन में नजर आएंगी। वह पवन कृपलानी द्वारा निर्देशित गैसलाइट में विक्रांत मैसी के साथ भी दिखेंगी। बता दें कि सारा अली खान अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी सारा अली खान की काफी फैन फॉलोइंग है। फिल्म केदारनाथ से ही सारा अली खान ने ऑडियंस के दिलों में जगह बना ली थी।

'बकवास मूवीज भी कर रहीं कमाई': प्रतीक बब्बर

-एक्टर ने बॉलीवुड फिल्मों को लेकर दिया विवादित बयान

मुंबई (ईएमएस)। अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर एक्टर दिए गए एक इंटरव्यू में प्रतीक ने लॉकडाउन के बाद फिल्मों की दुर्दशा को लेकर बात की। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान बताया कि लॉकडाउन के बाद से बकवास फिल्में भी थिएटर में कामयाब होती दिख रही हैं। हालांकि इस मामले में ओटीटी प्लेटफार्म का हाल काफी अच्छा है। फिल्म इंडिया लॉकडाउन में प्रतीक एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभा रहे हैं। जो 2020 के दौरान भारत में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के प्रकोप का सामना करता है और पैदल अपने घर लौटने के लिए मजबूर हो जाता है। इस फिल्म में प्रतीक बब्बर के साथ श्वेता बसु प्रसाद और अहाना कुमरा नजर आएंगे। इंटरव्यू के दौरान फिल्म की स्टार कास्ट के साथ मधुर भंडारकर भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान श्वेता ने बताया कि कैसे दर्शक पोस्ट कोविड एरा में चीजों को अलग तरह से देखते हैं।श्वेता बसु प्रसाद कहती हैं कि ऑडियंस के फिल्मों के चयन में बदलाव आया है। पहले जो फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर अच्छा करती थीं, वह फिल्में अब बॉक्स-ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पा रही हैं। वह आगे कहती हैं शायद अब ये फिल्में ओटीटी पर चल जाएं। श्वेता के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर हिट होने वाली फिल्मों के पैसे कमाने के बावजूद उनकी रिकॉल वैल्यू नहीं है। वह कहती हैं बेशक, फिल्मों को पैसा बनाना चाहिए और इंडस्ट्री में पैसा लाना चाहिए। मैं इससे खुश हूं। लेकिन, मुझे नहीं लगता कि उन फिल्मों की शेल्फ लाइफ होती है और यह भी ठीक है। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए प्रतीक कहते हैं कि जरूर ऑडियंस का फिल्मों को लेकर पसंद बदली है। ये 50-50 का मामला है। मैं किसी फिल्म या एक्टर का नाम नहीं लेना चाहता हूं लेकिन आज कल बकवास से बकवास फिल्में भी बॉक्स-ऑफिस पर चल जा रही हैं। इस विषय पर मधुर भंडारकर कहते हैं कि लॉकडाउन के बाद से ऑडियंस को ओटीटी पर हर तरह के शोज देखने को मिले हैं। वह कहते हैं की साउथ की कई फिल्में जैसे कांतारा, आरआरआर, कार्तिकेय और पुष्पा ऑडियंस को थिएटर तक खींच लाने में कामयाब रही हैं, जबकि बॉलीवुड की केवल दो फिल्में भूल भुलैया 2 और द कश्मीर फाइल्स ही ऐसा कर पाई हैं। बता दें कि प्रतीक बब्बर बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाते हैं। अब ये एक्टर अनदेखे अवतार के साथ बॉलीवुड में धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं। प्रतीक बब्बर फिल्म निमार्ता मधुर भंडारकर की इंडिया लॉकडाउन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनका किरदार अब तक देखे गए इस एक्टर के सभी किरदारों से बिल्कुल ही अलग होने वाला है।

भारी-भरकम आवाज ने रजा मुराद द्वारा निभाए विलेन के किरदारों में फूंक दी जान

दिग्गज अभिनेता रजा मुराद का जन्म 23 नवंबर 1950 को उत्तर प्रदेश में हुआ था। उनके पिता मुराद बॉलीवुड के सक्रिय अभिनेता थे। फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने वाले रजा मुराद का रुझान बचपन से ही अभिनय की तरफ हुआ। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत 1965 में आई फिल्म 'जौहर महमूद इन गोवा' से की। इस फिल्म में उन्होंने रहिमन नाम के युवक का किरदार निभाया था। इसके बाद रजा ने अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी की फिल्म 'एक नजर' में अभिनय किया। इस फिल्म में वह अमिताभ बच्चन के दोस्त और वकील की भूमिका में नजर आये। रजा ने कई फिल्मों में अभिनय किया,लेकिन पहचान उन्हें 1982 में आई फिल्म 'प्रेम रोग' से मिली। इस फिल्म में वह ठाकुर वीरेन प्रताप के रोल में खलनायक की भूमिका में नजर आये। इसके बाद 1991 में आई फिल्म 'हिना' में रजा ने पुलिस अफसर के रोल में खलनायक की भूमिका निभाई। दर्शकों ने उनके अभिनय को काफी पसंद किया। 90 के दशक में बॉलीवुड में उनके नाम का सिक्का चला और वह खलनायक के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। उस दौर में वह खलनायक के रोल के लिए फिल्म निर्देशकों की पहली पसंद थे। रजा ने 2 मई, 1982 को समीना मुराद से शादी कर ली। रजा और समीना के दो बच्चे हैं। रजा ने अब तक 200 से ज्यादा फिल्मों में शानदार अभिनय किया हैं, जिनमें दूसरी सीता, पांच फौलादी, डाकू हसीना, राम तेरी गंगा मैली, रामलखन, जोधा अकबर ,पद्मावत आदि शामिल हैं।

50 दिन में 'पोन्नियिन सेल्वन -1' ने कमाए 500 करोड़

50 दिन बाद मणिरत्नम की 'पोन्नियिन सेल्वन-1' ने 500 करोड़ रुपये की कमाई की है। यह रजनीकांत-स्टारर '2.0' के बाद उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी तमिल फिल्म है। फिल्म के निमार्ता लाइका प्रोडक्शंस ने ट्वीट किया, "हैशटैग-पोन्नियिनसेल्वन के 50 शानदार दिन और अभी भी मजबूत चल रहे हैं।" हैशटैग-पोन्नियिनसेलवन।" तमिल सम्राट राजा चोल के जीवन और समय की एक ऐतिहासिक गाथा, मणिरत्नम फिल्म काफी लंबे समय से बन रही थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर अपने भाग्य को लेकर चौतरफा उत्सुकता जगा दी थी। हालांकि, ऐश्वर्या राय सहित बड़े-टिकट वाले अभिनेताओं की अपनी आकाशगंगा के साथ 'पीएस1' को दर्शकों, युवा और बूढ़े लोगों द्वारा पसंद किया गया था। फिल्म अब दक्षिण भारतीय ब्लॉकबस्टर की सूची में अपनी जगह पाती है - दो 'बाहुबली' फिल्में, 'आरआरआर' और 'केजीएफ चैप्टर 2' - जिन्होंने 500 करोड़ रुपये की बाधा को पार कर लिया है।

फिल्म 'कांतारा' सबसे बड़ी सफल कहानियों में से एक

हाल के दिनों में भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी सफल कहानियों में से एक कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' है। फिल्म के 50 दिन पूरे होने पर भी विश्व स्तर पर 1,000प्लस स्क्रीन पर अभी चल रही है। बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा' के 50 दिन पूरे करने पर अपनी खुशी साझा करते हुए, निमार्ताओं ने अपने सोशल मीडिया पर जनता के समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद नोट साझा किया है। "हमारे लिए दिव्य उत्सव का क्षण। दुनिया भर में सभी के लिए धन्यवाद। यह हम में से प्रत्येक के द्वारा स्वीकार, स्वामित्व और जीवन में था। हम वास्तव में पंजुरली और गुलिगा दैवा द्वारा आशीर्वादित थे। लगभग 16 करोड़ रुपये के अपेक्षाकृत कम बजट में बनी यह फिल्म अस्पष्ट रीति-रिवाजों, परंपराओं और स्थानीय लोककथाओं के इर्द-गिर्द घूमती हुई कर्नाटक से बाहर भी हिट हो रही है। इसने केजीएफ सीरीज के आंकड़ों को पार करते हुए सबसे ज्यादा फुटफॉल संख्या दर्ज की और 'केजीएफ चैप्टर 2' और 'आरआरआर' के बाद साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। फिल्म विदेशों में भी असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

एक वक्त था जब फिल्में मिलना बंद हो गई थीं : दीप्ति

-अभिनेत्री ने हैरान करने वाला खुलासा किया

मुंबई(ईएमएस) । बालीवुड फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री दीप्ति नवल बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शुमार हैं। दर्शक उनके अभिनय के मुरीद रहे हैं। चाहे कोई भी लाइट रोल रहा हो या फिर गंभीर लुक लिए स्ट्रांग कैरेक्टर प्ले करना हो, दीप्ति नवल ने अलग-अलग तरह के कैरेक्टर्स को प्ले कर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी से जुड़ा हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह अवसाद के दौर से गुजर चुकी हैं। एक वक्त था जब उन्हें फिल्में मिलना बंद हो गई थीं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीप्ति ने बताया कि 80 के दशक में शादी के बाद उन्हें धीरे-धीरे फिल्में मिलना बंद हो गई थीं। यह बात उन्हें बहुत परेशान करती थी। उन्होंने कहा कि वह खुद को एक आर्टिस्ट के रूप में देखती हैं इसलिए उन्होंने अपने लिए फिर से रास्ते बनाए। दीप्ति नवल ने 1978 में श्याम बेनेगल की फिल्म जुनून से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने और कई फिल्मों में काम किया। एक्ट्रेस ने अपने करियर में कई हिट मूवी की, जिसकी वजह से प्रोफेशनल उनका कद हिंदी सिनेमा में बढ़ता चला गया। 'जुनून' के बाद उन्होंने 'चश्मे बद्दूर', 'साथ-साथ', 'किसी से न कहना', 'रंग बिरंगी' जैसी फिल्मों में काम किया है।इन फिल्मों के जरिये उनके बेहतरीन अभिनय को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखने का मौका दर्शकों को मिला। दीप्ति नवल की शादी 1985 में प्रकाश झा से हुई थी। उन्होंने बताया कि जब उनकी शादी हो गई, तो उन्हें रोल मिलने बंद हो गए। उन्हें ऐसा लगा कि जैसा उनके टैलेंट पर पूरी तरह से पानी फेर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'मैं उस दौर से गुजरी हूं। मेरी जिंदगी में कुछ साल ऐसे थे जब मेरे पास काम नहीं था। मैं समझ नहीं पा रही थी मेरे साथ क्या हो रहा है क्योंकि मैं खुद को एक आर्टिस्ट के तौर पर देखती थी। अगर आपको काम करने का मौका नहीं मिल रहा है न ही आप उस काम को क्रिएट कर पा रहे हो, तो फिर आप कौन हैं? मुझे अपनी मंजिल वापस पानी ही थी। यही एक चीज थी जिसकी वजह से मैं काफी परेशान थी। इस वजह से मैं अवसाद का शिकार हो गई।'एक्ट्रेस ने आज की बॉलीवुड इंडस्ट्री पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज बॉलीवुड इंडस्ट्री पहले जैसी नहीं रही। यहां बहुत सारे बदलाव हुए हैं और यह इंडस्ट्री खुद को रीइनवेंट कर रही है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में अब कास्टिंग निर्देशकों की शिरकत ने फिल्म मेकर्स तक पहुंच कम कर दी है। कास्टिंग काउच और इंसाइडर्स और आउटसाइडर्स का का कॉन्सेप्ट हमेशा से रहा है। लेकिन आपको अपना रास्ता खुद बनाना होता है। आपको शुरू से पता था कि इंडस्ट्री में यह सब पहले से रहा है। दीप्ति नवल, देव डी एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन के साथ 'गोल्डफिश' में नजर आएंगी। इसके अलावा वह बेटी दिशा झा के प्रोडक्शन में बनने वाली शॉर्ट फिल्म 'द लास्ट जर्नी' में भी एक्टिंग करने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग फरवरी में शुरू होगी। बता दें कि दीप्ति नवल ने अपनी अदायगी से कई हिट फिल्में दर्शकों को डिलीवर की हैं। एक जमाने में सिल्वर स्क्रीन पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस अब फिल्मों में कम ही नजर आतीं हैं। फिल्म इंडस्ट्री में वैसे भी यह बात काफी प्रचलित है कि अगर अभिनेत्री ने शादी कर ली, तो उन्हें फिल्में मिलना बंद हो जाती हैं। या फिर उन्हें वह रोल मिलते हैं, जिनमें हीरोइन की बड़ी बहन या सपोर्टिंग रोल करना हो। शादी के बाद अभिनेत्री का करियर खत्म हो जाता है। उसकी प्रोफेशनल लाइफ पहले जैसी सुनहरी नहीं रह जाती। हालांकि, बदलते वक्त में आजकल की एक्ट्रेस ने इस इंडस्ट्री के इस नियम को तोड़ा है और आज कई सारी अभिनेत्री हैं, जो शादी के बाद भी लीड एक्ट्रेस का रोल करती नजर आती हैं। लेकिन, दीप्ति नवल के साथ ऐसा नहीं हुआ।

विक्की बायोपिक 'सैम बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त

बालीवुड एक्टर विक्की कौशल को हाइब्रिड सर्वाइवल शो 'इनटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स' के साथ अपने डर पर काबू पाने का मौका मिला। विक्की अभी बायोपिक 'सैम बहादुर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। विक्की की विशेषता वाला शो, जो पहले ओटीटी पर आया था, अब अपने टेलीविजन प्रीमियर की ओर अग्रसर है। इसमें देखा जाएगा कि कैसे अभिनेता को जंगल में घूमते हुए, साहसी मेजबान, बेयर ग्रिल्स के साथ खतरनाक समुद्र को पार करते हुए जीवित रहने और सभ्यता में वापस लौटते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, "यह यात्रा मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ का भी प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि इसने मुझे अपने कई फोबिया का सामना करने और उससे उबरने की अनुमति दी है। आपके नीचे एक ठोस सतह के बिना समुद्र के बीच में तैरने की कल्पना करना मुश्किल है। लेकिन बेयर की निरंतर प्रेरणा और ध्ढ़ता ने मुझे इस पर जीत हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।"

सूडोकु नवताल- 6260

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6259 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7007

आ	ल	र	ही	दा	उ	प	का	र	झ	आ
ज	द	ल	र	आ	क	ह	ब्ब	तें	शा	रा
अं	इ	मी	रां	ल	दा	ल	न	र	ला	म
जं	कु	अ	झा	बे	ला	क	सी	रि	श	औ
जी	ति	श	ने	व	द	स	ब	ग	वी	र
र	रं	गं	गा	की	सौ	गं	ध	ती	प	श्या
जो	गा	ध	र्मा	गा	प	म	र	कौ	या	म
श	बा	जीं	स	त	क	छ	श	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	म	रा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	बी	ना
थो	कु	र्बा	नी	र	हो	ग	या	दु	र	क

शब्दजाल में प्राण की दस फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उपकार,शराबी,नसीब,हीर रांझा,आदमी, जंजीर,कुर्बानी,धर्मा,गंगा की सौगंध,राम और श्याम

शब्दजाल - 7006 का हल

मु	हु	मे	रि	ह	आ	ल	म	आ	रा	म
ग	खु	क	दू	म	जी	ने	शि	या	ड़	द
ले	पी	जा	क	दि	ग	बा	द	ह	प	र
आ	ग	ए	रा	ल	दे	व	दा	स	लि	इं
ज	आ	रा	ल	दे	ब्लै	ला	कि	यो	प	डि
म	इ	वा	मो	चु	प	क	शी	ह	गी	या
न	अ	ल	रा	के	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	स	र	प्या	सा	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	न	न	ज	जी	व	जू	ड़ी
र	ग	ल	नो	म	व	शि	का	री	क्त	ल
बां	दो	बी	घा	ज	मी	न	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5960

	7	6	1		4	
	33		23		33	6
5		2		1		3
	40		27	4	24	
7		5			2	
6	37		38	7	33	2
		3	4		6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5959 का हल

1	5	4	3	2	7	6
2	30	7	31	4	34	2
6	3	2	4	5	7	1
5	29	6	33	6	37	3
4	2	1	6	3	5	7
3	30	5	32	7	34	5
7	5	3	6	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

देहरादून की नंदनी कश्यप का भारतीय अंडर-19 टीम में चयन, न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैचों की खेलती आएंगी नजर

देहरादून ।

क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड की अंडर-19 टीम की खिलाड़ी नंदनी कश्यप का चयन भारतीय अंडर-19 टीम के लिए हुआ है। नंदनी 27 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला में भारतीय जर्सी में खेलती नजर आएंगी। नंदनी इस श्रृंखला से अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पर्दापण करेंगी।

नंदनी की उपलब्धि पर दी शुभकामनाएं - सीएयू सचिव महिम वर्मा ने नंदनी की उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सीएयू क्रिकेट आपरेशन हेड अमित पांडे ने बताया कि आल इंडिया वूमेंस सेलेक्शन कमेटी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का चयन किया है।

नंदनी कश्यप का चयन बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज हुआ - जिसमें देहरादून की नेहरू कालोनी निवासी नंदनी कश्यप का चयन बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज हुआ है। बताया कि सीएयू के कुछ और खिलाड़ी भी जल्द भारतीय टीम से खेलते नजर आएंगे। नंदनी कश्यप ने क्रिकेट की बारीकियां क्रिकेट कोच रवि नेगी से सीखी हैं।

कैडेट अजय ने किया शानदार प्रदर्शन - भारतीय सैन्य अकादमी के जेंटलमैन कैडेट व निशानेबाज अजय रेड्डी ने भोपाल में चल रही 65वीं शूटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग किया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 600 में से 552 प्वाइंट प्राप्त किए। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अकादमी के वरिष्ठ अधिकारियों व प्रशिक्षकों ने कैडेट अजय को बधाई दी है।

जिला खेल कार्यालय की खेलकूद प्रतियोगिताएं 24 नवंबर से - जिला खेल कार्यालय की ओर से 24 व 25 नवंबर को वालीबाल, तीन व चार दिसंबर को हैंडबाल और 11 व 12 दिसंबर को कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक खिलाड़ी संबंधित खेलों के प्रशिक्षकों से संपर्क कर अपनी प्रविष्टि जमा करवा सकते हैं। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी शबाली गुरुंग ने बताया कि जिला खेल कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रवेश निश्शुल्क है। बताया कि बालक व बालिका वर्ग की वालीबाल प्रतियोगिता 24 व 25 नवंबर को परेड मैदान में आयोजित की जा रही है।

हैंडबाल में अंडर-15, अंडर-21 व ओपन महिला वर्ग की प्रतियोगिता तीन व चार दिसंबर को पवेलियन मैदान में आयोजित की जा रही है। खिलाड़ी सुशीला राणा से 9412388818 पर संपर्क कर सकते हैं। 11 व 12 दिसंबर को कराटे प्रतियोगिता सब जूनियर, कैडेट एवं जूनियर बालक व बालिका वर्ग में परेड मैदान स्थित न्यू मल्टीपर्पज हाल में होगी। इच्छुक खिलाड़ी संजीव जांगड़ा से 9359433344 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, हाईस्कूल प्रमाण पत्र की छायाप्रति लानी अनिवार्य है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप के दौरान महिला रिपोर्टर से लूट, पुलिस का जवाब सुन रह गई हैरान

कतर । फीफा विश्व कप की मेजबानी को लेकर कतर लगातार चर्चा में बना हुआ है। यहां के नियम कानून से लेकर संस्कृति तक सब कुछ चर्चा का विषय है। कतर में फैंस के लिए शराब पीने से लेकर छोटे कपड़े पहनने, समलैंगिक लोगों और गैर शादी शुदा जोड़ों के लिए अगल गाइडलाइन जारी की गई है। इस बीच एक महिला रिपोर्टर के साथ लूट की घटना ने यहां की पुलिस के काम करने के अलग तरीके को भी सभी के सामने रखा है। अर्जेंटीना की महिला रिपोर्टर फीफा विश्व कप के पहले दिन ही लूट का शिकार हो गई। इसके बाव पुलिस के पास पहुंची और अपने साथ हुई घटना के बारे में बताय। इसके जवाब में पुलिसकर्मी ने कहा कि पूरे शहर में सुरक्षा के लिहाज से कैमरे लगे हुए हैं और जल्द ही पुलिस लुटेरे की पहचान कर उसे पकड़ लेगी। इसके बाद पुलिसकर्मी ने जो कहा वह सुनकर महिला हैरान रह गई। पुलिस ने महिला से पूछा कि जब वह पकड़ा जाता है तो आप उसे क्या सजा देना चाहेंगी। यह सवाल अर्जेंटीना की महिला के लिए काफी चौकाने वाला था। क्योंकि, दुनिया के अधिकतर देशों में चोरी और लूट जैसे अपराध के लिए तय सजा होती है, लेकिन कतर में पुलिसकर्मी पीड़ित महिला से ही अपराधी की सजा तय करने की बात कह रहा था। महिला ने बताया मैं पुलिस स्टेशन गई और तभी सांस्कृतिक अंतर सामने आया। पुलिसवाले ने मुझसे कहा: हमारे पास हर जगह हाई-टेक कैमरे हैं और हम चेहरे की पहचान के साथ उसे (चोर) का पता लगाने लेंगे। जब हम उसे ढूंढ लेते हैं तो आप क्या चाहती हैं कि सिस्टम उनके साथ क्या करे उन्होंने कहा, आप क्या न्याय चाहती हैं हम उसे क्या सजा दें क्या आप चाहती हैं कि उसे पांच साल जेल की सजा मिले या आप चाहती हैं कि उसे बाहर भेज दिया जाए फीफा विश्व कप में इससे पहले डेनमार्क के पत्रकार को कुछ लोगों ने वीडियो बनाने से रोक दिया था। हालांकि, बाद में कतर ने इस मामले में माफी भी मांगी थी।

रोनाल्डो के इंस्टाग्राम पर 50 करोड़ फॉलोअर्स पूरे, यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले इंसान

नई दिल्ली । पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और रिकॉर्ड एक साथ चलते हैं। रोनाल्डो फुटबॉल में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। वह खेल मैदान से बाहर भी रिकॉर्ड बनाने के लिए जाने जाते हैं। अब उनके नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गई है। रोनाल्डो इंस्टाग्राम पर 500 मिलियन (50 करोड़) फॉलोअर्स वाले पहले इंसान बन गए हैं। यह संख्या भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के फॉलोअर्स से दोगुने से भी ज्यादा है।

डब्लूडब्लूई के इस सुपरस्टार ने फिर की सूर्यकुमार यादव की तारीफ, मौजूदा समय में टी20 का बेस्ट प्लेयर बताया

नेपियर । भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टी20 में सूर्यकुमार यादव ने शतकीय पारी खेल तहलका मचा दिया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका दूसरा शतक रहा। दो साल पहले तक सूर्यकुमार भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहे थे। हालांकि, 2021 में वह टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे। तब से लेकर अब तक सूर्या के खेल में लगातार निखार ही आया और वह फिलहाल दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बन गए हैं। सूर्यकुमार की बैटिंग के दुनियाभर में कई फैन्स हैं। वह मैदान के किसी भी कोने में छक्के लगाने का दमखम रखते हैं। उनकी बल्लेबाजी ने डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलिंग के स्टार पहलवान ड्रू मैकिनटायर को भी मुरीद बना दिया।

तीसरे टी-20 में बारिश के कारण नहीं निकला नतीजा

1-0 से भारत ने सीरीज जीती, अर्शदीप और सिराज ने आखिरी मैच में 4-4 विकेट झटके

नई दिल्ली ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में खेला गया तीसरा टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा रहा। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम 19.4 ओवर में 160 रन पर ऑलआउट हो गई। डेवोन कॉनवे ने सबसे ज्यादा 59 रन की पारी खेली। वहीं, ग्लेन फिलिप्स ने 54 रन बनाए। टीम इंडिया की ओर से अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 4-4 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के आखिरी 7 विकेट 14 रन बनाने में गिर गए।

जवाब में टीम इंडिया ने 9 ओवर में 4 विकेट खोकर 75 रन बना लिए थे। तभी बारिश शुरू हो गई। इसके बाद एक भी बॉल का खेल नहीं हो सका और तीसरे टी-20 को टाई घोषित कर दिया गया। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली।

मैच टाई होने पर सुपर ओवर होता है, लेकिन एक भी बॉल फेंकने की गुंजाइश नहीं थी। ऐसे में मैच को बेनतीजा घोषित कर दिया गया।

कब और कैसे गिरे न्यूजीलैंड के विकेट

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उन्होंने दूसरे ओवर की तीसरी बॉल पर फिन एलन को आउट कर दिया। एलन ने 4 बॉल का सामना किया और 3 रन बनाकर आउट हुए।

मोहम्मद सिराज ने कीवी टीम का दूसरा विकेट लिया। उन्होंने मार्क चैपमैन को 12 बॉल में 12 रन बनाने के बाद अर्शदीप सिंह के हाथों कैच आउट कराया।

ग्लेन फिलिप्स ने न्यूजीलैंड के लिए शानदार पारी खेली। उन्होंने 33 बॉल का सामना किया और 163 के स्ट्राइक रेट से 54 रन बनाए। उनका विकेट मोहम्मद सिराज ने लिया।

डेवोन कॉनवे 49 बॉल में 59 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट अर्शदीप सिंह ने लिया।

मोहम्मद सिराज ने जेम्स नीशम के रूप में अपना तीसरा विकेट लिया। वहीं, मिचेल सेंटनर को 1 रन पर आउट कर चौथा विकेट झटका।

अर्शदीप सिंह के 19वें ओवर में लगातार तीन बॉल पर 3 बल्लेबाज आउट हुए। पहले उन्होंने ईश सोढ़ी और डेरिल मिचेल को पवेलियन भेजा। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने एडम मिल्ने को डायरेक्ट थ्रो से रन आउट कर दिया।

आखिरी ओवर में हर्षल पटेल ने टिम साउदी को बोल्ड कर भारतीय टीम को आखिरी सफलता दिलाई।

दोनों टीमों में एक-एक बदलाव है। वाशिंगटन सुंदर की जगह हर्षल पटेल को मौका मिला है। वहीं, केन विलियमसन की जगह न्यूलीलैंड की प्लेइंग इलेवन में मार्क चैपमैन आए हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन...

भारत: ईशान किशन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), हर्षल पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल।

न्यूजीलैंड : फिन एलन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, मिचेल सेंटनर, टिम साऊदी, ईश सोढ़ी, एडम मिल्ने और लॉकी फर्ग्यूसन।

जहानाबाद के खिलाड़ी ने कूच बिहार ट्राफी में बनाया रिकार्ड, 39 चौके मार कुमार श्रेय ने लगाया तिहरा शतक

पटना ।

अहमदाबाद में चल रही कूच बिहार ट्राफी में बिहार के कुमार श्रेय ने तिहरा शतक (302 रन, 438 गेंद, 39 चौके) जमाया। यह उपलब्धि हासिल करने वाले श्रेय प्रदेश के एकमात्र क्रिकेटर हैं। इसके पूर्व इसी सत्र में पीयूष कुमार सिंह ने 238 रनों की पारी खेली थी। 300 का जादुई आंकड़ा छूने वाले पटना के कुमार श्रेय बिहार के तीसरे क्रिकेटर हैं। उनसे पहले सकीबुल गनी ने रणजी में 341, सीके नायडू में 306 और बलजीत बिहारी ने विजय मर्चेंट ट्राफी में 358 रनों की पारी खेली थी। कुमार श्रेय मूलत: जहानाबाद के निवासी हैं। उनका परिवार पटना में रहता है।

बिहार ने 606 रनों का विशाल स्कोर बनाया - तीसरे दिन बिहार ने मणिपुर के खिलाफ 4 विकेट पर 606 रनों का विशाल स्कोर बनाकर पहली पारी घोषित कर दी। अनिमेष कुमार ने 121 और कप्तान आयुष ने नाबाद 102 रनों की पारी खेली। इसके बाद दिन के बचे समय में गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी की और दूसरी पारी में मणिपुर के 4 विकेट चटका दिए हैं। पहली पारी के आधार पर बिहार को 389 रन की बड़ी बढ़त मिली है। अब उसे जीत के लिए 6 विकेट की दरकार है। मणिपुर की पहली पारी 155 रन पर सिमट गई थी।

रन आउट से हुआ श्रेय की पारी का अंत - बिहार ने दूसरे दिन बिना नुकसान के 386 रन से आगे खेलना शुरू किया। दूसरे दिन के नाबाद बल्लेबाज कुमार श्रेय ने लंच से पूर्व ही तिहरा शतक पूरा कर लिया और 438 गेंदों में 39 चौके की मदद से 302 रन की उनकी मैराथन पारी का अंत रन आउट होने से हुआ। इसके बाद यशराज और आयुष आनंद ने मिल कर टीम के स्कोर को 606 रन तक पहुंचाया और यहीं पर कप्तान ने पहली पारी घोषित कर दी।

कप्तान आयुष ने जमाया शतक - आयुष आनंद 125 गेंदों में 10 चौके व एक छक्का की मदद से 102 रनों पर नाबाद रहे। यशराज ने नाबाद 12 रन बनाए। मणिपुर की ओर से मो अकील अहमद ने 132 रन देकर एक, राहुल कुमार ने 70 रन देकर एक, कल्याण ने 140 रन देकर एक विकेट लिए। मणिपुर की दूसरी पारी में सोमोकांता 29 और लायरेजम अंश सिंह 5 रन बना कर खेल रहे हैं। बिहार की ओर से प्रियम चौबे ने 24रन देकर दो, अनिकेत कुमार ने 16 रन देकर 1, अनिमेष कुमार ने 4 रन देकर 1 विकेट चटकाये।

इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले ईरान के खिलाड़ियों ने राष्ट्रगान गाने से मना किया

कतर ।

फीफा विश्व कप 2022 अपने आगाज से पहले ही जमकर विवादों में रहा था और अब टूर्नामेंट शुरू होने के बाद भी जमकर विवाद हो रहा है। पहले टीवी रिपोर्टर को परेशानी हुई थी। डेनमार्क के एक रिपोर्टर को कुछ लोगों ने वीडियो बनाने से रोक दिया था। वहीं, एक महिला लूट का शिकार हो गई थी। अब टूर्नामेंट के दूसरे मैच में ही खिलाड़ियों का नाम विवादों से जुड़ गया है। ईरान के खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले अपना राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया।

ईरान की पूरी टीम ने देश की सरकार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए यह कदम उठाया है। मैच से पहले ईरान फुटबॉल टीम के कप्तान अलीरेजा जहानबख्श ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी मिलकर तय करेंगे कि वह सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के समर्थन में राष्ट्रगान गाने से मना करेंगे या नहीं।

इस मैच से पहले जब ईरान का राष्ट्रगान बजा तो खलीफा इंटरनेशनल स्टेडियम में ईरान के 11 खिलाड़ी गंभीर मुद्रा में खड़े थे। सभी खिलाड़ी इस दौरान काफी भावुक थे।

ईरान में 16 सितंबर को पुलिस हिरासत में 22 साल की महसा अमिनी की मौत हो गई थी। इसके बाद से दो महीने में पूरे ईरान में सरकार का विरोध हो रहा है। कुर्द मूल की 22 वर्षीय ईरानी अमिनी को तेहरान में गिरफ्तार किया गया था। इसके तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। अमिनी पर ईरान के ड्रेस कोड के उल्लंघन का आरोप था। ईरान के ड्रेसकोड में हिजाब अनिवार्य है।

इस घटना के बाद ईरान के कुछ खिलाड़ियों ने सरकार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन के समर्थन में राष्ट्रगान नहीं गाने और जीत के बाद जश्न नहीं मनाने का फैसला किया है।

दो दिन में तीसरा विवाद

फीफा विश्व कप 2022 में दो दिन के अंदर तीसरा बड़ा विवाद सामने आया है। इससे पहले डेनमार्क के एक रिपोर्टर को कुछ लोगों ने वीडियो बनाने से रोक दिया था। इस मामले में कतर ने बाद में माफी भी मांगी थी। इसके बाद एक महिला रिपोर्टर लूट का शिकार हुई और पुलिस ने उसी रिपोर्टर से पूछा कि दोषी को क्या सजा दी जानी चाहिए। यह मामला भी रिपोर्टर के लिए हैरान करने वाला था।

इंडियन टूर स्क्वैश चैंपियनशिप: इजिप्ट की अमीना औफ़्री, भारत के अभय सिंह विजेता रहे

जोधपुर।

इंडियन टूर स्क्वैश चैम्पियनशिप में भारत के अभय सिंह ने खिताब जीता। वहीं महिला वर्ग में मिश्र की अमीना औफ्री ने आइरा अजमान को हराकर खिताब जीता। जोधपुर में उम्मेदभवन पैलेस में आयोजित फाइनल मुकाबला बहुत रोचक रहा। समापन समारोह में पूर्व राजपरिवार की सदस्य गायत्री राजे ने सम्मानित किया। जोधपुर में 17 से 21 नवंबर तक उम्मेद भवन पैलेस और बोधी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित एचसीएल-एसआरएफआई इंडियन टूर के दूसरे चरण में 9 देशों के 48 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया । ऑल ग्लास कोर्ट में आयोजित फाइनल मैच को देखने का भी लोगों में खासा उत्साह नजर आया। ग्लास कोर्ट में खेले गए फाइनल में भारत से अभय सिंह ने मिश्र के जाहिद सलीम को 13-11, 7-11, 11-9, 11-8 से हराया। अभय ने पहला गेम जीता सलीम ने दूसरा गेम जीत कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। बाद में शानदार गेम का प्रदर्शन करते हुए अभय ने दो सेट अपने नाम कर खिताब जीता। महिलाओं की श्रेणी में इजिप्ट की अमीना औफ़्री ने मलेशिया की आयरा अजमान को को हरा कर विजेता बनी। दोनों ने 12000 डॉलर की श्रेणी में जीत हासिल की। कार्यक्रम में एचसीएल ब्रांड के हेड और एसोसिएट वाइस-प्रेसिडेंट, रजत चंदोलिया, स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसआरएफआई) के सचिव, साइरस पोंचा और 16 बार की राष्ट्रीय चैंपियन, पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता भुवनेश्वरी कुमारी भी उपस्थित थीं। इस टूर्नामेंट में मलेशिया, हांगकांग, जर्मनी, श्रीलंका, मिस्र और भारत सहित 9 देशों के 48 खिलाड़ियों ने भाग लिया। भाग लेने वाले कुछ प्रमुख खिलाड़ियों में अभय सिंह, आकांक्षा सालुंखे, चेंग नगा चिंग, जाहेद सलेम, ऐरा आजमन हरिंदर पाल सिंह संधू और कई अन्य शामिल थे। विजेताओं को बधाई देते हुए रजत चंदोलिया, एवीपी और हेड, एचसीएल ने कहा, एचसीएल छह साल से अधिक समय से स्क्वैश का समर्थन कर रहा है। इसके अलावा, हमने 2019 में एचसीएल स्क्वैश पोडियम प्रोग्राम की शुरुआत की ताकि देश भर में प्रतिभा की पहचान की जा सके और मौजूदा स्क्वैश खिलाड़ियों को मौका दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पहली बार ऐतिहासिक शहर जोधपुर में पीएसए टूर का आयोजन किया जिसे सभी ने खूब सराहा।

हमारे पिछले टूर्नामेंटों की तरह, इस बार भी टूर्नामेंट ने भारतीय स्क्वैश खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार करने में मदद की और उन्हें अपने अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंदियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक समान अवसर प्रदान किया।

आईओए मतदाता सूची में सीएम, मंत्री, सांसद समेत कई नेता, पीवी सिंधु समेत 38 महिलाएं बनीं वोटर

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ के चुनाव में ऐसा पहली बार होगा जब पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या वोट डालने में ज्यादा होगी। आईओए के 10 दिसंबर को होने वाली चुनाव में इस बार पांच ओलंपिक पदक विजेताओं पीवी सिंधु, गगन नारंग, योगेश्वर दत्त, साक्षी मलिक और एमएम सोमाया समेत 77 लोगों को वोटिंग का अधिकार मिला है। इनमें 37 वोट पुरुषों के हैं, जबकि 38 वोट महिलाओं के हैं। रिटर्निंग ऑफिसर उमेश सिन्हा की ओर से जारी की गई ।

मतदाता सूची में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद बृजभूषण शरण सिंह समेत कई भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को वोटिंग का अधिकार मिला है। हिमंता बिस्वा सरमा को तो अध्यक्ष पद का सबसे बड़ा दावेदार भी बताया जा रहा है।

सिंधु, गगन, अखिल, ऊषा, साक्षी, योगेश्वर डालेंगे वोट

मतदाता सूची में विशिष्ट खिलाडियों के रूप में शामिल किए गए 8 सदस्य योगेश्वर दत्त, अखिल कुमार, रोहित राजपाल, एमएम सोमाया, पीटी ऊषा, सुमा शिरूर, अपर्णा पोपट, डोला बनर्जी के अलावा एथलेटिक कमीशन के सदस्य गगन नारंग और पीवी सिंधु शामिल किए गए हैं।

इनके अलावा बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष हिमंता बिस्वा सरमा, कुश्ती संघ से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, टेनिस से भाजपा नेता अनिल जैन, एनआरएआई से भाजपा के एक शीर्ष नेता के बेहद करीबी अजय पटेल, पूर्व विदेश राज्य मंत्री दिग्विजय सिंह की पत्नी और भाजपा विधायक शूटर श्रेयषी सिंह की मां पुतुल कुमारी, हैंडबाल से हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के भाई दिग्विजय चौटाला, साइकलिंग से अकाली नेता परमिंदर सिंह ढींढसा, फुटबाल से भाजपा नेता और पूर्व गोलकीपर कल्याणा चौबे आईओए के चुनाव में मतदान करेंगे।

33 खेल संघों ने चुने अपने प्रतिनिधि

कुश्ती संघ ने साक्षी मलिक को अपना महिला मतदाता चुना है। स्क्वैश से भी पूर्व खिलाड़ी भुवनेश्वरी कुमारी मतदाता हैं। एथलेटिक फेडरेशन से ओलंपियन आदिल सुमारीवाला, विंटर ओलंपियन शिवा केशवन लूज से मतदाता सूची में शामिल हुए हैं। कुल 77 लोगों की मतदाता सूची बनी है, जिसमें ओलंपिक, एशियाई, राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल 33 खेल संघों के दो प्रतिनिधि (एक पुरुष और एक महिला) शामिल हैं, जबकि एक वोटर आईओसी में देश की प्रतिनिधि नीता अंबानी शामिल हैं।

हैंडबाल संघ के आनंदेश्वर पांडेय ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में नियमों के खिलाफ जाकर लोग मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। जिस हैंडबाल संघ के पदाधिकारी शामिल किए गए हैं उसे अंतरराष्ट्रीय और एशियाई संघ से मान्यता प्राप्त नहीं है। फिर हैंडबाल संघ खेल मंत्रालय से प्रतिबंधित भी चल रहा है।

पानी के लिए समर्पित एक शिक्षक

पर्यावरण वाले मास्साहब के नाम से प्रसिद्ध

पर्यावरण वाले मास्साहब के नाम से प्रसिद्ध रसायन विज्ञान के प्रवक्ता मोहन चंद्र कांडपाल 33 वर्षों से पानी बोओ, पानी उगाओ! के काम में समर्पित हैं। इनका जन्म अल्मोड़ा जिले के कांडे गांव में हुआ। इनके पिता कानपुर के पंजाब नेशनल बैंक में काम करते थे, जिसके कारण उन्होंने एमएससी तक की पढ़ाई भी कानपुर से ही पूरी की। बचपन में ही वह स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण मिशन के विचारों के अनुयायी बन गए थे। वर्ष 1984 की बात है। इंटर की परीक्षा देकर छुट्टियों के समय वह अपने गांव आए, तो उस समय वहां *नशा नहीं, रोजगार दो,* आंदोलन चल रहा था। वह इससे प्रभावित होकर आंदोलन में कूद पड़े थे। पिता के आग्रह पर पढ़ाई तो पूरी करनी थी। वर्ष 1990 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रसायन विज्ञान के प्रवक्ता के रूप में उन्हें आदर्श इंटर कॉलेज, सुरई खेत में नियुक्ति मिल गई थी, जहां से उन्हें अपने गांव के नजदीक रहकर सेवा करने का मौका मिल गया। विज्ञान के शिक्षक के रूप में उन्होंने अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को मेहनत पूर्वक पढ़ाया और उसके अच्छे परिणाम भी दिखे। लेकिन वह इतने तक ही सीमित नहीं रहे। अपने स्कूल के 40 विद्यार्थियों की टीम बनाकर वह छुट्टी के समय आसपास के गांवों में तालाबों की सफाई, वृक्षारोपण जैसे कार्य करने लगे। गांवों में जाने से छात्रों को विज्ञान की प्रयोगात्मक जानकारी भी हासिल हुई। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व विकास के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1993 में पर्यावरण शिक्षण व ग्रामोत्थान संस्था का गठन किया। इस संगठन को प्रारंभ में उत्तराखंड सेवा निधि का साथ मिला। प्रारंभ में जलस्रोतों के संरक्षण व जल के समान वितरण का काम उन्होंने अपने गांव से ही प्रारंभ किया। 90 के दशक में उनके गांव में तीन जलस्रोत थे, जहां पानी भरने के लिए महिलाओं की लंबी कतार लग जाती थी। अपनी बारी के इंतजार में खड़ी आखिरी महिलाओं को अक्सर बिना पानी लिए ही घर लौटना पड़ता था। यह बुरी स्थिति देखकर शिक्षक मोहन चंद्र ने गांव में स्कूल के विद्यार्थियों के माता-पिता की बैठक बुलाकर प्रत्येक परिवार को बराबर पानी उपलब्ध कराने के लिए जल वितरण के नियम बनवाए, जिससे सबको पानी मिलने लगा। लेकिन जलस्रोत का पानी भी कम होने लगा था। उसे रिचार्ज करने के लिए वर्षा जल एकत्रीकरण हेतु उन्होंने छोटे-छोटे तालाब, जिसे स्थानीय स्तर पर खाव कहते हैं, बनवाए। यहां चारों ओर की नंगी धरती को ढकने के लिए एक हजार से अधिक चौड़ी पत्ती के पौधे रोपकर जंगल तैयार किया गया, जहां से गांववालों को निरंतर पानी की आपूर्ति हो रही है। इसका प्रबंधन गांव के ही लोग करते हैं। शिक्षक के प्रयास की यह मुहिम अब द्वाराहाट एवं भिकियासैण ब्लॉक के 82 गांवों तक फैल चुकी है, जहां महिला संगठनों ने अपने गांवों में 8,000 से अधिक तालाब बना दिए हैं। उनमें वर्षा का पानी जमा रहता है, जिसके कारण गांव के जलस्रोत जिंदा हो गए और जंगल में चारा-पत्ती भी उग आई है। वह ललित पांडे, कुमाऊं विश्वविद्यालय के पहले कुलपति डीडी पंत, प्रसिद्ध भूगर्भशास्त्री खड्ग सिंह वल्दिया और आरडी खुल्वे जैसी विभूतियों को अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्होंने पहली बार अपने कॉलेज के पास वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें उनके ये प्रेरणा पुरुष उपस्थित थे। उस आयोजन में शामिल हुए अतिथियों ने कहा था कि यदि वृक्षारोपण को सफल बनाना है, तो इनकी जड़ों को सींचने के लिए वर्षा जल एकत्रित करना होगा और पेड़ों को बचाने के लिए गांव की महिलाओं को आगे लाना होगा। मोहन चंद्र जी को एहसास हुआ कि उनके वृक्षारोपण कार्यक्रम में न तो महिलाएं थीं और न ही वृक्षारोपण स्थल पर पानी की कोई व्यवस्था थी।

कैसे बनाया जाता है कॉफीलेस कॉफी ?

कॉफी पीना किसे पसंद नहीं है? ज्यादातर लोगों को कॉफी पसंद होती है लेकिन अगर कोई आपसे कहे कि क्या आप बिना कॉफी बींस वाली कॉफी बिना पसंद करेंगे, तो शायद आप सोच में पड़ जाएंगे। जैसे मांसहीन मांस, अंडा रहित अंडा और दूध रहित दूध की नई तकनीकों के बारे में बातें हो रही हैं, उसी तरह कॉफीलेस कॉफी बनाने की तैयारी चल रही है। इसे मॉलिक्यूलर कॉफी कहा जाता है, यह सूरजमुखी के बीज की भूसी और तरबूज के बीज से बनाई जाती है, जो एक रासायनिक प्रक्रिया से गुजरती है, जिसे बनाने के लिए पेटेंट कराया गया है जो एक असली कॉफी के स्वाद की कॉफी है। इस रासायनिक प्रक्रिया का नतीजा है कि एक नियमित कप कॉफी की तरह ही पीसा जाता है। इसके अलावा, यदि आप इसमें कैफीन की मात्रा के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको हैरानी होगी क्योंकि इसमें काफी मात्रा में कैफीन होती है।

कैसी होती है कॉफीलेस कॉफी

इसे बनाने के तीन कारण है। पहला, और सबसे महत्वपूर्ण कारण कॉफी के कड़वे बींस से छुटकारा, दूसरा यह कि यह नई कॉफीलेस कॉफी कॉफी पीने से बर्न होने वाली कैलोरी की संख्या को कम करने में मदद कर सकती है।

कुछ जड़ी-बूटियों को सुबह खाने से शुगर लेवल रहता है कंट्रोल

दुनिया भर में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके लिए गलत खान-पान, खराब जीवनशैली या बहुत अधिक तनाव को इस बीमारी को ट्रिगर करने के लिए जिम्मेदार है। इनसे शरीर में कोर्टिसोल का स्तर प्रभावित होता है। जिससे शुगर से जुड़ी परेशानियां होनी शुरू हो जाती हैं। इस समस्या से निपटने के लिए कई जड़ी-बूटियां कारगर है। भारतीय जड़ी-बूटियों को दैनिक आहार में भी शामिल किया जा सकता है। शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और इंसुलिन प्रतिरोध को प्रबंधित करने में मदद करता है। दरअसल, इन आम देसी जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक दवाओं में किया जाता रहा है। आइए, जानते हैं

कब काम करेगी ये जड़ी-बूटियां

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि ये जड़ी-बूटियाँ तभी काम करेंगी, जब आप उन्हें प्रोटीन, फाइबर, खनिज, विटामिन, एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर और कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट में कम स्वस्थ आहार के साथ जोड़ेंगे। हालांकि, सुबह के समय इन पत्तियों या जड़ी-बूटियों को खाने से शर्करा के स्तर को संतुलित करने में मदद मिलती है। सबसे खास बात है कि इससे वेट लॉस भी होता है।

करी पत्ता

करी पत्ते ज्यादातर भारतीय घरों में पाए जाते हैं क्योंकि यह कई रेसिपीज में इनका इस्तेमाल होता है। इन करी पत्तों को चबाने से खाने से शुगर को रक्तप्रवाह में धीमी गति से छोड़ने में मदद मिल सकती है, जो आगे चलकर इसे प्रबंधित करने में मदद करता है। इसके अलावा करी पत्ते में फाइबर भी होता है, जिससे लंबे समय में पाचन और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती है।

गिलोय

इस आम भारतीय जड़ी बूटी का सेवन सुबह जूस या चाय के रूप में किया जा सकता है। वास्तव में, बस कुछ गिलोय को धोने और चबाने से स्वाभाविक रूप से इंसुलिन संवेदनशीलता को प्रबंधित करने, मेटाबॉलिज्म में सुधार, इम्यूनिटी बूस्ट करने और लीवर की प्रॉब्लम्स दूर होती है। इसके अलावा यह जड़ी बूटी एलर्जी से लड़ने में मदद करती है। इस जड़ी बूटी का स्वाद कड़वा होता है, लेकिन यह फायदों से भरपूर है।

नीम

नीम की पत्तियां बहुत कड़वी लग सकती है लेकिन आपको अगर फायदे चाहिए, तो आपको इसे सुबह जरूर खाना चाहिए। इसका कड़वापन काफी हद तक कम करने के लिए चाय के रूप में या डिटॉक्स पानी में मिलाकर इसका सेवन किया जा सकता है।

Government of Assam

Celebration of 400th Birth Anniversary of

LACHIT BARPHUKAN

The Ever Valiant Ahom General of Assam who defeated the Mughal Invaders

Venue: Vigyan Bhawan, New Delhi
Date: November 23 - 25, 2022

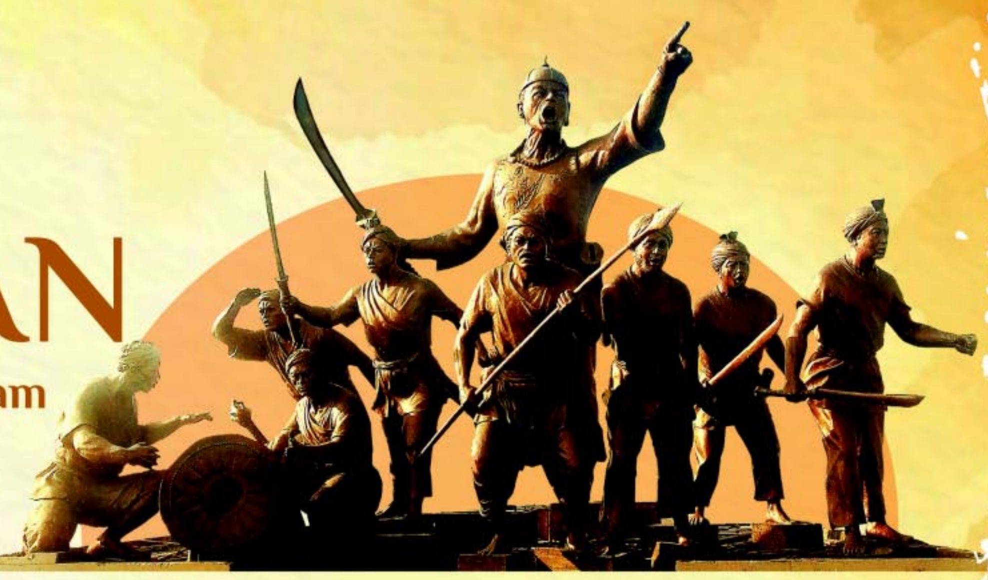

PROGRAMME HIGHLIGHTS

November 23, 2022

Inauguration of Exhibition
Chief Guest
Smt. Nirmala Sitharaman
Hon'ble Minister of Finance and Hon'ble Minister of Corporate Affairs, Government of India
Venue:
Ground Floor, Vigyan Bhawan, New Delhi

Panel Discussion
Topic: The Ahom Saga of Hope, Skills and Courage
Hall No.-6, 2nd Floor, Vigyan Bhawan, New Delhi

Cultural Evening
Chief Guest
Shri Kiren Rijiju
Hon'ble Minister of Law and Justice, Government of India
Venue:
Sunder Nursery, City Park, Nizamuddin, New Delhi

November 24, 2022

Panel Discussion
Topic: Ignored Historiography of Assam's Assertion
Hall No.-6, 2nd Floor, Vigyan Bhawan, New Delhi

Plenary Session of the 400th Birth Anniversary of Lachit Barphukan
Chief Guest
Shri Amit Shah
Hon'ble Minister of Home Affairs and Hon'ble Minister of Cooperation, Government of India
Venue:
Plenary Hall, Vigyan Bhawan, New Delhi

November 25, 2022

Valedictory Function of the 400th Birth Anniversary of Lachit Barphukan
Chief Guest
Shri Narendra Modi
Hon'ble Prime Minister of India
Venue:
Plenary Hall, Vigyan Bhawan, New Delhi

Let us light an earthen lamp at our home to pay homage to Bir Lachit Barphukan in the evening on November 24, 2022

-- Janasanyog /D/ 16632 / 22

Published by Directorate of Information and Public Relations, Assam Follow us /@diprassam https://dipr.assam.gov.in/
Subscribe to Asom Barta WhatsApp 'Assam' at 8287912158

Exclusive/DIPR/11-22

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**